पुरना कानि आद दुरङ को पुरानी कहानियाँ एवं गाने

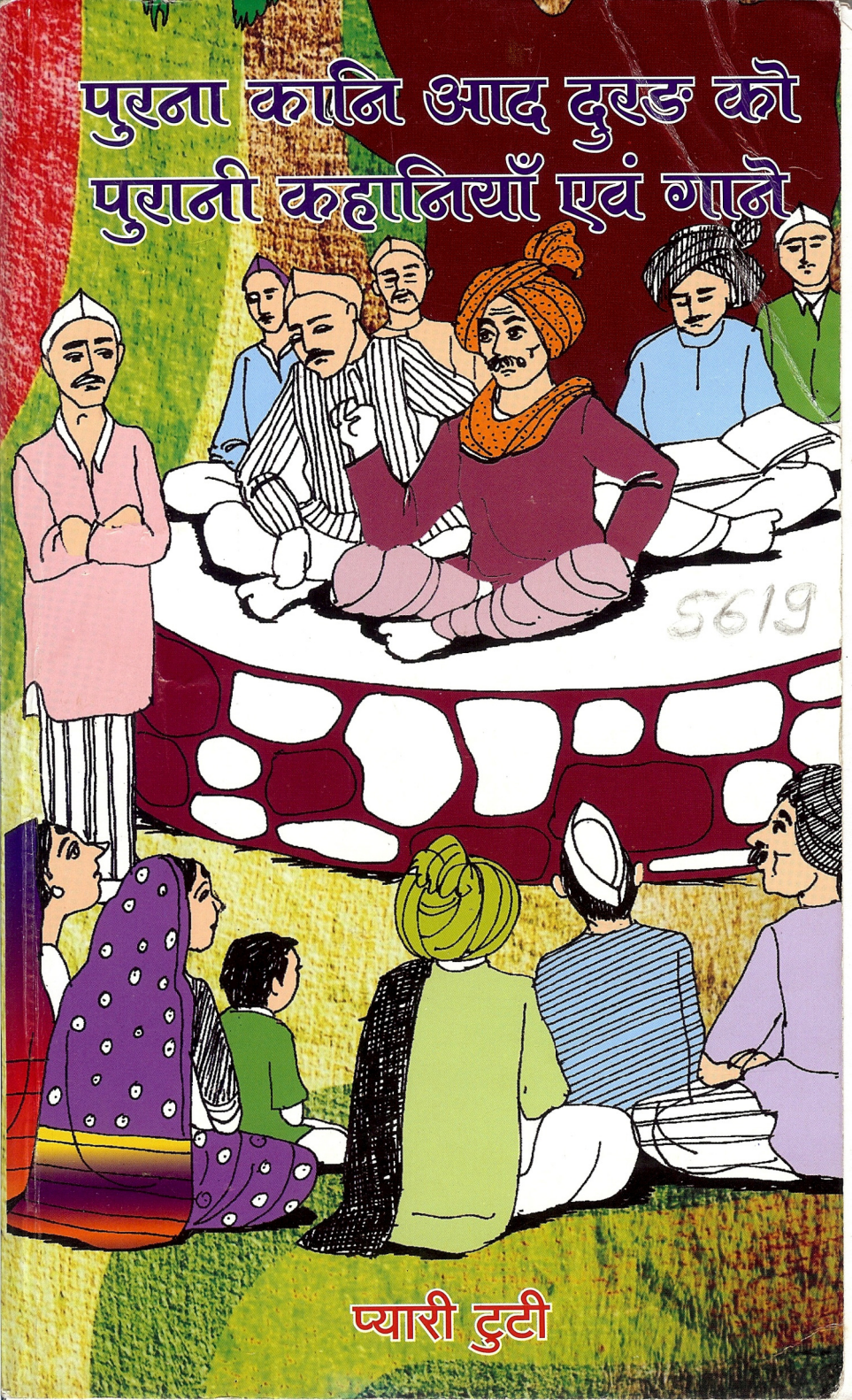

5619

प्यारी टुटी

पुरना कानि आद दुरङ को पुरानी कहानियाँ एवं गाने

प्यारी दुती

प्रथम संस्करण : 2014

मुद्रक : आई. डी. पब्लिशिंग, राँची
मो. 094311 82812

मूल्य : 150 रुपये मात्र

विषय सूचि

	मिद् टुङ	4
	बुगिन सानाङ	6
	''सिङसयद''	8
	मिद् टुंग जागार	10
1.	मियद राजा: होनते कुड़िआ: गोएकन होड़ो को अड़ंदी	13
2.	मोयोद होन बो: बारि: जोनोम लेना	28
3.	ए हगेआ हागा कोरे मियद मिसि	30
4.	बरिया कुलगिया बमाड़े किङ	32
5.	बरिया हड़म बुड़िआ किङ राजा ता:ते रिंड़ि किं अउला:	33
6.	सेंड़ा पटा: तुयु	33
7.	बरिआ डोण्डो हड़म बुड़िया किङ	34
8.	बरिया मिसिआ बारेआ किङ	34
9.	हेड़ेम उड़ु: दारु मा: नि:	35
10.	लंडिया लीटा	36
11.	मियद तुयु आद को: किङ सपाकी ला:	38
12.	सिलिब् रानी	40
13.	ए हगेआरे मियद मिसि	42
14.	हिरुम चेटेड़ाँ	45
15.	होनको संगी रेआ कसला	46
16.	तिरिल जारोम पका केंदु	48
17.	जदुर	52

मिद् टुङ

अञ बोड़े मरङ विद्वान दो कञ हिसाबेन ताना मेनदो अञा: ओल रेआ सनङ। जाना जेताना: को ओल रेआ: अञा: मेना:। काञ इतुवन रेओ ओकोआ को हुड़िङ हुड़िङ जीरेञ दो ला: एना को केचा: केचा: वही खाता कोरेञ ओल दो ला: आद तारा सआदो निंदिर को को। ओम जद ताईकेना। बतरी सेंड़ा राकब जनचि अचाकते एचोन जन लेकञ टोर केदचि नेआ सनङ को पुचिद लगातिङा मेनेआञ उड़ु: केदा। आद आदो: आदो: तन लेकञ टोर केदा। ने पुरना काजि आद दुरङ को दादा दादी, नाना-नानी कोआते अयुम अयुम तेञ इतु ला: आद अकड़ा कोरेओ मिसा मिसा को दुरङ बेड़ाएआ एना सनङ को न:दो पुचिदेञ मोने केदा। मेनदो जान कामि जेतान कामि मोने तारे एसेकर तेदो का कामि दड़िओआ। जाएँ चुलु नी: ताइ को एनङकामि दड़िओआ बोड़े मरङ दारु देएम मोने तादा ओकद को ताई को:रे एनङ दे दड़िओआ एन लेकागे नेआ कामि रेओ डा. बिरेन्द्र कुमार सोय श्री प्रेमानन्द सिंह मुण्डा श्री मंगल सिंद मुण्डा तकोआ देगाओ नाना काना अञा: बोकोञ सोबइती देवीआ: हुड़िङ लेका देंगा मेना: अञा: होन कोआ दो देंगा नमो: तन गेआ। बाँसूरी बज रही पुतीआते हुड़िङ लेका देंगञ अउआ कादा। इमिन रेओ हुपुड़ी हुपुड़ि गटि टुटी कोदो मेना गेआ एना कोदो संगी पाती तेबु बई रुड़ाएआ नेआ काजी तन लो: सोबेन को जोआर।

प्यारी टुटी
जोजो टोली खूँटी

दो शब्द

मैं को बड़ी विद्वान तो नहीं हूँ परन्तु लिखने पढ़ने की मेरी इच्छा है। जब मैं छोटी थी उसी समय कुछ कुछ दादा दादी, नाना-नानी से सुनी थी और अखाड़े में गाया जाता था। उसको भी मैं ध्यान से सुनती थी और फटे पुराने कॉपियों में सिखती थी कुछ तो दीमक खा गए। जब मैं थोड़ी बड़ी हो गई तो नींद से जागी और उसको लिखना शुरू की। परन्तु ऐसा काम अकेले से नहीं हो सकता है किसी न किसी का तो मदद लेना पड़ता है सलाह लेना पड़ता है। इसी प्रकार मैं भी डा. बिरेन्द्र कुमार सोय, श्री प्रेमानन्द सिंह मुण्डा, श्री मंगल सिंह मुण्डा से कुछ न कुछ प्रेरणा लेकर ही लिख रही हूँ। और कुछ बाँसूरी बज रही पुस्तक से मदद ली हूँ। मेरे बच्चों का तो मदद मिला ही है। परन्तु कुछ न कुछ त्रुटियाँ तो रहती ही है। इन त्रुटियों को सभी मिलकर सुधारेंगे यही मेरी बिनती है। सभों को जोहार।

प्यारी टुटी
जोजो टोली खूँटी

बुगिन सानाङ

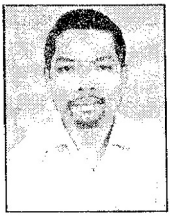

''पुरना कानि अद दुरङ को'' पुथि पड़व तनकुआ ती: रे मेना:। नवा गलाङ हिसिर मइनन प्यारी टुटी तकिन बइआ कदा। सोना समड़ोमाते ला: उताराङ गोनोङान, जुग जुग जाकेद ताइनो:, समाज रेआ ओनोल हिसिर ते साहिति सम्पोड़ोआ कन तइनका। दा: जलाकार लेका सेंड़ा जलाकार बइओआ, मेनेया असाराए मेना।

पुरना कानि ओड़ो: दुरङ को जमा हुंडि, एनका दो जगदीश त्रिगुणायत– ''मुंडा लोक कथाएँ'' ओड़ो: ''बाँसरी बज रही'' लुतुम पुथि होरा तेकिन कमिआ कदा। भैयाराम मुंडा ताकिन ''दंड़ां जमाकन होड़ो कहनि को'' पुथि रेकिन सोतोआ कदा। ने अपि पुथि रे ओलाकन कानि कोआ ते बिनगा, ओकोआ को चि एन पुथि कोरे का सेलेद जमा जना च बागे जना, मेन्दो आबुआ समाज रे चोलोन मेना, कानि मेना, हिरि: बित्तिआ कना, का जोतोन दड़िआ कना, एनकन कानि अद दुरङ को मइनन प्यारी टुटी ताकिन दंड़ा उड़ुङ केआते ''पुरना कानि अद दुरङ को'' पुथि होरा तेकिन उदुब जदा। नेया माराङ कामि तना। पुरना पोटोम को कामि रे आगु ने बरसिङ रेआ जारूड़ु तना। ओनोल होरा तेगे समाज रेआ गोनोङान जिनिस कोबु सोतो: जोतोन दड़िआ। पड़व तन होड़ो कोरे ओल रेआ जुलुङ हिजुका, हया ओड़ो: सिबिल नेया होरा ते सिरजओका।

मइनन प्यारी टुटी तकिना ओनोल सिरजव सेतोंम एटे: केआते माराङ दोरेआ लेका बइओ: तना। ने हया अद सिबिल जनाओ, सांगि इदियोका, मेनेया असाराए तन लो: बुगिन सानाङ अद सांगि जोआर।

डॉ. बीरेन्द्र कुमार सोय ''मुंडा''
सम्पादक, संगोम
जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग
राँची वि.वि., राँची

शुभकामना

''प्राचीन कहानियाँ और गीत'' (लोक कथाएँ और गीत), पुस्तक पाठकों के हाथ में है। नये साहित्यालंकार को फिरोने का कार्य श्रीमती प्यारी टुटी ने किया है। स्वर्ण मुद्राओं से अनमोल कृति, युगों युग तक समाज के लिखित श्रेष्ठहार से साहित्य का श्रृंगार बना रहे। समुद्र की तरह ज्ञान का सागर बने, आशा है।

लोक कथाएँ और गीत वैसे जगदीश त्रिगुणायत ने ''मुंडा लोक कथाएँ'' और ''बांसरी बज रही'' पुस्तक में संग्रहित किये हैं। भैयाराम मुंडा ने ''दंड़ा जमाकन होड़ो कहनि को'' पुस्तक में संकलित किये हैं। इन तीनों संकलित पुस्तकों से भिन्न वैसे कहानियाँ और गीत जो शेष रह गये या संकलित नहीं हो सके, उन कहानियों और गीतों को संग्रहित करने का कार्य श्रीमती प्यारी टुटी ''लोक कथाएँ और गीत'' नामक पुस्तक प्रकाशित कर नई दिशा प्रदान की है। यह गर्व की बात है। बौद्धिक सम्पदा संग्रहण का कार्य वर्त्तमान की आवश्यकता है। लेखनी के माध्यम से समाज के अनमोल अस्तित्व एवं विरासतों को संजोकर रख सकते हैं। पाठकों के मन मस्तिक में लेखनी के प्रति रुचि जागृत हो, ललक और अभिलाषा का सृजन हो।

श्रीमती प्यारी टुटी की साहित्य सृजन विशाल भण्डार बने। ललक और अभिलाषा में लगातार वृद्धि हो, ऐसी उम्मीद के साथ ही पुस्तक प्रकाशन पर हार्दिक बधाई, शुभकामनाएँ और जोहार।

डॉ. बीरेन्द्र कुमार सोय ''मुंडा''
सम्पादक, संगोम
जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग
राँची वि.वि., राँची

''सिङसयद''

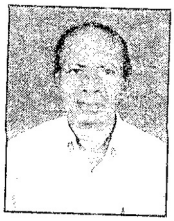

ओनोल हारिया मइनन प्यारी टूटी ताकिन ओड़ो: गे मियद पुथि ओल तदाकिन। नावा पुथि रेआ: नुतुम दो- ''पुरना कानि आर दुराङ को'' जोगाओवा काना। अपिया पुथि दो सिदा रे किन ओलातदा- 1. मुंडा कोआ: दस्तुर जोनोमाते गोनोए: सोमते, 2. मुंडा दुराङ हारिया को आर 3. मुंडा कोआ: बोंगा-बुरू आर जोआर-जापागार। ना: सोमते उपुनिया पुथि ओल केदाकिन।

पुथि ओल काजि-कामिरे निकिना: पुरा: गे जुलुङ मेनगा। ओल-बाला रे आड़िसा बानोगा। आड़िसा बनोगा, इनतेगे मिद सिरमा बितार रे उपुनिया पुथि किन ओल दाड़िजाना। पुथि ओल पुरा: गे हाम्बाल कामि ताना:, मेनदो निकिन पुथि ओल दो होन कोआ: इनुङ लेका किन आटकार जदा। तोबे तेचि, मियद दानाङ मियद पुथि ओल इदि जदाकिन। कामि दो पुरा: गे माराङ आर बुगिन कामि, कामिताना किन।

मइनन ओनोल हारिया ताकिन ने नावा पुथि रे पुरना कानि आर दुराङ को ओल तेदाकिन। सारते गे निआ को रिड़िङ इदिओ: ताना, आ'द इदिओ: ताना। होड़ो को-बागे इदि जेदा। मेनदो निआ कोरे जे लेका सिबिला रासे मेनगा, ना: हालि रेआ: नावा कानि आर दुराङ कोरे का नामोगा। इना मेनते पुरना कानि आर दुराङ कोरेआ: पुथि ओल केआते मइनन प्यारी टूटी ताकिन माराङ कामि किन कामि केदा। ने सोमाए पाड़ाव तान होन को नांगेन आर आयार पुरिया रेन होन-होपोन को नांगेन, ने पुथि गोनोङआन पुथि मानातिंओवा। मइनन ओनोल हारिया ताकिन ने पुथि राबाल सइलि आर जागार तेकिन ओलाकाद। ओनोल विधा सोजो-सोंगाड़ा गे मेनागा।

टुन्डु रे, आलिञ जी- कुड़ाम बितारते सिङ सयद ओमाइ: ताना लिञ चि ओड़ो: आयर तेयो बुगिन-बुगिन पुथि को ओलेकाकिन। सिङ बोंगा: पेड़े:-देंगा नामेकाकिन। जोआर!

प्रेमानन्द सिंह मुण्डा ''प्रेम गुरू''
सेवा निवृत प्रधानाध्यापक,
समाज सेवी, सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यकता

''आर्शीवाद''

लेखिका माननीया प्यारी टूटी और एक पुस्तक लिखी हैं। नई पुस्तक का नाम तो - ''पुरानी कहानी और गीत'' (पुरना कानि आर दुराङ को) रखा गया है। तीन पुस्तक तो पहले ही लिख चुकी हैं- 1. मुंडाओं का दस्तुर जन्म से मरण तक (मुंडाकोआ: दस्तुर जोनोमाते गोनोए: सोमते), 2. मुंडारी गीत के गीतकार (मुंडा दुराङ हारिया को) और 3. मुंडाओं का पूजा-पाठ-मेला और वार्तालाप (मुंडा कोआ: बोंगा-बुरु आर जोआर-जागार)। अब तक चार पुस्तकें लिखी हैं।

पुस्तक लेखन के कामकाज में इनका ज्यादे ही जुलुम है। लिखा-लिखी में आलस्य नहीं है। आलस्य नहीं है, इसीलिए एक साल के अन्दर ही चार पुस्तकें लिख सकीं। पुस्तक लिखना ज्यादे ही भारी काम है, परन्तु ये पुस्तक लिखना तो बच्चों का खेल सा महसूस करती हैं। तभी तो एक के बाद एक पुस्तक लिखती जा रही हैं। काम तो बहुत ही महान और अच्छा काम कर रही हैं।

माननीया लेखिका ने इस नई पुस्तक में पुरानी कहानियाँ और गीतें लिखी हैं। सच में यह अब भुलाता जा रहा है, खोता जा रहा है। लोग छोड़ रहे हैं। परन्तु इन सबों में जिस प्रकार मीठा रस है, अभी वर्तमान की कहानियों और गीतों में नहीं मिलेगा। इसलिए पुरानी कहानियों और गीतों की पुस्तक लिख करके माननीया प्यारी टूटी ने महान काम किया है। वर्तमान में पढ़ने वाले बच्चों के खातिर और आने वाली पीढ़ी के बाल-बच्चों के खातिर यह पुस्तक मूल्यवान माना जाएगा। माननीय लेखिका ने यह पुस्तक सरल शैली और भाषा में लिखी हैं। लिखने की विधि सहज-सरल ही है।

अन्त में, मैं हृदय से आर्शीवाद दे रहा हूँ कि और आगे भी अच्छी-अच्छी पुस्तकें लिखें। परमेश्वर की शक्ति व सहायता मिले। जोहार!

प्रेमानन्द सिंह मुण्डा ''प्रेम गुरू''
सेवा निवृत प्रधानाध्यापक,
समाज सेवी, सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यकता

मिद् टुंग जागार

पुरना कानी को आर दुरंग को

खूब रासिका सा: जागार चि आबुआ: मुण्डा समाज रे कुड़ी गोंठ कोरेन ओलोल नि: माईनान प्यारी टूटीया: लुतुम जाँ आदा कान लेका बानो:। ओनोल काजि-कामि कोरे नि लेलनाम आईउम नाम ओड़ो: जागार नामो: लेकान होड़ो: तानि:।

ने किताब पुरना कानी को दुरंग को तेव सिदा रे निया: आपीया किताब छापा चुकावा काना। ओलोल निया: ने काजि-कामि को लेल लेरे आटकारो: ताना: चि निया: ओल रा: मोतोलोब, साहस, हुनर ओड़ो: उड़ु: विचार को, सारते गे, आबुआ: मुण्डा समाज रेन सोबेन होड़ो को नागेन मियाद होला-तिसिंग गापा रा जमा होरा ऊदुब नि: लेका ऊरूमो: ताना।

आईञ ने ओलोल निया: नागेन सिंह बोंगा ता: ते, निया: जिलिंग-चाकार जीबोन-जिनीद नागेनेईञ गोवरि जा:ईया चि नेका गे आयार तेवर ओला कान ताईउ का।

मंगल सिंह मुण्डा
तिरला खूँटी (झारखण्ड)

दो शब्द

पुराना कहानी और गीत

बुहत खुशी की बात है कि हमारे मुण्डा में, लेखिकाओं के भीच माननीय प्यारी टूटी का ना अपरिचित सा नहीं है। साहित्यकारों के बीच ये जाना-पहचाना, समाज में बहुत प्रचारित और खबरों में चर्चित हैं।

पुस्तक 'पुरना कानी को आर दुरंग को' के पहले भी इनकी तीन पुस्तकें आ चुकी हैं। लेखिका के साहित्यिक गतिविधियों को देख कर ऐसा लगता है कि इनके लिखने का अभिप्राय, साहस, चिंतन-मनन और सोच-विचार, सच में, हम मुण्डा समाज के सभी लोगों के लिये एक भूत-वर्तमान-भविष्यत् की सम्मिलित राह दिखाने की प्रेरणास्रोत जैसा आभास दिलाते हैं।

मैं इस कर्मठ कलम के सिपाही के प्रति ईश्वर (सिंह बोंगा) से इनकी दीर्घायु की कामना करता हूँ कि आगे भी इनकी कलम, इसी तरह, निरन्तर चलती रहे।

मंगल सिंह मुण्डा
तिरला खूँटी (झारखण्ड)

(मुण्डारी)

मियद राजा: होनते कुड़िआ: गोएकन होड़ो को अड़ंदी

मियद राजा: होनते कुड़िया चटी हुलङ रेआ काजी सोबेन को रंगा बाड़ा होयो बड़न जनचि गड़ाते रेड़ान को सोनो: जनाअद होन दो एआ दुवर बितर रेको गति तुका:इआ नते ओड़ा: रेदो सिपई का पाअरा मेनते को बगे ता: कोआ होन दो ए'आ दुवर परोम बितर रेको गिति त:इआ दुवर पिचिद सिपाइ को पाआरा ताना हुड़िन हेड़ा रे मियद सादु हिजु: लेनचि: बोलो जना होन गितिआ कन ता:। सिपाई को बोलो तन रेदो काको लेल किआ: आद उडुंङो तन चिको लेलम त:इआ एनाते को कुली ज:इआ हेला सादु बाबा कोसा: तेम बोलो केनां आद चना: चिकम बोलो केना एना उदुबा लेम। सादु (सिंङबोंगा)-मेन केदा दुवरा तेगेञ बोलों केना सिपाई को हेलाड़ो: कले लेल के:मा को मेतइ ताना। चना चिकाम बोलो केना उदुबा लेम कारे दो राजाए गोए लेआ को मेन जादा। सादु उदुब दोञउ दुबा पेआ मेनदो ओकोए राजा उदुबइआ उदुब केलो:गे: गोजोआ। सिपाई को हेमर को मेता:इआ। सादु-अञ ने होना: मोलोङ रे नसिब ओलेञ बोलो केना। सिपाई चिलकन नसिब ओल सादु: का ने होन दो गोएआ कन होड़ो लोओए अंड़दीओआ। सादु हे एनका गेम ओला त:इमा। एनाते रेड़ानातेको रुड़ा जाना जोम नु को होबाजन अपन दड़िन जाना। होन जनाओ अपुते (राजा) होबे तइ लेल लीचि एन सिपाई रा:एआ एनाते इनी: लेल कीचि कुली ञ:इआ चना: रा: ने होन लेल कीचिम राआ:आ जनाओ मेनते। सिपइ मेन केदा हे एनका तेगेञ रा:एआ। चना: रा:आम रा:एआ एना उदुबाञ में मेतइ ताना। सिपई का राजा उदुब केरेदोञ गोजाआ दङे: मेतइ ताना। गोए जन रेदोञ अञा: कुड़ि बुड़ि को ओकोए असुल कोआ। एनाते राजा मेतइ ताना अच्छा मर उदुब लेम गोए जन रेदोम अमा: कुड़ि बुड़ि को हुड़िङ लेका टक आद राइज आञ ओमा को ताना। एनाते उदुब सिचारे कूबे: किआओ पिआओ किआ: जिसु हाई तोव ताबेन जेआगे आद मजा लेका परकोम रे गितीइजना आदे: उदुबाइआ। का राजा ने होना: चटी दुलङ मियद सादु हिजु: लेना आद आएआ नासबि नोनोले: ओल तुका:इआ बोलो तन रेदो काले लेल किआ: आद उडुङो तन रेदो कले लेल किआ। एना मेनते नी लेल कोचिञ रा:एआए मेन केदा आदे गोए जाना

होन बतरी मरं नो: जनचि राजा न: दो ने होन जाँते गेञ इदी गिड़ि कीआ मेनते ओड़ा:ते मुसिङ दो कि उडुङ जना। सेनो: तन सेनो: तन मिद ता:रे किञ अयुब जना बिरबितर रे मियद ओड़ा: किङ नम केदा दुवर दो हड़िदा कना नेरे गेलङ ताइ अङ कोआ: मेनते किङ उदुर जादा दो का निगो: ताना। एनाते कुंउम रेगे किङ तइन जाना अपुते दआ माञ अउ कोआ मर ताइ ताड़ान मेनते: काजी तुकाइ चि दआउए सेनो: जना। अपुते दआउए सेनो: जनचि कुड़ि होन दुवारे: उदुर ला: दो नि:जना अदे: बोलो जनचि ओड़ो: हंडेद रुएड़ा जना। दो अपुते हिजु: लेना दआउ केआते आदे: लेल बाड़ा ताना कोति: जना मेनते एनाते: ककला ला: दो बितर रे हाइगा आबाए मेन जादा। एनाते अपुते दुवरे: उदुर जादा मेनदो दुवर का निगो: ताना कुड़ि होन बितर साआते: रचा जदा मेनदो दुवर का नि:जना। एनाते अपुते कुड़ि होने मेतइ ताना मर बेटी ओड़ा:रे चना: को मेना: लेल बाड़ा लेमे। मेतई ताना कुड़ि होन कुटुरी कुटुरी: लेल बाड़ा ताना मियद रेदो बाबा चउली गे पेरेआ काना मियदरे टाका पएसा आद निय रे मेरोम उरि: को पेरेआ: काना आद ओड़ो मियदे: नि: ला: दो गोएआ कन होड़ो गितिआ कन आद ससङ लिजा आद किया सिंदुरी एनता: रेगे दोआ काना। एनाते अपुते: उदु बा ताना एंलोगे अपुते दो सोबेनाए बुजाओ जाना आदे मेतइ मर माइ ससङ लिजा तुसिङे में आद एन होड़ो सिंदुरी ताई मे: मेतइ तना आद। अपुते सेनो: जनचि दुवर नी: जना। एन कुड़ि होन मियद कामिड़ी: दो लिया:। दो कोसा: ते सेनो तनचि कजीअइ ताना चिसोबेन कुटुरी बोलो में मियद कोटरी बारी ओलोम बोलोआ। मुसिङ दुलङदो रानी कोते सेना कन ताइकेना दे तोञ लेल लेआ नेआ कुटुरी रे चना: मेना: मनेलोओएनि: ला: दो ओए गोए होड़ो गितिअ कना आद काटा रे जनुमे: किला काना। एन जानुम कोए ओचो किआ: दो होड़ो हाय नमिनडेञ दुडुम जाना मेने लोओए बिरिद जाना। एनाते नी गे जा:अआ: कोनेआ दोमेन जादा आद एनका गे किङ तइन तन तइकेना आद रानी दो कमिड़ी लेका। हुड़िङ दिन होबा लेनचि मोका नम केदूचि राजाए उदुबाए ताना सोबेन नाआ एनाते मियद कुँआ किङ ऊर रिका ले: कोआ आद दा: का उडुङोने ताना चुमन लेन मेनते किङ मेताइआ आद किङ उदुर हंड़प ता:इआ आद अकिङ मजा लेका किङ ताइन जाना।

(हिन्दी)

एक राजा की बेटी मुर्दा से शादी

एक राजा की बेटी का छट्ठी दिन की बात है सभी पैर रंगाने के बाद नदी नहाने चले गए। और बच्ची को तो सात दरवाजे के भीतर सुला दिये और प्रत्येक दरवाजे पर एक सिपाही पहरा दे रहा था। कुछ देर में एक साधु आया और घूस गया परन्तु उसको किसी ने घूसते समय तो नहीं देखा और निकलते हुए देख लिया। उसके बाद घूसने का कारण पूछने लगे। साधु बोलने लगा इसी दरवाजे से घुसा था और योंहि। पर नहीं बता रहा है। सिपाई जोर लगा कर पूछे तो बताया कि मैं इस बच्ची का जीवन रेखा लिखने आया था (साधु रुप में भगवान था) इस बच्ची की शादी मुर्दा से होगी और अगर तुम लोग इसको बता देगा मर जाएगा। इसका नसीब में मैंने लिख दिया है।

बच्ची बड़ी होने लगी उसका बाप जब गोदी करता था तो एक सिपाही उसे देख कर रोज रोता था। एक दिन राजा इसको पूछा कि तुम क्यों रोते हो इस बच्ची को देखकर। सिपाही बोला कुछ नहीं ऐसा ही। राजा जिद करने लागा आज तुमको बताना ही होगा इसका कारण। सिपाही बोला नहीं बताऊँगा। यदि मैं बता देता हूँ तो मर जाऊँगा उसके बाद मेरे बीबी बच्चों का पालन पोषण कौन करेगा। इस पर राजा ने कहा ठीक है मैं उसके लिए कुछ जमीन और रूपया पैसा लिख देता हूँ तुम बता देना सिपाही उस दिन खूब खाया पीया मांस मछली जो भी और एक चौकी पर लेट गया और बता दिया कि आप की बेटी की शादी मरा हुआ आदमी से होगा ऐसा उस साधु (भगवान) ने उसका कपाल पर लिख दिया है इतना बताते ही मर गया।

बेटी थोड़ी बड़ी हो गयी तो उसका बाप ने सोचा कि मैं अपनी बेटी को कहीं बाहर ले जाता हूँ वहाँ कैसे मुर्दा से शादी होगी। ऐसा सोच कर बाहर अपनी बेटी को लेकर चला गया। चलते चलते शाम हो गयी जंगल के भीतर एक घर मिला अब यही पर रात बिता लेगें और दूसरा दिन फिर जाएँगे ऐसा सोच कर वही रुक गए और घर का दरवाजा खोलने लगे परन्तु दरवाजा नहीं खुला। उसके बाद वही बाहर रहने का सोच लिए बाप बेटी को छोड़कर पानी लाने चला गया उसी बीच उसने दरवाजा खेलने का कोशिश की तो दरवाजा खुल गया। लड़की घूस गयी तो दरवाजा बन्द हो गया। उसका पिताजी पानी लेकर आया और इधर उधर खोज रहा है। चिल्ला रहा है बुला रहा है तो

अन्दर से ही बोल रही है। उसके बाद दोनों दरवाजा खोलने का कोशिश कर रहे हैं एक अंदर में एक बाहर परन्तु दरवाजा नहीं खुला। बाद में बोला बेटी से देखों घर में क्या-क्या है बेटी देखी और एक कमरा में चावल दाल रूपये पैसा एक में बैल बकरी और एक कमारा में एक मरा हुआ व्यक्ति है और एक पीला कपड़ा तथा एक कीया सिंदूर बगल में रखा हुआ है। राजा समझ गया साधु का लिखा भाग्य और बेटी से बोला तुम पीला कपड़ा पहन लेना और सिंदूर उस आदमी को टिका कर और खुद भी टीका लगाओ। बेटी वैसा ही की। और बाप चला गया। बाप के जाते ही दरवाजा खुल गया। कुछ दिन के बाद एक दाई को रख ली। और बोल दी सभी कमरों में से एक मरा में मत घुसो। एक दिन रानी कहीं बाहर गयी हुई थी तो दाई ने सोचा कि इस कमरे में क्या है देखूँ जरा बोली और खोली तो एक मृत व्यक्ति सोया हुआ था और उसका पैर काँटा ठोक दिया गया है। उसने उसके पैर काँटो को खोल दी तो आदमी जी उठा और बोल रहा है हाय इतना गहरी नींद में सोया था उसके बाद तो उसी को पत्नी समझने लगा और पति पत्नी की तरह रहने लगे और रानी दाई की तरह रहने लगे। एक दिन रानी मौका देखकर उसने सारी घटनाएँ बतला दी राजा को। तो राजा ने एक कुँआ खुदवाया और पानी नहीं निकल है नया कुँआ से तुम चुमावन कर दो। चुमावन कर रही थी तो ढकेल दिया कुँआ में और तोप दिया। उसके बाद दोनों सुख पूर्वक रहने लगे।

(मुण्डारी)

मोयोद होन बोः बारिः जोनोम लेना

बरिआ कुलगिआ (पति पत्नी) किङ ताइकेना। जानाओ दोपोन रे किङ लेल कोओचि किं मेनेआ हेला अलङ गे नमिनङ सुगाड़ा मेनाः लङा अलङा होन को ओड़ोः चिमिन सुगाड़ा को ताइना। एनाते हुड़िङ दिन तयोम तेदो होड़ोमो कोरे ताइन जाना आद कुब कि रासिका ताना चिमिन रे होनेः होबाःओअ मेनेआ गेकिं उड़ुः ताना। दिन तेबा जनचि होन होबा जाना अनादो बोः बारि गे। इमिन रेओ ड़ोः किं जगाओ मरङ किसा दंगड़ा जन लेका किङ टोर केदचि किं कोनेआ किङ दांड़ा बाड़ा ताना मिदतारे कोनेआ को नम किःचि को बइ केदा काको इदि किआः मियद टाँइड़ी डांडाः आद कटुः तेगे को बई केदा आद मेन केदा हेला कोड़ा को सँगिन दिसुम रेः पढ़ाओ ताना आद छुटी दो काको ओमइ ताना एना मेनते नेआ कोते बु बइ केआ अड़दीओ कोओ एना लोःगे होबा जाना। कोनेआ को अउ किआ। मोद अटाउरी लेका होबा लेनचि मुसिङ निदा सोबेन को गितिआ काना अपन अपन। ताला निदा लेकोरे नःदो कोड़ा होन कुड़ि ताःते हिजुः तना आद गुड़-गुड़ तनेः गुलि इदीन ताना कुड़ि अयुम लेदचि बोरो तेः निर जना बोंगा जाः मेनते। गपा तेरे दो यो एंगाते तकिङ लेल जःइआ कुड़ि दो बंगइ एनाते किङ मेताइ ताना जू नःदो आम मोसा अउ लीमे अलिङ दोलिङ अउ लिआए निर जाना। एनाते हे मरेः केदा आदेः सेनोः जना। होरा रे बिर बितर रेः मिद ताःरे सिंडबोगाः होन को इनुङ ताना। सेता को को इदी ताः कोआ। एन कोड़ा गुड़ गुड़ तनेः गुलि इदीन तनचि सेता को भो भो को मेन जादा आद अएमियद जनुम चुपद रेः गुली अदेरेन जाना आद हड़ी हड़ीः मेन जादा एनाते बोंगा होन को अयुम ताःइआ आद लेल बाड़ा ताना कोताः रे मनोवा होन लेकए अयुमोः ताना को मेन जादा अनादो को लेल सिआ दो बोः बारि एनाते को मेन जादा हेला नेआदो एंयग आबा तकिङा बनई गेआद कुली जःइआ कोतेम तना मेनते एनाते सोबेनए उदुबा कोआ। एनाते को मेतइ ताना अले मियद ले कजिआम रे पुराए रेदो अम मजा लेकाले बइ तामा। हे मर कजी पेञ पुराएआए मेन जादा एनाते को मेतइ ताना हानर होंजार हातुम तेबा लेचि हटीमे ओड़ाः ते अलोम बोलोआ आद देला बोलोमे को मेतम चि अञ ओकोआञ नम ताना एना पे ओमञ रेदोञ बोलोआ आद कारे दो का हनरते

एन लो:गे कुली ज:इआ चना: नम ताना काजीमे. कोड़ा होन अञ चउली जंग आद मियद पुंडि बकरा पे ओमज रे दोञा बोलोआ कारेदोका। हनर ते एनलोओगे ओ एनम हटी ताना देला बोलो मेञ ओमा मेआए मेतइ ताना। एनाते: बोलो जाना काटा कोको अबुङ किआ जोम नू तोबा ताबेन कसी बासी की: चिको बिदा ता: किआ: आद पुंडि मेरोम आद चउली जंग जोम कुला: किंआ ओड़ो होरा रे एन बोंगा होन को किं नम ता: कोआ आदे: ओमा: कोआ एनाते किं सेनो: जना ओड़ा: किङ तेबा: एलोओ दो अयुब जाना। एंगाते तकिं मंडी को किं जोम केद चिकिङ गिति: जना। होन किमि किं ओड़ा: किङ तेबा ले लेदंचि मरगा दुवर निइ बेन लिङ हिजु: आ कानाए मेता किं ताना मेनदो ककिं नि:जादा एनाते सोबेनाए उदुबा किं ताना इमिनरेओ ककि नि: केदा आप कुंडन स: रे गे किङ तइन जाना एना मेनते नआओ होन होपोन रेको जुदान ताना।

(हिन्दी)

एक बच्चा का सिर केवल पैदा हुआ था

दो दम्पति थे। प्रतिदिन आईना में अपना चेहरा देख कर बोलते हैं ओ: हम दोनों ही इतना सुन्दर है हमारे बाल बच्चे तो कितना सुन्दर होंगे। कुछ दिन के बाद तो पत्नी गर्वती हो गयी और समय दिन तारीक भी पहुँच गया। बच्चा पैदा तो केवल सिर पर क्या करते वैसा पालन पोषण करके बड़ा किये जवान हो गया। उसके बाद शादी का बात शुरु हो गया। लड़की भी मि गई आना जाना हुआ परन्तु लड़का को नहीं दिखाया और बोला लड़का तो विदेश में पढ़ रहा है छुट्टी नहीं मिल रही है। इसलिए एक बेत डंटा और खड़ाउ से ही काम चला लेंगे। लड़की वाले भी मान गए उसी के साथ शादी विवाह हो गया। लड़की आ गयी ससुराल। एक सप्ताह बीतने के बाद एक दिन आधी रात को लड़का निकल रहा है लड़की के पास सोने के लिए सिर केवल लुढ़कते हुए गुड़ गुड़ आवाज आ रहा है (चूँकि पहले शादी के बाद लड़के लड़की के पास छिप छिप कर आते थे) लड़की भूत समझ कर भाग गयी। दूसरा दिन देख रहे हैं तो बहु नहीं है। उसके बाद बेटा ने बोल रहे हैं जाओ अब तुम एक बार वापस लाओ हम लोग तो ला दिये थे। ठीक है बोला और चला सिर लुढ़काते हुए। एक जंगल के बीच रासता में भगवान के बच्चे खेल रहे थे। उनके साथ कुत्ते भी थे। सिर को देख कर कुत्ते भूकने लगे तब तक वह एक कंटीला झाड़ी में लुढ़क कर घूस गया। भगवान के बच्चे इधर उधर देख रहे हैं कहाँ पर मनुष्य का आवाज सुनाई दिया बोल रहे हैं और इधर उधर देख रहे हैं तो झाड़ी में मानाव सिर छिपा हुआ है। उसके बाद उसने पूछने लगे कि तुम कहाँ जा रहे हो। ऐसी हालत में उसने सब कुछ बतला दिया। बच्चे बोल रहे हैं ये हमारे माता पिता का ही काम है चलो हम पूरा कर देते हैं तब उसने वादा करवाते हैं कि तुम हमारी माँगें पूरा करोगे तो बना देंगे। पूरा शरीर और नहीं तो नहीं। सिर जो बोलियेगा सो पूरा करूँगा बोलिये क्या करना होगा। भगवान के बच्चे देखो ससुराल जाओगे तो घर मत घूसो हठ करो तुम से पूछा जाएगा तो बोलना में जो माँगूगा सो पूरा करीयेगा तो घूसूँगा और नहीं तो नहीं। और क्या माँग रहे हो बोलेंगेतो तो बोलना एक सफेद बकरा और अरवा चावल दीजियेगा। तो घुसूँगा नहीं तो नहीं। ठीक शाम शाम को घर पहुँच गया है आँगन में खड़ा है और अपना परिचय बता रहा है चूँकि पहले तो वे देखे ही नहीं थे। सास तुरन्त निकली और आओ बाबू

घूसो अन्दर बोल रहे हैं लेकिन नहीं घूस रहा है और बोल रहा है मैं जो बोलूँगा उसे दीजिये तो घुसूँगा और नहीं तो नहीं। सास तुरन्त बोल रही है देगे क्यों नहीं बोलो क्या माँग रहे हो दामाद - मुझे एक सफेद बकरा और अरवा चावल चाहिये। सास- ओ इसे माँग रहे है। आओ घूसो आओ मैं तुम्हारी माँग पूरी करूँगी। दामाद उसके बाद घूस गया पैर धोयी खूब खातिरदारी की खिलाई पिलाई और दोनों को बिदा कर दिये अरबा चावल और बकरा देकर। रास्ता में फिर भगवान के बच्चे मिले उनको चावल और बकरा दे दिया और चल गए। शाम शाम को घर पहुँचे तब तक रात हो गयी थी। माँ बाप जल्दी जल्दी पका करके खा पी सो गए। और दरवाजा बंद कर दिये आकर उसका बेटा चिल्ला रहा है माता पिता हम लोग आ गए दरवाजा खोलो नहीं खोले वे तो सोच रहे हैं कहीं नहीं कि लुढ़क कर चला गया और खो गया कहां का बेटा और बहूँ। दरवाजा नहीं खोले सारा किस्सा बताया कि भी नहीं खोले उसके बाद घर के पिछवाड़े झोपड़ी बना कर रह गए इसी लिए अभी भी बाप बेटा अलग हो जाते हैं कहा जाता है।

(मुण्डारी)

ए हगेआ हागा कोरे मियद मिसि

ए हगेआ हागा को ताइकेना। इन कुआ: मियद मिसि होने: ताइकेना। एना मेनते इनि:बउते ताको पुरा:गे गेको दुलाड़ा जइ ताइकेना। अको दो को अड़ंदिआ कन तइकेना।

इनि: दंगड़ी जनचि न: दो अड़ंदी तइयाबु मेनते को उड़ु: बाड़ा तन ताइकेना। कुपुल को दाँड़ा बाड़ातन तइकेना। कुपुल को को नम के: कोचि कुपुल बाद रे बाला साका को होबा जाना। अड़दी रा: को नेण्डा केदा। नेण्डा केदचि बाउतेताको इनिआ: समोड़ोम को किरिङ मेनते को सेनो: जना पुरा: साँगिन चउली दाली को को पोटोम केदा आद उरि: गाड़ी ते को सेनो: जाना। रारङ रिड़िङ तन ओड़ा रेको काजी तुका दा चि अले दो ए'मा तयोम ते एनङ ले रुआड़ा: मेनते। सम्पोड़ो किरिङ बाउते ताको सेनो: जन चि हिलीते ताको हिसिंगा तेको लो तना टिकि दावा को नम केदा न:दो इनि: सादाओ को एटे: किआ:। मुसिङ दो बु: चटु ते दआउ को कुल किआ जु:ना बाइम ताको दो अमा: सम्पोड़ो किरिङ गेदङ को एना काना अम गड़ा ते दाआउं कोओमे को मेताइ ताना। मियद बु: चटु को ओमा:इआ। गड़ाते द:आउ सेना कनचि: रा: ताना। मियद चोके कुलि ज:इआ अयुम की:चि चन माइम रा: ताना मनते एनाते उदुबाइआ नेका नेका दङ इलिञ तको बु:चटुते दा: को अगु रिका त:इञा चिलका बलञ इदीआ मेनते: उदुबाइ ताना। एनाते चोके मेन जादा अलोम रा:एआ अञ मेना:इआ मर चटु रे दाआ पेरेए में एन बु: ता: अञ दुबा आद मड़िते दुपिल कीचि इदी केन। कुड़ि होन एनका गे: रिका केदा।

ओड़ो: गापा तेरे दो बेगर तोल ते सान आउ को कुला की:आ बिरते। सान कोए हलङ हुण्डि केदचि ओड़ोए रा: ताना एनाते मियद जम्बुडु बिङ आयुम किआ: अदे कुलि ज:इआ चना: माइम रा: ताना मेनते कुड़ि होन एनका गे: उदुबा:इआ। जम्बुडु बिङ अलोम उड़ु:गा अञ पटुड़ींना मेनते: मेताइ ताना इदी की चि जाटा जामा रे मड़िते दो तम अलोम तबा: एआए मेतइ ताना। कुड़ि होन एनका गे: रिका केदा। एनरेओ काको दड़िआइआ सदाओ एनाते दो हिलिते तको खींस तेको बुल ताना। आद ओड़ो एटा: उपाय को को उड़ु: ताना इनि: सिगिद तेआ: एनाते मोद डिमिनि मनी रचा रेको दुल तादा आद मरना ने मनि को मियद मियद ते पेरे: तम एनाते ओड़ोए रा: ताना बला मोद डिमिनि मनी चिमिन दिन रेञहलङ चबाएआ मेनते। एनाते चेंणे को अयुम किआ आद मेतइ ताना अलोम राआएआ अले मेना: लेआ मेनते आद फू केन को हदुडु लेना आद चेरे बेरे जद लोओ को हलाङ पेरे: केदा। नेरेआ काको सदाओ दाड़ीआइआ।

गपा तेरे दो ओड़ो सदाओ ते आ: उपाय को उडु: नम तादा। हातुआते संगिन नो: रेगे मियद चंदन दारु ताई केना आद एनरे मजा बा कन तइकेना एनाको मेतइ दोला ना चंदन बा गोद लेम ले बान तेआ कुड़ि होन मेन जादा चिलकञ तेबा: इआ: डो: दारु दो कञ दे: दड़िया। हिलिते तको- कचीनाले आकद मा एनाते ओकद को को किला केदा अदे दे: जनचि बा कोए पेटे केद पेटे केदा आदे उयुगा: कोआ एनाते दो सोबेन ओकद को को ओचो: केदा आद ओड़ा: तेको हिजु: लेना। कुड़ि होन दो लाई रेगे: दा: तेतेङ दारु चेतन रे गोए गिड़ियो ताना जेटे दो जेटे लोलो एनाते हिलिते तको दो कुब सुकु जा: कोआ न: दो ना अबुगे सम्पोड़ो को तुसिङे आ को मेन जादा।

बर सिङ अपिमा होबा जन दारु रि: गेया लाइ रेंगे: दा: तेतङ ते रोओड़ चाबाओ ताना दारु चेतन रे। एनाते बउते ताको हिजु:ताना- सांगिना तेगे राड़ङ रिड़िङ घंटा को अयुमो:ताना एनाते कुड़िहोन दुरङ तेगे रा: ताना।

कोतिक दुरे गेला दादा
जय कोंदोन फूल दादा
नए नोंगाए गाछ

एन हुलङ गे समपोड़ो को किरिङ केदचि को रुड़ा ताना आद संगिनाते गे गाड़ी कोरा: सागिड़ीओ अयुमो: ताना कुड़ि को अयुम केद चि कूब सुकु जा: कोआ न: दोबु बेसेआकाना मेनते। सिमको रा: लेका को तेबा: ला: ओड़ा रे (कुड़ि को को बिरिद जा: कोआ मर बिरिद पे दुअर को नीई पे ले हिजुआ को मेताको ताना। कुड़ि को एन लेओगे लुलु कुतु तन दुवर को नी: जादा (आद को कुली जा: कोआ चना: कोदे अउआ कादा मेनते। अकोदो बोलो तन लोओ गे मिसि होन गेको पिचा ताना। चिअ:चि को अयुम ला: रा होरा रेगे आद इति इनी: दो अबुआ मिसि लेकागे: अयुमो तना को मेन जादा।

टिकि मिसिते ओड़ा:रे बंगइआ कुड़ि को को कुली जा: कोआ अलेआ: मिसि होन दो मेनते आद को हपेआ काना। बोरो ते को एकेला तन गेआ तयोम तेदोए दुरङ तन गेआ। एना अयुम अयुम तेगे को सेनो: जना अनादो दारु रे: दे:आ काना रेगे: तेतङ तेदोए गोए उतरो: ताना। दा: को मँडि को बयर को को इदी केदा नू केद् जोम केदाए दारु चेतन रेंगे बतरी: सुसुतए नो: जन चि मियद नि: दारु रे: दे: जना आद चकुली रे को दुब रिका कि:आ आद को हड़ागु किआ आद सोबेना: को कुली किआ: बउते ताको आदे अदुबा कोआ। आयुम केदचि खींस तेका निराउ सा: ओड़ा: ते अकोआ कुड़ि को को दल जा कोआ ओर उडुङ जा: कोआ आद अकोआ एंगा अबु ओड़ा: तेको कुल ता: केआ।

एनाते अकोआ मिसि हो सिंगि तुरो: रेको गोड़ किआ आद अको सिंगि हुबुइ रेन कुड़ि को आउ के:कोआ एनाते मजा लेका: को तइन जाना सोबेन।

(हिन्दी)

सात भाईयों में एक बहन

सात भाई थे। उनकी एक बहन थी। इसलिए उसके भाई लोग बहुत प्यार करते थे। अपने लोग तो शादी कर चुके थे। बहन जब जवान हो गयी उसके लिए वर खोजने लगे। कुटुम्ब मेहमान खोजने लगे मेहमान बन गया आना जाना हो गया शादी की तारीख भी तय हो गयी।

उसके बाद उसके लिए गहना साज शृंगार खरीदने बहुत दूर चले गए। बैल गाड़ी से चले गए। राड़ङ रिड़िङ करते हुए और सात दिन बाद लौटने की बात बोल दिया। इधर भाभियों को उसको सताने का मौका मिल गया। उधर वे लोग शृंगार खरीदने चले गए तो ईष्या से जलने लगे सताना शुरु किये। एक दिन छेद वाला घड़ा से पानी लाने भेज दी। नदी के पास तो रोने लगी कि छेद वाला घड़ा से पानी कैसा लाँऊ सोच रही है। इतना ही में एक मेंढ़क सुन ली और रोने का कारण पूछने लगी। उसने सारी बातें बतला दी मेढ़क बोल रही है रो मत मैं तुम्हारी मदद करूँगा चलो तुम पानी भरो मैं छेद जगह बैठ जाऊँगा। और धीरे से ढोकर ले जाओ और घर पहुँच कर रख देना वैसा ही की। फिर दूसरा दिन बिना बाँधे लकड़ी लाने भेज दी। लकड़ी सब को जमा की और रो रही है। एक धमना साँप को सुनाई दिया उसने भी कारण पूछा तो सारी बाते बता दी। साँप बोला चिंता मत करो मैं हूँ न मैं तुम्हारी मदद करूँगा। तुम लकड़ी जमा करो लपेट जाऊँगा और धीरे ढोकर ले जाओ और झाड़ी के पास रख दो वैसा ही की। इसमें भी नहीं सकीं भाभियाँ फिर दूसरा तरकीब सोचने लगी। एक ड्राम सरसो आँगन में डाल दी और बोल दी है एक एक करके चूनों और ड्राम भर दो भला कैसे एक एक करके चूनेगी और ड्राम भरेगा कितना दिन लगेगा सोच कर रो रही। एक झूंड कबूतर आए और पूछने लगे। वैसा ही बता दी कबूतरों ने कहा रोओमत हम तुम्हारी मदद करेंगे। एस आधार घंटा में कबूतरों सारी सरसों को चुन चुन ड्राम भर दी। इसको देखकर तो उनको गुस्सा और बढ़ गया। और सोच ही है उसको सताने का रास्ता। गाँव के कुछ दूरी पर चन्दन का पेड़ था उसमें खूब फूल फूला हुआ था। भाभियाँ बोल रही हैं जाओ न हमलोगों के लिए चन्दन का फूल लाओ लड़की बोल रही है कैसे तोड़ूँ इतना बड़ा पेड़ चढ़ने नहीं सकूँगी। चलो न हम लोग सहारा देंगे। लकड़ी ठोक ठोक कर सहारा बना दिये और चढ़ गयी तोड़ी तोड़ी फूल ढेर सारे भाभियाँ कुछ को लगायी और कुछ

घर ले गयी और ठोका हुआ लकड़ी को निकाल दी और घर चली गयी। भूख प्यास से हालत खराब रो रही बिलख रही पर वे चलती बनी दिन रात पेड़ पर रह गयी भाभियाँ तो बहुत खुश हो रही है। अब हम लोग सक गए है बोल रही है। रो रही है गाना में गाना– कोतिक दूरे गेला दादा

चय चोंदोन फूग दादा

नए नोंगोर गादी गाछ दादा जए नोगोरे गाछ

उस दिन तो भाई लोग आ रहे हैं दूर से ही सुनाई दे रहा है बैलों की घंटी। उन्होंने भी सुना रो रही है उसको। पत्नियाँ तो खुशी से फूले नहीं समा रही है। अब तो गहना हम ही लोगों का हो गया है सोंच कर भाई लोग पर घर पहुँचते ही बहन को खोज रहे हैं कि कहाँ है कहाँ है कहते हुए पूछ रहे पत्नियों से उनकी पत्नीयाँ तो डर काँप रही है। लोटा पानी दे रही है पर पानी भी नहीं लिये और जिधर गाना सुनाई दे रहा है उधर ही खोजते चले गए पेड़ के पास पहुँचे तो देख रहे हैं बहन का बुरा हाल है भूख प्यास से सूख गयी है कमजोर हो गयी है। उसके बाद तुरन्त रस्सी कुछ लोग लाये कुछ पानी लेकर दौड़ रहे हैं। पहले पीने के लिए पानी दिये पेड़ पर ही थोड़ा सुसतायी सब रस्सी के सहारे उतारे और वही पर छोड़ कर घर आए अपनी पत्नियों को मार रहे हैं। और अपना मायके भेज दिये उसके बाद बहन को उतारे घर लाये और उसको पूरब में शादी कर दिये और अपने लोग पश्चिम दिशा में पत्नी लाए। उसके सभी सुख पूर्वक रहे।

(मुण्डारी)

बरिया कुलगिया बमाड़े

बरिआ कुलगिया बामाड़े किंड बोंगा किं सेन केना। बोंगा ता: आता को ताबेन को को ओमा: किंआ। सेता: न:दो किं रुड़ा ताना दो लाई रेगे: दा तताङ ते कि गोए गिड़ियो ताना। एनाते हुड़िङ दूरे रे मियय बांदा किङ लेलम तादा आद किङ मेंन जादा हने: बंदारे दा पेरे: गिरिआ काना मजा अपुङ करकर रेड़ा बई कोओचि ताबेन को आता कोलङ जोम लेआ किङ मेन जादा। बांदा दा किं तेबा: ला: दो अंजेद जाना। आद लाइ रेगे जा: किङा दाआओ तेतङ जा: किआ। एनाते दो किङ मेन जादा मर तोबे ने बंदा रे दा: पेरे गो:का आर अबुड़ करकर कोआ आद अता को ताबेन कोलिङ जोन लेआ मर ओकोए जा: जनुम चुपद पुटुसु चुपद कोरे मेना: पेरे दो ने बदा रे दा: पेरे: तापे आद अलिङ मर सिदा लाई कुड़ि होन गे लिङ ओमा पेआ। एन लोओ: मियद बिङ उड्डुङ लेना आद चना:बेन मेन लाए मेता किङ ताना कानेका दङ लिङ काजी ला ओकोए जा: ने जनुम चपट पुटुसुचुपद कोरे मेना पेरे दो ने बन्दा रे दा: पेरे तापे आद सिदालाई होन कुड़ी लिङ ओमा पेआ किङ मेन जदा। एना लो:गे बदा रे दा: पेरे जाना आद मजा लेका किङ अबुङ बइन रेड़ा बइन जाना अता ताबेन को किङ जोम केदा अब किङ सेनो: जना हुड़िङ दिन रेदो मियद कुड़ि होन होबा जना मेनदो ककिं कुल किआ ओड़ो: मियद कुड़ि होन होबा जाना इनिओककिं कुल किआ: अपिआ कुड़ि होन होबा जना मरं जनदंगड़ी जना एनाते न दो कुड़ि होन कुली रेआ: सोमए तेबा जना न:दो हुड़िङ उतर नी: सम्पोड़ो की:चि को कुल त:इआ। बामड़े कुड़ि होन सेनो: तानाए आद होरा होराए कुली इदी ताना दुरङ –

कोतिक दुरे नागवंशी राजा मोय तो अलोंग बामन बेटी....

बिङ–कोन डोर आए रोही से डोरे घूर रानी से डोरे घूर

एनकाए कजी जाइ चि: रुड़ा जेना। आद एंगा अपुको उदुबाको ताना ओकोआ होरा तेन हिजु लेना एना होरा तेगे रुड़ा मे: मेतइ ताना गा मेनते। एनाते मंजिला नी: को कुल किआ इनिओं एनकागे कजीआइआ अदे: रुड़ा लेना।

एनाते दो मरंउतर नी को सम्पोड़ो कीचि को कुल किआ। इनिओ दुरङ इदी ताना कोतिक दूरे नागवंशी राजा मोए तो अलोङ बामन बेटी।

बिङ– कोन दोरे आए रोही से डोरे आओ रानी से डोरे आओ। एनाते दो

बंदा ताए तेबा: केदचि लेलबाड़ा ताना एन लोओ: दो बोड़े मरङ बिङ उडुङ लेना आद दोलङ सेनोगा अलोम बोरोएलाए मेतइ ताना। बिङ अयर अयरते बंदा रे: बोलो जना आद बामड़े कुड़ि होन तयोम तयोनते। तेबा ला: किङ दोए लेल जादा मरंङ लेकन (महल) बंगला तारा स:रे बाबा चउली पेरेआ करना तारा सा:ओर उरि: मेरोम को आद तारा सा: टाका पएसा पेरे:आ: काना।

मोद उटाउरी लेका होला लेनचि मुलिङ रेड़ान मेनते उडुङा काना नाते दइतेओ एन हुलङ गे किचिरि नुरा:ए सेना काना। मियद नीं: नसा अतोम आद मियद नी: हन्सा: अतोमरे मर किङ लेपेल ताना नसा: हनसा अतोमाते किचिरि नुरा केदा रेड़ा अबुङे जनचि किं सेपेन नापाम जाना अनादो अकिङ बोको बोएआ गे एनाते दो किं हपबुद अनचि किं रा: ताना बरन किं हुड़िङ नि: मेन जादा हेलाना दाइ को गोए के:मा जा: ले मेन जादा मेनम गेआ चिलका मेना: मा बेएसे गेचि। मरं नि: हेना अञदो बेएसे गे मजा सुकु रे मेना:आ। जगर असादी रा: असादी केदचि किं अपन दड़िन जाना मरं निओ बंदा ते: बोलो रुड़ा जाना आद हुडिङ नीओ ओड़ा:ते: सेनो: जना। आद मुसिङ लेका कुपुलो: लिङ सेनाए मेतइ ताना। मियद उडड़ा: किरिङ तापे आद बाबा आता तपे: मेतइ ताना हुडिङ नी: ओड़ा: तेबा लेदचि सोबेनाए उदुबा को ताना दाइ कोओ दङ लिं नपम लेना मेनते बेस गे मे ना:इआबे हिसब सुकु रे मेना:इआ ओड़ा: रे बाबा चउली गे पेरेआ काना मेन जादा। एनाते एंगाते: मेताइ ताना दाई बोनइ तकिङ बरसिङ तयोम ते कुमुलो: किङ हिजु:गाए मेतइ ताना ओड़ा: रे नेआ काजी को आयुम केदचि पुरा:गे सुकु ज:कोआ मियद डाउड़ा: को किरिङ केदा बाबा को आता तादा अर तोवा ताबेन को को सम्पोड़ो तादा।

दिन मुंडि तेबा: जनचि किङ हिजु: लेना अयुब अयुब एंगाते एन लो:गे उडुङ लेना देला बोलो लेने: मेता किं ताना बोलो जनचि बिङ दुबतेआ: डाउड़ा: को ओमा: इआ। काटा दो च:लोम रे अबुङ किआ एनाते तोबागे ताबेन गेको ओमा: किङा जोम नू केदचिको गिति जाना।

निदा न:दो एन हातु रेको सुसुन ताना ताला निदा लेकारे बिङ सुसुने: सेनो: जना बिङ ऊर दोए बागे तुकादो। आद अयर रेगे डुलकी रु ताना। सुसुन को जोर तेको रासिका जाना। होका जनचि ओड़ा:ते हिजु: लेना आद ओड़ो बिङ उर रे गे: बोलो जाना। सोबेन को हिजु: जना। गपा तेरे बोकोते कुड़ि दइते: मेतइ ताना। अमना दाइ अमदो सुसुन कमा: जना ओर ते ले रासिका जना। दइते हे ना मर तिसिङ दो अञोन सेना।

एन हुलङ निदा होड़ो को सुसुन ताना। एन हुलङ दो तइतेओ सुसुने: सेनो: जना। मेनदो मुंडि किआम आद ताला निदा रेगे: रुड़ा जाना बिङ आद सिदा हुलङ लेकादो काको रासिका जना एना दइते मेन जादा हेना कोरे: रासिकाओ काको रासिका जाना आद जोर ले रासिका जनम मेन आदा। एन हुलङ ओड़ो को सुसुन ताना अकड़ा ते बिड़ ओड़ोए सेनो: जना आद अयर रेगे डुलकी ए ताना एन हुलङ कुड़ि लोड़ो किआ। सुसुन कूब जूम काओआ कद चि ओड़ा: ते: हिजु: लेना आद बिङ ऊरे: ओंड़ोर केदा। एन लोओएबिङ टोर केदा आद ओड़ा: ते निरउ का: आद मर तोवा ते दुलिञ में तोवा ते दुलिञ मे: मेन जादा एन लोओ गे तोवा ते: दुल किआ। आदे मेन जादा बिङ बपारे मनोवा मुसिङ दिनों कम सातिङ केदा। एनाते गपा तेरे मजा लेका को मंडि उतु केदचि किं जोम केदा आद को बिदा ता: किंआ।

(हिन्दी)

दो दम्पति ब्रह्माण पूजा करने गए थे

दो दम्पति ब्रह्माण बूजा करने गए थे। रात भर पूजा करके सुबह लौट रहे थे। रास्ते में भूख और प्यास से दम घुटे जा रहा है। रास्ता में उन्होंने पानी से भरा हुआ तालाब देखा और खूब खुश हो रहे हैं अब तो तालाब में नहीं धो लेंगे और चूड़ा मूढ़ी खा लेंगे सोचते आ रहे हैं। तालाब के पास पहुँचते तालाब का पानी सूख गया और सूखा तालाब बन गया और दोनों भूख और प्यास से मर रहे हैं उसके बाद दोनों ने कुछ बुद्धि लगाया और कहा देख रे तब कई अगर झूंढ़ में झाड़ी में है तो इस तालाब पानी भर दे और हम लोग पहली बेटी को शादी देंगे। साँप झाड़ी से निकला और पूछा आप लोगों ने कुंछ कहा। दम्पति हाँ-हमने कहा कोई अगर इस तालाब में पानी भर देगा तो पहली बेटी को देंगा। तु इतना कहते ही तालाब में पानी लबालब भर गया। उसके बाद दोनों दतुवन किये नहाए धोए और चूड़ा-मूढ़ी खा ली भर पेट और चले गए।

कुछ दिन के बाद तो एक बेटी हो गई दूसरी भी गई तीसरी हो गयी। अब बड़ी हो गई जवान हो गई अब भेजने का समय आ गया। तो सबसे छोटी बेटी को तैयार करके भेज दीये (जाते जाते बोल रही पूछ रही है गाना में-

को तिक दूरे नागवंशी राजा
मोय तो आलों बामम बेटी-2

साँप- कोन डोरे आई रो ही से डोरे घूर रानी से डोरे घूर उसके बाद मछली को उसको वापस भेज दिया।

उसके बाद सबसे बड़ी बेटी को तैयार करके भेजे साँप डोरे आए रोही से डोरे आए रोही से डोरे आओ रानी 2

वैसा जाते पूछते तालाब के पास पहुँच गयी। उधर साँप भी उसी का इन्तजार कर रहा था। लड़की को देखकर साँप बोला मत डरो मेरे पीछे पीछे आओ लड़की उसके पीछे पीछे चली गयी दोनों तालाब के भीतर घूस गए। वहाँ पहुँच कर देखती तो बड़ा सा महल है, अन्दर में। एक कमरा में धन दौलत भर हुआ है एक कमरा में रुपये पैसे और एक कमरा बैल बकरी। दोनों खुशी खुशी रहने लगे।

एक सप्ताह बीतने के बाद एक दिन लड़की नहाने के लिए तालाब के दो दम्पति ब्रह्मण बाहर निकली ठीक उसी दिन उसकी बहन भी कपड़ा धोने के लिए उसी तालाब में गयी है बड़ी बहन एक ओर में छोटी बहन दूसरा ओर में है और एक दूसरे को देख रहे हैं। बड़ी बहन सोच रही है। अरे वह तो छोटी बहन जैसी लग रही है और छोटी बहन भी सोच रही है। बड़ी दीदी जैसी देख रही है दोनों अपना अपना कपड़ा धो लिए नाहने के बाद दोनों नजदीक से देखने के लिए दोनों ओर से आयी तो देख रही है दोनों सली बहन है देखते ही दोनों एक दूसरे से लिपट गई। और रो रही है दोनों। छोटी बहन बोल रही है दीदी हमलोग सोच रहे थे आप मर गए या साँप खा गया होगा बड़ी बहन नहीं रे मैं खुश हूँ मजे में हूँ। किसी प्रकार का कोई नहीं तकलीफ है तुम्हारा जीजा भी बहुत अच्छा है चिंता करने की जरूरत नहीं माँ बाबा को मेरे बारे में बता देना। थोड़ी देर वैसा ही लिपटी रही जब होश में आयी तो एक दूसरे से अलग हो गयी और बड़ी बहन से बोल रही है एक दो दिन में हमलोग मेहमान आएँगे। एक बड़ा डलि डलिया खरीद कर रखना दूध और धान भूंजा उसके बाद दोनों अपना-अपना घर चली गयी। और पैर तो पूंछ में धोना।

छोटी बहन जल्दी-जल्दी घर आयी सारी बातें बता दी माँ बाप को बड़ी बहन के बारे में सुन कर बहुत खुश सब कोई अब वे उनके आने का तैयारी में लग गए। जैसा बोली थी वैसा सभी चीजों की तैयारी हो गयी दो दिन बाद तो दोनों आ गए आते ही उनकी माँ लोटा और थाली निकाली पैर धोने के लिए साँप को तो पूछ में धो दी। बैठने बड़ा डालिया दे दी उसके बाद तुरन्त धान भूँजा और दूध दी। तब तक रात हो गया रात को सब कोई अपना अपना सो गए। उस दिन गाँव के आखाड़े में नाच हो रहा था। साँप भी नाचने चला गया। अपना साँप का खोली को तो घर में ही छोड़ दिया और नाचने चला गया और आगे ही ढोलक बजाने लगा। नाचने में बहुत आनन्द आया सभों को। सुबह होने के पहले ही साँप चला गया घर और अपना खोली में घुस गया। उसकी शाली भी नाचने गई थी और दूसरा दिन अपनी बड़ी बहन को बता रही है दीदी आप तो नाचने नहीं गए सो हम लोगों को खूब आनन्द आया। बड़ी बहन ठीक है आज तो मैं भी आऊँगी फिर उस रात को भी नाच होने लगा उस दिन तो उसकी दीदी भी गयी और साँप भी पहले दिन जैसा ही आगे ही ढोलक बजा रहा था परन्तु अपनी पत्नी के आने का आभास

हुआ। आधी रात को ही भाग गया घर खोली में घुस गया। पत्नी को भी पता चल गया और साँप का खोली में घुस गया। दूसरा दिन सुबह अब उसकी दीदी बोल रही है कहाँ रे खूब आनन्द आया बोलती है कहाँ मुझे तो आनन्द भी नहीं आया। तीसरा दिन फिर नाच हो रहा था उसकी पत्नी छिप गयी और छिप कर देखने लगी। उसका पति (साँप) फिर खोली को छोड़ कर नाचने गया हुआ देखकर उसकी पत्नी तुरन्त घर गयी और खोली को जला दी। साँप दौड़ता हुआ आया और पत्नी से बोल रहा है अरे दूध डालो दूध डालो मेरा चमड़ा जल रहा है दूध तुरन्त डाली और बोल रहा है बाहरे मनुष्य एक दिन भी बरदाश्त नहीं की। दूसरा दिन दोनों को अच्छा से विदा कर दिये और चले गए।

(मुण्डारी)

बरिया हड़म बुढ़िआ किङ राजा ताःते रिंड़ि किं अउलाः

बरिआ हड़म बुढ़िआ किं राजा ताः ते रिंड़ि किं अउ लाः राजा जनाओ रिंड़ि असि हड़म बुढ़िआ ताकिं ताः तेः सेन तन ताईकेना। मुसिङ दो हड़म चनाःए सेंड़ा केदा बरिआ कुलाय किङेः नम के किङा आद पलना हुलङ रिंड़ि इदी हिजुः बेनेः मेताः किङा। कजीआ कद लेकागे एन हुलङ को सेनोः जाना। हिजुः लेनचि हड़म दुब तेआः गण्डु कोए ओमाः कोआ मियद कुलाद दो अएताः रे सबा काःइआ आद मियद दो ओड़ा बितर रे तोल ताःइआ। चूना तमाकू केदचि तोलाबु नःदो गड़ा साः तेबु करकादो कोआए मेताको ताना आद हेबेआ काइ कुलायए मेतइ ताना जू एंगम काजीअइ में कोदेः लाद ताका आद राम्बाड़ा दालीः उतु ताका आदे अड़ा ताःइआ। एनाते को सेनोः जाना गाड़ा सअते। अबुङ करकादेन जन चि रुड़ा लेना ओड़ाःते अनादो सरतेगे चिलका कुलायए काजी लियाः एनकागे तैयार काना ओड़ाःरे। जोम नू केदचिको मेतइ ताना हड़म हेला कुलाय दो मजा बेन इतु तःइआ अले ओमा लेबेन। हड़म मेन जादा हेला नि दो कलिङ ओमीआ नी तेगे अलिङाः काजी कामी को सेसेन ताना। होन लेका लिङ जोगाओ ताःइआ। राजा अच्छा तोबे रिंडि गे मर तारा लेका अदाइओ का इमिन रेओ नीदो ओमञ बेन गे। हड़म हे मर तोबे कम पतिआ तन रेदो इदी कीमे आद सेनोः तन चिः ओमाः कोआ ओड़ाः बितर रे तोला कन कुलाय आद को सेनोः जाना। ओड़ाः को इदी लिआः आद राजा एनकागेः बुजाओ कीः चिः अड़ाः ताइआ अनादोए निर जाना कोते कोते। एनाते राजा ओड़ोः ए सेन नम तःइआ आद सेथा हड़ामेम बेदा केः लेआए मेतइ तान तन लोओ दोए सब किआ आदेः तोल रुपडु कुण्डु किःचि गड़ा रेको अतु तःइआ। गड़ा रे होड़ो को हाइ को सब तन तइकेना। बोरा मियद दिरि रे टेकद जाना आद बतरी बतरी एकेला तन ताईकेना नेरे मरङ लेकन हाई मेने लोओ को ओर उडुङ तःइआ औद बोरा को ओचोः लाः हड़म उडुङा कन अदेः निर जाना। गपा तेरे दो मोद पुराः केड़ा उरिः कोए गुपि ताः कोआः ओड़ोः को नम किआः आद को कुली जःइआ हेला नमिनङ केड़ा उरिः कोदो कोरेम नम लेः कोआ? हड़म-इतु ओकोए ताको बोरा रेको संजू कीइञ चि गड़ा रेको अतू लिइआ

अनादो अनरेदो सोना दो चाँदी टा टाका सिका जुदा पेरे: गिड़िका काना अञ एना कोदो कञ दड़िआ: एनाते कञा जना अपे लेकन कोदो पे पेड़ेआ: काना पुरा: ते पुरा: पे अउ दड़िआ अञ दोने केड़ा उरि: कोगेञ हाराउ ले: कोआ। ओड़ा को हिजु: लेनचि अकोआ कुड़ि को को मेताको ताना मरना अले तोल केले पे आद बोरा संजु केलेचिगड़ा रे अतु तले पे। कुड़ि को एनका गेको रिका के: कोआ (होड़ो को गाड़ा रे को परोम तम ताइकेना बोरा गड़ा रे अतु आद बतरी बतरी एकेला ताना चना मेना: रेने मेनेलोओको ओर उड़ङ केदा आद ओचो ला: दो होड़ो आद अञ पुरा:झञ अउइआ अञ पुराञ अउइआ को मेन जादा। चना चना: अञ अउइआ को मेन जादा मेने ओलो: दो को दल के: कोआ आद हायगा दायगा जलो: ओड़ा मुलि को सेनो: जना। ने सेथा हड़म ओड़ोए होसोड़ो के: बुआ को मेन जादा। आद इनिआ ओड़ा: को ओंडोर केदा। ओड़ो: हड़म सेंड़ाए करचा केदा सेंगेल को एड़ें जनचि तोरोए को बोरा रे: संजू केदा मोदता मोदता: बु कोरे टाका कोए उगुर तादा। आद सदोम रे लादि तद चि: सेनों ताना। मियद माडोवारी कुड़ि मियद होने होबे तइचि: सेनो: ताना। आद मोटो गिड़िआ काना सेनो कए दाड़ी ताना। तेबेबा: जनचि एन कुड़ि मेन जादा नेगा ने:ने होन सदोम रे दे: कीमेञ लगा जाना। हड़म मेन जादा का का कञ देइआ नेरे टाका कोञ लदी तादा होन जाए दा: केरे दो सोबन टाका तोरोओआ। माडोवारी कुड़ि- चिलका तोरो ओआ तोरोए जन रेदो मर इमिनङ टाकाञ ओम बदलामा। हड़म- हे मरतोबे कम पतिआ तन रेदोए मेना केदचि होने: लदी किआ: टी कि हुड़िङ दू को सेन ला: होने: दा: केदा। हड़म कचरान ताना ने दङेञ काजी ला: कम पतिआ जना लेल लेम तो सोबेन टाका तोरेए जना होगोड़ो ला: दो सरते गे तोरोए जना। एनातेदो मांडोवारी कुड़ि इमिनुङ टाका गे: ओम बदला इआ। एनाते रसिका तन लो ओड़ो:ते हिजु: लेना मजा लेका ओड़ा: कोए बइ केदा। होड़ो को ओड़ो: को लेल जद चिको कुली ज:इआ हेला नक ओड़ा कोदो चना तेम बइ केदा? हड़म मेन जादा इदुओकोए ताको अञा: ओड़ा: को ओंडोर केदा आद तोरए कोञ अकिरिङ ला: बोरा रे संजू केदचि तोरोए सादोम रेञ लदी केदा मरगा तोरोए को तोरोए कोञ मेन ला: एनातेञ बइ तादा। एनाते अको को ओडोर केदा अपन अपन ओड़ा: को आद बोरा कोरे संजू केदचि सदोम रेदो लदी केदा आद मरगा तोरोए तोरोए को को मेन जदा होड़ो को दल तेको नम जा: कोआ आद को निर जाना। हड़म ओड़ोए बेदा के: बुआ को मेन जादा। आद को सेन नम त:इआ न: दो बुड़िआ बु गोइआ

को मेन जादा हड़म मुंडि के कोआ आद कोता:ते मोद लोधा जिलुए अउ ला: बुड़ियाए गिति: रिका ता:इआ आद बोरा कोते कन्ता कोते उयु: ता:इआ। आद बुड़िआए रोइद ताना। लाई रे जिलु:ए तापा: ता:आ आद मा: लिआ दो जिलुरे हकेओ मयोम ते लटा पटा काना हाँ ने दङ बु गोए किआ को मेन जादा। एनाते हड़म बोओद बोए अउ लेदचि जुड़ ता:इआ आद ससङ किचिरि ते: किचिरिआ कना आद: गुगुला ता:इचि सदोमरे: दे ता:इआ आद अड़दी दुरङे दुरङ इदि ताना सदोमे ती: त:इआ। होड़ो एनलो:ओ गेको निर उडुङो तना कोनेआ बु लेल लीआ मेनते हड़म मेन जादा हो हो बोओ: उयुगोआए मेन जादा। चिलका उयगोआ को मेतइ ताना अयुगो: गेआ अच्छा मर उयु जन रेदो अले गे मोद होड़ो इदी बदला लेम को मेतइ तना हड़म एनलो:ओगे हे मरे: मेताको ताना आद गुगुला को ओटा: लिआ दो बो: उदु जना। एनाते दो को चिका एया सिदा काजी कन लेकागे मियद मजा लेकन कुड़ि होन को ओजा:इ इआ। आदे: इदी कीइया। गपा तेरे दो ओड़ो: को लेल ज:इआ मजा लेकन कोनेआए नम त:इआ आद को कुली ज:इआ। हेला कोता तेम नम लिआ नमिन मजा लेकन कोनेआ दो। एनाते: मेन जादा को अञा: कोनेआ दङ ओकोएताको गोए किआ एनीञ बदला लिआ मरगा मुर्दा बदला मुर्दा बदलाञ मेन ला: आद कोनेआ बदला रेको ओमा:इआ। एनाते दो अको अकोआ कुड़ि को गोए के: कोआ आद एनका गेको इदी के को चि मुर्दा बदला मुर्दा बदला को मेन बाड़ा जदा एन लोओदो बोड़े बोड़े टंडा को उडुङ जादा और आद दल जा: कोआ आद को निर जना। एनाते को हरतिङ जना राजा: रिंड़िओ अदइ जना। आद मजा लेका को तइन जना।

(हिन्दी)

दो बूढ़ा बूढ़ी राजा के यहाँ से ऋण लाये थे

दो बूढ़ा बूढ़ी राजा के यहाँ से ऋण लाये थे। प्रति दिन राजा उनके पास ऋण माँगने आते थे। एक दिन बूढ़ा राजा से बोल दिया कि पलना दिन आइये ऋण दे दूँगा। जंगल से दो खरगोशों को पकड़ कर लाया और एक को घर में बाँध दिया और एक को अपने पास रखा। थोड़ी देर में तो राजा दल बल के साथ बूढ़ा के पास आया। आते ही प्रणाम किया बैठने के लिए पीढ़ा मचिया जो भी था दिया बैठ गए उसके बाद तम्बाखू दिया। थोड़ी देर बाद बूढ़ा बोला चलिये नदी तरफ नहा-धोकर आएँगे और गोद में लिया खरगोश से कहा जाओ तुम्हारी माँ से कहो मडुवा रोटी और उरद दाल पका कर रखेंगी इतना कहकर खरगोश को छोड़ दिया और अपने लोग नहाने नदी चले गए। खरगोश तो कहाँ-कहाँ जंगल में भाग गया। नदी से लौट कर खाने को दी बुढ़िया तो वही सब जो खरगोश को बोला गया था। खाने पीने के बाद राजा बोल रहा है। ए बूढ़ा खरगोश हमको दे दो तुमने इतना अच्छा सिखा दिया है। बूढ़ा बोल हुजूर खरगोश को तो नहीं दूँगा चूँकि हम दोनों का काम इसी से चलता है हमें बहुत मदद करता है।

राजा बोला- ठीक है आधा ऋण माफ हो जाएगा लेकिन मुझे दे दो। बूढ़ा-ठीक है आप नहीं मान रहे तो ले जाइये। जब वे जाने लगे तो अन्दर में रखा था खरगोश निकाल कर दे दिया। राजा बहुत खुश हो गया। घर आया तो अपने भी खरगोश से कहने लगा जाओ तुम्हारी माँ से बोल दो ये ये चीजें बनाएँगी और खरगोश छोड़ दिया। खरगोश कहाँ कहाँ भाग गया। राजा बोल रहा है साले बूढ़ा मारा हम लोगों को ठग दिया और दूसरा दिन फिर बूढ़ा के पास गए और बूढ़ा को पकड़ कर रस्सी से बांध दिया। बोरा में डाल दिया और नदी में बहा दिया। नदी में लोग मछली पकड़ रहे थे। बोरा एक पत्थर में अटका हुआ था और थोड़ा थोड़ा हिल रहा है। मछली पकड़ने वालों ने देखा तो सोचा अरे इस में तो बहुत बड़ी मछली है कहते हुए निकाल दिया और खोला तो बूढ़ा निकला और भाग गया। बूढ़ा बहुत चालाक था। दूसरा दिन तो इसका उसका लेकर ढेर सारे गायों को काड़ा को चरा रहा है उन लोगों ने उसको देखा तो ढेर

सारे बैल काड़ा चरा रहा है और पूछा अरे सारे गाय बैल कहाँ से आए उसने कहा अरे क्या बताऊँ किसी ने मुझे हाथ पाँच बाँध बोरा में डाल दिया और नदी में बहा दिया तो देखा कहाँ तो सोना चाँदी रुपये पैसे और काड़ा बेल भर पड़े हैं मैं तो अकेला था और सोना चाँदी ढोने नहीं सकता इसलिए गाय बैलों को ही लेकर आ गया। तुम लोगो ताकतवर और जवान हो सोना चाँदी ही ला सकता है। वे झटपट घर आए और अपनी पत्नियों से कहने लगे चलो जल्दी-जल्दी हमलोगों का हाथ पैर बाँधो और बोरा में बंद कर दो और नदी में डाल दो। औरतें वैसा ही की। बोरा नदी में बहा रहा है और थोड़ा-थोड़ा हिल रहा है। लोग नदी पार कर रहे थे। क्या चीज है सोच कर खोला तो आदमी और बोल मैं ज्यादा लूँगा मैं ज्यादा लूँगा। उसके बाद उन लोगों की पिटाई कर दिये क्या ज्यादा लूँगा ज्यादा लूँगा बोल रहे हो हाय हाय करते हुए घर आया। बूढ़ा साला ठग दिया अब तो उसका घर को जला देंगे बोला और जला दिया। फिर बूढ़ा बुद्धि लगाया। आग बुझ गया सभी राख को बोरा में डाल दिया एक एक छेदा रुपया रख दिया। घोड़ा का पीठ पर लाद कर जा रहा है। कुछ दूर में एक मड़वारी औरत मिली एक बच्चा गोद में है और खूब मोटी चलने भी नहीं सक रही है। घोड़ा वाला बूढ़ा से बोल रहा है बच्चा को घोड़ा पर बैठा लो मैं थक गयी है। बूढ़ा बोल रहा है न बाबा बच्चा पेशाब कर देगा तो सारे रुपये राख हो जाएंगे। मड़वारी औरत केसे राख होगा? चढ़ा कर देखिये तो। बूढ़ा राख हो जाएगा नहीं देख रही हो इतना रुपया (छेद को दिखाते हुए) मड़वारी औरत- ठीक है अगर आप के रुपये बच्चा के पेशाब करने से राख हो जाएगा तो मैं उतना ही रुपये बदले में दूँगी। थोड़ी दूर गए ठीक में बच्चा पेशाब कर दिया। बूढ़ा बमक रहा है देखो तो मैं तो बोल था न बच्चा पेशाब करेगा तो सारा रुपया राख हो जाएगा और सब को डाल दिया तो राख निकाला। उसके बाद मड़वारी औरत उतना ही बोरा रुपये दी। खुशी खुशी घर आया और अच्छा सा घर बना लिया। घर बना हुआ देखते ही फिर पूछ रहे हैं अरे क्या इसे इतना अच्छा घर बना लिये हो। बूढ़ा बोला- क्या करूँ साहब मेरे घर को किसी ने जला दिया था मैं राख बेचने गया और कहा राख लीजिये राख लीजिये तो सबों ने ले लिया और मुझे रुपये दिया बदले में। इतना सुनते सभी लोग अपना अपना घर चले और घर को जला दिया जब राख बन गया बोरा में भर दिये और बेचने चले राख लीजिये राख लीजिये राख चिल्ला रहा है सब लोग लाटी डंडा निकाल कर पीटने के लिए दौड़ाने लगे। सब लोग भाग गए और बोल रहे हैं अरे बूढ़ा

फिर धोखा दिया। उसके बाद दूसरा दिन बुढ़िया को मरने के आया बूढ़ा को पता चल गया और बुढ़िया को सुला दिया और लेदरा बोरा सबसे ओढ़ा दिया। बूढ़िया ऊहू ऊहू कर रही है कहीं से एक लोधा मांस लाकर थोप दिया काट लिया था तो मांस का लोघा में लगा और टंगिया भी खून से लथ पथ हो गया उन्होंने सोचा चलो अब बुड़िया को तो मार दिया। फिर बूढ़ा को उपाय सूझा बुढ़िया को दूसरा पीला कपड़ा पहना ले और एक सिर लाकर गोंद लासा से लटका दिया और घूँघट लगा घोड़ा में बैठा कर शादी गाना गाते जा रहा है।

गाना कोनेया मइया चोको मोको
बर बाबू लेंदे पेंडे रे।

उसके देखते है बच्चे जवान सब दुलहिन को देखने के लिए निकल गए और बोल रहे हैं दुलहिन देख लेंगे दुलहिन देख लेंगे। बूढ़ा बोल रहा है घूघट मत उठाओ घूघट उठाओगे तो उसका सिर गिर जाएगा। लोग बोल रहे हैं कैसे सिर गिरेगा अगर गिर गया हम में से किसी एक को ले जाओ। ठीक है और उसका सिर उठाया तो सिर गिर गया और बोल रहा है चलो अब किसको दोगे दो। पहले कहा हुआ के अनुसार एक सुन्दर लड़की को दे दिये। राजा पार्टी के लोग देख रहे हैं तो सुन्दर लड़की को लेकर आया है और पूछ रहे हैं कहाँ से इतनी सुन्दर लड़की मिली बोल कर उसने कहा अरे देखिये साहब मेरी बुड़िया कोन लोग काट दिये और उसको घोड़ा बैठा कर बदलने ले गया कहा मुर्दा बदला मुर्दा बदला बोला और मुझे बदले में मिली। इतना सुनते अपन-अपना घर आया अपनी पत्नियों को काट डाला और घोड़े में बैठा कर बदलने ले गया मुर्दा बदला मुर्दा बदला बोलने लगा। बड़ा बड़ा डंटा लेकर निकला लोग और मारे पिटाई किया जान बचाकर भाग गया। उसके बाद हार मान गया और राजा का ऋण भी माफ हो गया। बूढ़ा बूढ़िया सुख पूर्वक रहने लगे।

(मुण्डारी)

सेंड़ा पटाः तुयु

मियद तुयु गड़ा जापाः रेः पिड़िसा (इइ) लाः। एन तयोम तेगे गड़ा रे बाड़ी हिजुः जाना बनोः चा इइ दो आतु जना। गापातेरे तुयु हिजुः लेना आदे लेले बाड़ा तना इइ दो बनोः। एनाते गड़ाए मेतइ तना कोरेः अञाः इइ दो कोते चिका जना। गड़ा मेन जादा बाड़ी हिजुः लेनचि कजि अतु जना। तोबे दो ड़ोः इइ बदला दो चनाःम ओमाइआ। गड़ा मेन जादा इइ होड़ोः कोरेञ नमेआ अतु जना मियद हइ गेञ ओमामा। एनाते मियद चोड़ा हाइय ओमाइआ। हाइ इदि किःचि तुयु सेनोःजना। होरा रे मियद बड़ाए कोआः ओड़ाःए नम तादा इमतङ इनकु मंडि कोजोम तनः तइकेना बुलुङ तेगे। इन कुए लेले केः कोचिः मेताको तना हेला अपेदो बुलुङ तेगे मंडिपे जोम तना उतु दो बनोआचि? हे बनोःआः को मेतइ ताना। एनाते ते दो एन बाड़ए कोए ओमाको ताना ने नेहाइ गे रपाः की पे आद मंडि लोः जोम पेः मेताकोआ आदे सेनोंः जना आयार ते।

गपा तेरेः रुड़ा लेनचि ओड़ोए असि जाः कोआ दे नःदो अञाः हाइ ओमाञ पे। बड़ाए को मेन जदा हेला डोः हाइ दो कोरे ले नामीआ कचिले जोम किआः। अमगे दङ जोम कीपेम मेताः लेआ ने ने कातु गे इदी केम हइ बदला को मेताःइआ।कातु इदी केदचि ओड़ोः अयरतेः सेनोः तना मित ताःरे मियद ओड़ेआए नम तःइआ मियद पुरना गिड़िया कन बोड़ा बोड़ा कातु तेः तुना तना। हेला गा ने पुरना गिड़िआ कन बोड़ा कातु तेम तुना तना नेः ने नवा कतुञ ओमाम तना नेआते तूना में आद ओम तुकइ चिः सेनोः जना अयरते। गपा तेरे ओड़ोःए रुड़ा लेनचि दे नःदो अञाः कातुए मेतइतना ओड़ेआ कुड़ि मेन जादा हेला डोः काची बोड़ा जना अम गे दं ओमाःइआ। एनाते अच्छा तोबे मियद कंची गे ओमञ में: मेतइ तना। एनाते मियद कंचीः ओमाःइआ अदेः सेनोः जना।

होरा रे नःदो मियद कुम्बर केचाः केचाः कंची रे रुडुब लेकाए चढु कोए गोआ कादा। आद अकिरिडेः इदो जदा। लेल किः चि हेला हले केचाः केचाः कंची तेम इदी जदा कची अयुगोःआ ने अञाः नवा कंचिञ ओमम तना नेआते इदीमे। अदेः सेनोः जना अयर ते।

सिदा लेकागे ओड़ो गपा तेरेः रुड़ा लेनचि कुम्बर कंची असी जःइआ। मेनदो कंची दो केचाः जना कोताः तेः नमेआ। मियद चटु गेः ओमाःइआ। अदेः सेनोः जना।

न:दो अयुब अयुब उरि: को को हराउ जा: कोआए लेल ज: कोआ एन लो: गे अयर रेगे चटुए दो तादा। उरि: को कुपुदाओ केना आद को कुंडुस रपुद केदा। एनाते दो उरि: गुपी चोरेआ को चटु: असि जा: कोआ कोरे को नमेआ चटु दो मियद उरि: गे चटु बदला को ओमा:इआ। एनाते उरी: हर कि:चि सेनो: तना मिद ता:रे न:दो होड़ो कोगे गाँड़ि रे सुनुम को लेन तना लेल ले: कोचि: मेताको तना हेला अपेदो नमीनङ पे उदुर सदाओन तना ने अञ: उरि: जोड़ोइ पे आद लेनेपे उरि: को जोड़ा की चिको लेन तना अनादो उरि: दोए बुल जना आदे: गेए जना।

गपा तेरे तुयु हिजु: लेनचि उरि: असी जा: कोआ एनाते दो उरि: बदला सुनुम गे मोद चुका: कोओमा:इआ अदे सेनो: जना।

होरा रे न:दो बरतिआ को कोनेआ आउ को सेनो: तना लेल जा: कोओए दो दांदा पुंदा तन सुनुमो काको सुनुमा कना पोरोवलो:गेको लेलो: तना अदे: मेता को तना हेला हले अपेर्दो बरतिआ पे सेनो:तना दांदा पुंदा तन सुनुओ कापे सुनुमा काना सुनुमेञ ओमापे तना मजा लेका सुनुम बइ कोओपे बरतिआ को एनाते दो चुडुइ बुड़इतन जोरो तनलेका को सुनुमेन जना आद सुनुम दोको चबा केदा।

गपा तेरे तुयु ओड़ो:ए हिजु: लेना आद सुनुमे: असि जा: कोआ बरतिआ को मेन जदा हेला सुनुम दो चबा जना अमगे दङे सुनुम कोओ:पे मेनतेन ओमा: लेआ न: दो कोरेले नमेआ। तोबे दोड़ो: न:दो कुड़िगे ओम बदलाञपे: मेन जदा। ओमा:इआ को कुड़ि गे ओड़ो दो को चिकाएया।

तुयु कुड़ि आउ लिआ। बरसिङ लेका होबा जनचि मुसिङ बरन किं बिरते सान आउ किं सेनो:जना सानू को कुड़ि मा: हुंडि हलङ हुंडि केदचि: तोल केदा आद दे दोन ताञ में: मेतइ ताना तुयु (कोड़ा) दोन जइचि: मेन जदा तुयु– इइ बदला हइ, हइ बदला बुलुङ बुलुङ बदला कातु, कातु बदला कांची, कांची बदला चटु, चटु बदला उरि: उरि: बदला सुनुम आद सुनुम बदला कुड़ि नि: ताञ कुड़ि कुड़िञ डुञ डुञ। एनकाए काजी लेदचि कुड़ि दो जोर ते खींस किआ: आद सान तेगेम दरपा ता:इआ अदे: गोए उतर जना चि रिसुड़ीआ कना। एनाते कुड़ि मेन जदा हनि: अञा: कोड़ा दोए लंदा तना एनाते एनताआ: तेगे: रुड़ा जना आद मजा लेका होड़ो कोड़ा लोओगे अड़ंदी को होबा जना।

(हिन्दी)

चालक सियार

एक सियार नदी किनारे पखाना कर दिया था। उसके कुछ देर बाद ही नदी में बाढ़ आ गया और उसका पाखाना तो नदी में बह गया। दूसरा दिन सियार आया और इधर उधर खोज रहा पखाना तो नहीं है उसके बाद नदी से पूछने लगा- ऐ नदी मेरा पखाना तो कहां गया क्या हो गया। नदी बोल रही है- नदी में बाढ़ आ गया पखाना तो बह गया तब तो मुझे पखाना के बदले क्या दोगी। नदी- अब तो मुझे पखाना कहाँ पाऊँगी उसके बदले एक मछली ही देती हूँ सियार मछली लेकर चला गया। रास्ता में एक लोहरा लोगों का एक घर मिला उस समय वे आँगन में खाना खा रहे थे नमक से को सब्जी नहीं थी। उनको देखते ही सियार बोल रहा है अरे आप लोग तो नमक से भात खा रहे हैं सब्जी नहीं है क्या? नहीं है इसलिए नमक भात खा रहे हैं। सियार- लो तब मेरे पास एक जिया मछली है इसी को आग में पकाकर खाना के साथ खाओ। उसके बाद चलते बना।

दूसरा दिन आया और मछली माँगने लगा। लोहरा-बोल रहे हैं- मछली को तो खा गए हम लोग तुम्हीं न कहा था भात के साथ खाने के लिए अब कहाँ पाएंगे लो अब तो बाँइठी ही दे रहे हैं मछली के बदले।

बाँइठी लेकर चला गया आगे रास्ता में एक जगह एक तुरी जाति की औरत पुराना और बोथड़ा बॉइठी से सूप बना रही है- उसको देखते ही सियार बोल रहा है अरे दीदी आप तो इतना पुराना और बोथड़ा बाँइठी से सूप बना रहे हैं तेज नया वाला नहीं है क्या? औरत बोल रही है नहीं हे नये तो इसी से रोज सूप टोकरी सब बनाती हूँ लो मेरे पास नया और तेज बाँइठी (छूरी) है ले लो और इससे बनाओ दे दिया और आगे चला गया।

दूसरा दिन फिर वापस आया और छूरी माँगने लगा तुरिन बोल रही है अरे छूरी तो बोथड़ा हो गया अब मैं कहाँ से दूँ लो एक टोकरी ही ले लो छूरी के बदले। टोकरी लेकर चला गया रास्ता में एक कुम्हार को पाया फटा टूटा टोकरी में मिट्टी के घड़ो को डाल कर बेचने जा रहा था। उसको देखते ही बोल रहा है अरे भाई तुम तो फटा टूटा टोकरी में डाल कर घड़ों को ले जा रहे हो बेचने नहीं टूटेगा क्या गिरेगा तो? लो मेरे पास नया टोकरी है उसमें डाल कर ले जाओ। टोकरी दे दिया और आगे चलते बना।

दूसरा दिन फिर आया और कुम्हार से टोकरी माँगने लगा। इस पर कुम्हार बोलने लगा। ए भाई टोकरी तो फट टूट गया अब मैं कहाँ से दूँ? लो एक घड़ा

ही को ले जाओ। घड़ा लिया ैर चलते बना आगे शाम शाम को चरहराहे गण गाया बलों को गाँव की ओअर लाते हुए देखा और तुरन्त अपना घड़ा उनके आगे रख दिया। गाय बैल दौड़ा दौड़ी हो रहे थे तो घड़ा टूट गया। सियार चरवाहा बच्चो को डाँट रहा है। मेरा घड़ा को तुम्हारे गाय बैलों ने फोड़ दिया अब तुम मुझे क्या दोगे? चरवाहे गण बोल रहे हैं घड़ा तो कहाँ पाँएगे। एक गाय को ही दे देते हैं गाय लेकर जा रहा है रास्ता में एक जगह लोग धनी को ढाकेलते हुए तेल पेर रहे थे उनको देखते ही बोल रहा है अरे अरे आप लोगो तो इतना मेहनत से धनी को ढाकेल कर तेल निकाल रहे हैं लो मेरी गाय को ले लो और धनी में जोत कर तेल निकालो। उसके बाद वे गाय को जो तक तेल निकाल रहे थे तो गाय मत गयी और मर गयी।

चालक सियार दूसरा दिन आया और गाय वापस माँग रहा था कहाँ पाते गाय तो मर गयी तो वे एक चुका तेल ही सियार को दे दिये।

सियार तेल लेकर जा रहा था तो देख रहा है बाराती गण आ रहे हैं तो देखा वे न तेल गाए हैं न बाल सँवारे हैं ऐसा ही बिखरा हुआ बाल धूल धुसरित शरीर बाराती जा रहे हैं। उनको देखते ही बोल रहा है अरे भाईयों आप लोग तो ऐसी स्थिति में बारात जा रहे हैं न तेल लगाए हैं और बाल सँवारे धूल धुसरित शरीर बिखरा हुआ बाल लो लो मेरे पास तेल है लमाओ और आओ बारात तेल दे दिया और आगे चला। बराती गण खुशी खुशी तेल ले लिये और चूता हुआ लगाया पूरा शरीर में सिर में और खत्तम कर दिया दूसरा बराती जब लड़की को लेकर वापस लौट रहे हैं तो रास्ते में ही छेक लिया और तेल माँगने लगा कि मेरा तेल वापस दो उस पर बाराती बोल रहे हैं तेल तो तुमने हमें लगाने के लिए दिया था और लगा लिये खत्तम हो गया अभी कहाँ से देंगे। ले तब अब लड़की को ही लेलो। लड़की लेकर चला गया। दो दिन जैसा होने के बाद दोनों लकड़ी लाने जंगल चले गए। लड़की लकड़ी चुन-चुन कर जमा की और बाँध ली उसके बाद पति से (सियार) सिर पर उठाने के लिए बोल रही थी सियार जब लकड़ा उस सिर पर उठाने लगा तो बोल रहा है– पखाना के बदले मछली, मछली के बदले नमक, नमक के बदले छूरी, छूरी के बदले टोकरी, टोकरी के बदले घड़ा, घड़ा के बदले गाय, गाय के बदले तेल और तेल के बदले लड़की (दुलहिन) ये मेरी दुलहिन है दुलहिन डुइञ डुइञ डुइञ।

सुनते ही लड़की को गुस्सा आया और लड़की का बोजा ही दबा दी सियार मर गया और अपना दाँत निकाल दिया। उसको देखकर लड़की बोल रही है अरे मेरा पति तो हँस रहा है और लौट आई वापस और पहले वाला पति से धूम धाम से शादी हुआ।

(मुण्डारी)

बरिआ डोण्डो हड़म बुड़िया किङ

बरिआ हड़म बुड़िया किङ तइकेना। इन किङा: मियद गे होन कुड़ि ताइ केना। न: दो मरङ जनीच किङ उडु: तना न: दो लङ गोङ किआ मेनते।

मुसिङ न:दो किङ जागार ताना ओकोए गे हइ कोए किआओ लङा इनि: ता: रेगे होन कुड़ि लङ गोडीआ मेनते। मियद को: न:दो अयुम नम ता: किङा अदे: मेता किङ ताना अञ गा एयङ आबा किङ हइञ किआओ बेना। होन कुड़ि अञ ओमञ बेन। हे मर किङ मेन केदा आद को: ता: होन कुड़ि किङ गोङ किआ:।

हुड़िङ दिन होबा लेनचि ना:दो हड़म मुसिङ कुपुलोओए सेनो: जना। गपा तेरे दो को: होंजरते: मेताइ ताना दोला गा आबा डुंटि: सबेमे गड़ामुलिलङ होनोरउकोआ: सब केदचि किङा सेनो: जना गड़ा मुलि। गाड़ा जापा: जापा: ते किं सेना कादा। को: हइ कोए सोदा उडुङ जा: कोआ आद हड़म डुंटि रे: हलङ हुंडि जा: कोआ। डुटि पेरे: जनचि किङ हिजु: लेना ओड़ा:ते। एनाते को उतु मंडि केदचि असादीओ गेको जोम के: कोआ गापा तेरे दो ओड़ा: ते रुड़ा लेना आद बुड़िआए कजिआइ तना दोलाना बुड़िआ आरा तनी: ता: तेञ इतुअउतदा गड़ा सा: तेलङ होनोर बाड़ाउ कोआ: मियद डुंटि तलङ सबेमे। गाड़ा सा: ते किङ सेनो: जाना हड़म गाड़ा रे: डुबुइञ जान चि: दाँड़ा बाहा तान हाइ को अनादो मु रे दा:गे बोलो तना उदे: सुरो: तना हाइ दो मियदो कए सब दड़िआ: कोआ। हड़मे: उडुङ हपे जना दोलङ न ने अरातनि: दोए बेदा के: लङा न:दो होन कुड़ि लङ आउ रुड़ा किआए मेन जादा। आद गापा तेरे गे: आउ रुड़ा किआ:।

गपा तेरे दो ओड़ो: किङ जापागार ताना ओकोए सिम जिलुए किआओ लङा इनि: ता:गे होन कुड़ि लङ ओमीआ मेनते। मियद तुयु अयुम के: किङा। आद अञ गा एयंग आबा किङ सिम जिलुञ किआअ बेनाए मेता किङ तना। एनाते इनि: ता: रे किङ गोङ किआ:।

हुड़िङ दिन होबा जनचि हड़म कुपुलोओए सेनो: जाना गपा तेरे दो हातु मुलि किङ सेनो: जना। होंजारते हड़म मियद बोराए सब रिका किआ:। तुयु सिम कोए रोमबोद केद रोमरोब केद कोआ आद बोरा रे किङ संजु हुंडि के: के चि किङ हिजु: लेना ओड़ा: हिजु लेन चिको रपा: केदा उतु के: कोआ आद मंड़ि को जोम केदचि गपा तेरे दो हड़मेरुड़ा लेना।

हिजु: लेनचि बुड़िआए मेताइ ताना बुगिन अरातनी: गे नाइ बुड़िआ लङ नमा का:इआ।

एटा: हुलङ दो अकिङो किङ मोने केदा अरातेआ: इनितु लेका। बुड़िया मियद बोराए सब रिका किआ: आद हातु सा:ते किङ सेनो:जना।

हड़म सिम कोए सब लेकोचि केओ: केओ: तन को रआएआ आद ओकोए हाइ मेने लो: होड़ो को निर उडुङो तना चिमिन साए सब के कोआ इमिन सा: एनका गे को हर दु: कोआ हड़ामे: असादी जन चिकिं हिजु: लेना ओड़ा: ते आद खिंस ते किङ चबा गिड़िआ कना। एनाते हड़म मेन जादा अमना ने अरा तनिओए बेदा के लङा होन कुड़ि लङ अउ रुड़ा किआ एनाते गपा तेरेगे होन कुड़ि किङ अउ रुड़ा किआ:। बरसिङ लेका होबा लेनचि ओड़ो एन लेका किं जापागर ताना ओकोए पुंडि रामबाड़ा किआओ लङा इनि: ता: रेगे होन कुड़ि लङ ओमिआ मेनते। मियद कुलाय अयुम के: किङा। आदे मेता किङ तना अञगा एयङ आबा तकिङ पुंडि रामबाड़ाञ किआओ बेना एनाते इनि: गेकिङ ओमा:इआ होन कुड़ि।

बर सिङ लेका होबा जनचि हड़म कुपुलो:ए सेनो जना। अड़ जनचि कुलाय होजांरते: मेतइ तना दोलङ या आबा हेनसा:ते लङ होनोर बाड़ाउ कोआ। मियद टुंकि सबेमे आद किङ सेनो: जना। हड़म दो मियद दारु उम्बुल रे: दुब रिका किआ: आद आए दो जारोम कन राम्बाड़ा गोड़ा ते: बोलो जना। जे जोमोआए जोम केदा आद किङ रुड़ा लेना ते। रुड़ा लेनचि कुड़ि: मेतइ तना मर मियद तावा जूला रे लादी तम कुड़ि एन लेकागे: रिका केदा आद सुनुम लोलो जनचि: इइ हुंडि केदा मोद तावा आद कुड़ि टेओ केदा। इसिन जनचिको जोम केदा हड़मदो लाई पोंगाड़ाओ गे: जोम केदा। गपा तेरे दो सेता:रे: रुड़ा जाना। रुड़ा लेनचि गापा तेरे दो अकिङो किङ इतुआउआ कद लेकागे पुंडि रामबाड़ा।

गोड़ा ते: सेनो: जना हड़म आदे जोम केद जोम केद चि रूड़ा लेना आद मरना बुड़िया जुला रे तावा लदी तमे: मेतइ तना बुड़िया तावाए लादी केदचि सुनुमे: दुल तादा। लोलो जनचि हड़म मोद तावाए इइ (पिड़ि सा:) तादा। इसिन जन लेका किङ टोर केदचि किङ जोम जादा दो इइ गे सोबन ताना। ओचोना ओचोना ने अरातनिओए बेदा के: लङा न:दो होन कुड़ि लङ आउ रुड़ाइ आ किङ मेन जादा एनाते गपा तेरे गे होन कुड़ि किङ आउ रुड़ा किआ:।

हुड़िङ दिन लेका होबा लेन चि ओड़ो: सिदा लेका गे किदं जापागार तना ओकोए गे बाबा लद किअओ लंङा इनि: ता:गे होन कुड़ि लङ ओमीआ नेआ जगर तनचि मियद केयाद अयुम नम ता: किङा आद अञ एयंङ आबा ताकिं बाबा लादेञ किआओ बोनाए मेता किङ तना। एनाते इनि: ता:गे होन कुड़ि किं गोङ किआ:।

मोद अटाउरी लेका होबा लेनचि हड़म होन कुड़ि ता: तेञ कुपुलाउ कोआए मेन जदा आद गपा तेरे दोए सेनो: जना। सेता: दो केयद मेन जदा दोला गा आबा लोयोङ सा: तेलङ होनोर आउ कोआए मेतइ तना आद किङ सेनो: जना। हड़म दो मिद ता:रे: दुब जना आद केयद दो जारोमा बाबा कोए लेटे: केद लेटे: केदा आद किङ रुड़ा लेना। हिजु: लेनचि कुड़ि: मेतइ तना मर जुला रे ताइ लदि ताम। लादी केदचि सुनुये दुलतादा केयद लोलो जनचि केयद पिड़िंगि सा:रे दुबे केन चि:ताइ रे चेर लेकाए इइ केदा इसिन जनचिको रुल इदी जादा मोद पुरा: बइ हुंडि जनचि जोम केदा लाइ बिओ:गे मुसिङ ताइ केन चि हड़म सेता: रेगे: रुड़ा जना।

गपा तेरे दो अलङो अरा होना: केमोतो कोइञ अगुकदाए मेतइ सेता: रेगे लोयोङ सा: तेकिङ सेनो: जना बुड़िया दो मोदता: रे दुब रिका ता:इआ आद अए दो सापु: राडु:तन बाबाए होत तन जोम ताना। एनाते किङ रुड़ा जनचि बुड़िआ मरना ताइ लादी ताम: मेताइ ताना। बुड़िआ ताइ लादि केदा। हड़म पिड़िगि सआरे: दुब केनचि: पिड़िसा: (इइ) तादा ताइ रे अनादो इइ गे सोबन ताना। ओचोना ओचोना ने अरातानी ओए बेदा के:लङा न:दो होन कुड़ि लङ अउ रुड़ा: आए मेन जादा। आद गपा तेरे गे किं अउ रुड़ा किआ:।

ओड़ो: हुड़िङ दिन होबा लेनचि किं जापागार ताना ओकोए गे दिशुमे: लेल रिका लिङा इनि: गे होन कुड़ि लिङ ओमाइआ किं ओमाइआ किं मेन जादा। टिकि मियद गांडा गारुड़ा चेंड़े: अयुम नम ता: किङा। आदे मेता किङ ताना अञ गा अयङ आबा ताकिङ दिशुमेञ लेल रिका बेना एनाते गण्डागारुड़ा ता: होन कुड़ि किं गोङ किआ:।

ओड़ो: मोद अटाउरी लेका होबा लेनचि हड़म कुपुलाउ कोआ: मेने लो:ए सेनो: जना। गपा तेरे दो मंडि को जोम केद चि दोला गा आबा लङ होनोराड कोआए में ताइ ताना आद किङ सेनो: जना सेनो: जनचि मरग। अबा अजा: देआर कुदेन में: मेतइ ताना। हड़म देआ रे: कुदेन जना आद चेंड़े अपिर जना। गोटा दिशुमे: इदिबाड़ा किआ लेल केदचि किं रुड़ा लेना। एनाते गपा तेरे सेता: रेगे: रुड़ा जना।

गपा तेरे दो अकिङो दिशुम लेल किं मोने किदा। मरना बुड़िआ बरिआ हटा: किङ इदी में आद दिशुमेम लेल रिकामाए मेतइ तना। बुड़िया बरिआ हटा किङ इदी केदा आद हड़म बरन सुपु किङ रे: तोलेन जना एनाते मियद दारु रे किङ दे जनचि मरना बुड़िआ अञा: देआरे कुदेन में मेतइ तना। बुड़िआ हड़ाम: देआरे कुदा कना। हड़म अपिर कोआए मेन ला: होनङ दारुआते: कुडिल ला: दो दाड़ा दुडु तन किं उयु: जना आद गोए उतर जना। एनाते दो एन कुड़ि होन दो एन गण्डा गारुड़ा: गे: होबा जना। इनी: लो:गे जिनीद बारी किं तइन जना मजा लेका।

(हिन्दी)

दो मुर्ख बुढ़ा बुढ़ी

दो बुढ़ा बुढ़ी थे। उन दोनों की एक बेटी थी। जब वह जवान हो गयी दोनों सोच रहे हैं अब तो शादी करना चाहिये। एक दिन दोनों बात कर रहे हैं जो कोई हम लोगों को मछली खिलाएगा उसी के पास बेटी की शादी करेंगे। एक बागुला (सारस) ने इन दोनों की बाते सुन ली और बोलने लगा। माता-पिता मैं आप दोनों को मछली खिलाऊँगा। आप की बैटी मुझे दे दीजिये. उसके बाद सारस के पास बेटी को दे दिये।

दो तीन दिन जैसा होने के बाद एक दिन बुढ़ा बोल रहा है एक दिन मैं बेटी दामाद के यहाँ मेहमान हो आऊँगा और दूसरा दिन ही चला गया। अगला दिन तो सारस अपना ससुर बुढ़ा से बोल रहा है बाबा चलिये हम लोग नदी तरफ घूम कर आएंगे एक डुंटी (मछली पकड़ कर रखने के लिए बाँस हुआ टोकरी लम्बा गर्दन राला) पकड़िये। दोनों चले गए नदी के किनारे चल रहे हैं सारस अपना लम्बा चोंच से मछलियों को पानी से निकाल निकाल कर फेंक रहा है और बुढ़ा मछलियों को चुन-चुन कर डुंटि में डाल रहा है। डुंटि भर गया तो दोनों वापस घर आ गए। घर अपनी बेटी मछली भात बनाई भर पेट मन भर के खाया बुढ़ा और दूसरा दिन वापस लौट गया। और बुढ़िया से बोल रहा है चलो न बुढ़िया में दामाद से सीख कर आया हूँ नदी तरफ घूमकर आएंगे एक डुंटि पकड़ो।

दोनों चले गए नदी पहुँचते ही बुढ़ा पानी में घूस गया और मछलियों को खोज रहा है लेकिन एक भी मछली पकड़ में नहीं आयी। बुढ़ा नाक मुँह में पानी घूस गया और सरकने लगा उसके चुपचाप बुढ़ा पानी से निकल गया और दोनों घर चले गए बुढ़ा को गुस्सा और बोल रहा है अरे हमारा दामाद तो धोखा दिया अब बेटी को वापस लाएंगे दूसरा ही दिन बेटी को ले आ गया।

दूसरा दिन फिर वैसा ही दोनों बात कर रहे हैं जो हमें मुर्गी खिलाएगा उसी के पास बेटी देंगे। एक सियार शायद मुर्गियों को जोह रहा था सुन लिया और तपाक से बोला हे माता-पिता मैं आप दोनों को मुर्गी खिलाँऊगा। उसके बाद उसी के पास बेटी को शादी कर दिये।

दो दिन जैसा हुआ तो बुढ़ा को बेटी के पास जाने का मन हुआ दूसरा ही दिन चला गया। उस दिन तो शाम हो गयी थी खा पीकर सो गए। दूसरा सबेरे ही दामाद बोल रहा है चलिये बाबा गाँव तरफ घूमकर आएँगे एक बोरा पकड़

लिजिये। दोनों चले गए गाँव की ओर। सियार मुर्गियों पकड़ पकड़ कर लाते गया और बोरा में डालते गए बुढ़ा उसके दोनों घर आ गए। घर पहुँचते ही मुर्गियों को कुछ आग में पकाए कुछ सब्जी बना कर खाए मन भर और बूढ़ा वापस घर आ गया।

दूसरा दिन सबेरे बुढ़िया से बुढ़ा बोल रहा है चलो रे बुढ़िया मैं दामाद से सीख कर आया हूँ गाँव तरफ घूमकर आएँगे एक बोरा पकड़ो। दोनों गाँव तरफ चले गए जब भी बूढ़ा मुर्गियों को पकड़ने का कोशिश करता है मुर्गियाँ क्योंर क्योंर करती है और गाँव के लोग कौन है चिल्लाते हुए निकलता था। जितना बार कोशिश किया उतनाबार वैसा ही हुआ वैसा करते करते उब गए और घर वापस आ गए दोनों गुस्सा से भूत हो गए। फिर बूढ़ा बोल रहा है यह दामाद भी हम दोनों को ठग दिया अब हम बेटी को वापस लाएँगे दूसरा ही बूढ़ा चला गया और बेटी को वापस लाया।

दो चार दिन बीतने के बाद फिर दोनों बात कर रहे हैं जो कोई हम दोनों को सफेद उरद खिलाएगा तो उसी के पास बेटी को शादी करेंगे। एक खरगोश बगल में छिपा हुआ था तो दोनों की बात को सुन लिया और तुरन्त बोल रहा है हे माता-पिता मैं खिलाऊँगा सफेद उरद। तुरन्त दोनों अपनी बेटी की शादी खरगोश के पास कर दिये।

दो तीन दिन बीतने के बाद बुढ़ा दोनों के पास मेहमान चला गया। दूसरा दिन सुबह खरगोश दामाद बुढ़ा से बोल रहा है चलिये बाबा हम दोनों मैदान तरफ घूमकर आएंगे एक टोकरी पकड़िये। बुढ़ा एक टोकरी पकड़ लिया और चले नदी की ओर। बुढ़ा तो एक पेड़ के छाया में बैठ गया और खरगोश सफेद उरद खेत में घूस गया और जितना खाना है खा लिया उसके बाद घर लौट गए। घर आखर पत्नी से बोल रहा है खरगोस चलो तावा चढ़ा दो चूल्हा में तेल डाल दो खरगोश तेल गरम हो गया तो चूल्हा के बगल में बैठ गया और तावा में पखाना करते गया एक तावा भर के। पक जाने सब कोई खा गया बूढ़ा तो पेट फटने तथा खाया और वापस आ गया।

दूसरा दिन बुढ़ा बुढ़िया से बोल रहा है चलो ना बुढ़िया मैं दामाद से सीख लाया हूँ नदी तरह घूम कर आएँगे एक टोकरी लेते जाओ। बुढ़िया एक टोकरी पकड़ ली और चले गए खेत की ओर। बुढ़िया को एक पेड़ की छाया में बैठा दिया और अपने तो उरद खेत में घूस गया और सफेद उरद तोड़ रहा है खा रहा जितना खा सका और लौट गए घर। घर पहुँच कर बुढ़िया से बोल रहा है चलो

बुढ़िया दामा से सीख कर आया हूँ एक तावा चूल्हा में चढ़ा दो और तेल डाल दो बुढ़िया वैसा ही की तेल जब गरम हो गया तो बूढ़ा चूल्हा के बगल में झुक गया और तावा में पखाना करने लगा तो गंध देने लगा पखाना पखाना उसको तावा समेत फेंक दिये और बुढ़ा तो गुस्सा से कांप रहा है और बोल रहा है अरे सला ये दामाद भी धोका दे दिया अब मैं अपनी बेटी को वापस लाऊँगी दूकरा ही दिन करके बेटी का लेकर आ गया।

एक सप्ताह बीतने के बाद फिर दोनों बात कर रहे हैं जो कोई हमें धान रोटी (छिलका रोटी) खिलाएगा उसी को बेटी देंगे। एक तोता वहीं पेड़ पर बैठा हुआ था तो सुन लिया और तुरन्त बोलने लगा हे माता-पिता में खिलाऊँगा धान रोटी। उसके बाद तोता के पास दे दिये बेटी को।

दो तीन दिन बीतने के बाद बूढ़ा को बेटी दामाद के यहाँ मेहमान जाने का मन किया और चला गया। दूसरा दिन उसका दामाद तोता बोल रहा है चलिये बाबा खेत तरफ घूम कर आएँगे। दोनों चले गए बूढ़ा तो एक जगह धान में बैठा है और तोता पका हुआ धान खेत में चला गया और पका हुआ धान को छिलका हटा हटा कर खाते गया उसके बाद घर वापस आ गए घर पहुँचते ही पत्नी से कहा चूल्हा में ताई चढ़ा दो और तेल डाल दो और वैसी ही की। तोता चूल्हा का पिंडा में बैठकर छर छर विष्टा करने लगा रोटी बनती गयी एक बर्तन। सब कोई बुढ़ा का पेट तो टुन टुन हो गया रोटी से। खा पीकर बूढ़ा लौट गया।

दूसरा दिन सबेरे ही बूढ़ा बूढ़िया से बोल रहा है चलो रे बूढ़िया मैं दामाद से सीख लेकर आया हूँ खेत तरफ घूमकर आएंगे। दोनो धान खेत तरफ चले गए बूढ़िया तो पेड़ की छाया में बैठ गयी। बूढ़ा सापु राडु धान नोच रहा है खा रहा है थोड़ी देर में घर वापस लौट गए। घर आखर बूढ़ा बोल रहा है चलो बूढ़िया एक ताई चूल्हा में चढ़ा थे और तेल डाल दो। बूढ़िया ताइ चढ़ा दी और तमाशा देख रही है। बूढ़ा चुल्हा के पिंडा तरफ बैठ गया और ताई में पखाना करने लगा तो गंध दे रहा है छोड़ो छोड़ो हटो हटो बोलते हुए फेंक दिये और बोल रहा है साला ये दामाद भी हमको धोखा दिया अब हम बेटी को वापस लाएँगे दूसरी ही दिन जाकर बेटी को वापस लाया।

एक सप्ताह पंद्राह दिन बाद दोनों फिर बात कर रहे हैं जो कोई हमें देश दुनिया दिखाएगा उसी को बेटी देंगे. एक गरुढ़ पक्षी उसी जगह पेड़ पर बैठा हुआ था उसने दोनों की बात को सुन लिया और तुरन्त बोला हे माता-पिता मैं आप दोनों को देश दुनिया दिखाऊँगा उसके बाद उसी को अपनी बेटी दे दिये।

पाँच दिन एक सप्ताह बीतने के बाद बूढ़ा बोल रहा है अब तो इतना दिन हो गया सो मैं बेटी दामाद के यहाँ से मेहमान हो आऊँ और चला गया।

दूसरा दिन खाना पीना करने के बाद गरुढ़ पक्षी बोल रहा है चलिये ससुरजी हम लोग घूम कर आएँगे दोनों चले गए उसके बाद पक्षी बोल रहा है ससुरजी मेरा पीठ पर बैठिये। बूढ़ दामाद का पीठ पर बैठ गया गरुढ़ पक्षी उड़ गया ऊपर और पूरा देश दुनिया घूमा दिया। उसके बाद दोनों वापस आ गए बूढ़ा लौट गया घर।

दूसरा दिन बूढ़ा बुढ़िया से बोल रहा है चलो बुढ़िया आज तो तुमको मैं दुनिया घूमा दूंगा दामाद से सीख कर आया हूँ। बुढ़िया दो सूपों को ले गयी और बूढ़ा अपना दोनों कंधो में बांध लिया और दोनों एक पेड़ पर चढ़ गए उसके बाद बूढ़ा बूढ़िया से बोला चलो रे बूढ़िया अब तुम मेरा पर बैठ जाओ। बूढ़िया बूढ़ा का पीठ पर बैठ गई, बूढ़ा राम उड़ने के लिए ऊपर से डेग दिया और दोनों हड हुडाते गिर गए और मर गए। उसके बाद उन दोनों बेटी दामाद पति पत्नी के रूप में जिन्दगी भर रह गए। कहानी खत्म।

(मुण्डारी)

बरिया मिसिआ बारेआ किङ

बरिआ मिसिआ बारेआ किङ ताईकेना। बाउते मुसिङ दो मियद जरोम उलि: आउ लेदचि सेलरे: दो तादा आद सेनो: तन इमतङ नेकाए काजी तुकादा चि ओकोए गे नेआ उलि जोमेआ इनी: गेञ दोओइआ। नेआ काजी अयुम केदचि एंगाते मेतइ ताना सेल रेदो बाबू डो: अलोम दोओएआ। मिसिम ताको जा: जोम केरे दा इनकु चिम दोओकोआ। जाँए तायु: जेताए तायु: सोबेनेञ दो कोअ मेनते: काजी तुकाद चि: सेनो: जना गाड़ाते रेड़ान।

हुड़िङ हेड़ा रेदो टिकि आएयाते: हुड़िङ नि: मिसिते कुड़ि हिजु: लेना। सेल रे मजा लेकन उलि जरोमे: नामा कादा आद एंगाते कुलि ज:इआ ओकोए ने उलि जारोम दो दोआ कादाञ जोम केआ- एंगाते — काना ओचो अलोम जोमेअ बउम दोआ कादा ओकोए गे ने उलि जरोमे: जोमेआ इनि: गेञ दोइआ मेनते दङे: काजीआ कादा अलोम जोमेआए मेताइ ताना। मेनदो होनते कुड़ि कए पतिआ जाना ओ बाउञ गेचि: दोइञा: मेने लोओए जोम केदा।

बउते रेड़ा नाते रुड़ा लेन लोओ सेल ले: लेल ला: दो उलि जरोम दो बनोआ। एनारो एंगाते: कुलि ज:इआ अतेगा उली जरोम दो ओकोए जोम केदा मेनते। एंगाते एन कुड़िआ कए पतिआदा कजिआद तानञ इमिन रेओ ओ बाउइज गेचि: दोञाए मेन केदा अरे: जोम केदा। न:दोम दोइ गेआ चना: राआ:ए जोम केदा। एंगाते — हेला बाबू मिसिआ बारेआ का दङ बुगिआ चिलकम दोइआ। का डो: चना: रा: उलि जरोमे: जोम केदा।

एनाते एन कुड़ि होन एना काजी अयुम केदचि: निर जाना आद सिंदुरी दारु कजोड़ नाड़ी ता: ते: सेनो: जना। आद दुरङ तेगे काजी जादा:-

दुरं - दारु: में दारु: में सिंदुरी दारु
नाड़िओ में नाड़िओ में काजोड़ा नाड़ी
अञ दोञ काजी तानाञ बाकाँड़ा तानाज सिंदुरी दारु
अञ दोञ तानाञ तानाञ काजोड़ा नारी।
माड़ी माड़ी ते सिंदुरी दारु दारु जाना काजोड़ा नाड़ीओ
नाड़ी जना आद एनरे: दे: जना।

लोगोन को तोल केदा अड़दी लोगोन तेबा: जना बरतिआ को हिजु: जना अनादो कुड़ि होन दो बंगइआ एनाते पाड़ी-पाड़ी ते मिमिद होड़ो तेको सेनो: ताना रागाउ सिदा उतरते एंगाते सेनो: जना रागाउ आद दुरं तेगे रा: जाइआ:-

देला मइ देला बिंदी
अमा: अड़दी अमा: कोड़ां दी
तारा को हिजु: तारा को सेटेरा कान।

कुड़ि होनो: दुरङ तेगे काजा रुड़ाइ ताना:-

दुरं— काञा: एगङ काञा: बाउइञ ता:रे गोडेञ नातेन दो एनाते काका काकी किङ सेनो जना मेनदो एनका गे: काजी रूड़ा केदा। एनाते बाड़ाते बाड़ाते किङ मेनदो एनका गे: काजी रुड़ा। कोआ। एनका एनकाते सोबेन को चाबा जना मेनदो कए रुड़ा जना। तयोम उतारते कोड़ा गे सेनो: खींस तन लो:। आदे मेताइ ताना– दूरं– देला गतिङ देला

अमा: अड़दि अमा: कोड़ादी
तारालें हिजु तारालें सेटेरा कान

मेनदो इमिन रेओ कुड़ि होन कए हाड़ागुन जना। एनाते दो कोड़ा होन जे खींस किआ: आद सिंदुरी दारुए मा: ओद केदा काजोड़ा नाड़ीओए मा: सिद केदा आद कुड़ि होन ओड़ा: ते आउ किआ:। मोटाइ ते: अड़ंदी किआ आद इन किङ दो एटा: कुटुरी रे किङ ताइ केना निदा दो।

गपा तेरे अङ जना। मियद हुड़िङ हुड़िङ जगर इतुन तन होन अकिङा: कुटुरी सा:आए कोयो: ला: दो मयोम दो डिङ गिड़िआ कना। एन सा: ते उडुङ लेनाचि होन मेन जदा मया गा मया। एंगाते अयुम केदचि: मेतइ तना कोता रा: माया ना होला गे दङ सोबेन इली दोबु नू चबा केदा आद माया आ माया म मेन जादा। मेनदो एन होन एन सा: गे: चुंडुल तना आद एना काजी कए होका जादा। एनाते एंगाते कोरे चना:ए काजी तना मेने लोओए कोयो: ला: अकिङा कुटुरी सा: अनादो गोटा कुटुरी मयोम गे डिङ गिड़िआ कना बरन किं मापा: गोपोए जना एनाते को हासा गड़ा के किङा। एना मेनते मिसिआ बारेआ रे काको जोपोगाओ (दोपो) तना।

(हिन्दी)

दो भाई बहन

दो भाई बहन थे। बड़ा भाई एक दिन पका हुआ एक आम लाया और ओखली में रख दिया और जाते जाते यह कह दिया कि माँ जो भी मेरा पका आम खाएगा उसी को शादी करूँगा और नदी चला गया नहाने। माँ बोल रही है ओखली में तो मत रखो तुम्हारी बहन अगर खा जाएगी उसी को शादी करोगे क्या। कोई रहे किसी को नहीं छोड़ूँगा जो खाएगा उसी को शादी करूँगा। बोल दिया और नदी चला गया नहाने।

कि थोड़ी देर में उसकी छोटी बहन आयी ओखली में रखा हुआ पका आम पायी और बोल रही है माँ से कौन रख दिया है पका आम मैं खा जाऊँगी माँ बोल रही है छोड़ो छोड़ो पका आम तुम्हारा बड़ा भाई रख कर गया है और बोल दिया है कि कोई भी पका आम खाएगा उसी को शादी करूँगा मत खाओ लड़की बोल रही है - हाँ मेरा भाई ही कि शादी करेगा बोली और खा गयी।

थोड़ी देर में उसका बड़ा भाई नहाकर धोकर आया सबसे पहले ओखली देख रहा है लेकिन आम नहीं था तुरन्त माँ से पूछने लगा कि मेरा पका हुआ आम कौन खा गया? माँ बोल रही है— अरे तुम्हारी बहन ही खा गई मैंने उसे मना किया कि छोड़ो छोड़ो तुम्हारा भाई का आम है मत खाओ लेकिन नहीं मानी और खा गयी। हाँ मेरा भाई ही कि शादी करेगा बोली और खा गयी।

भाई- अब तो उसे रखूँगा ही क्यों खाई मेरा आम

माँ- नहीं बाबू भाई बहन में शादी नहीं बनता है।

भाई- क्यों खायी में उसे शादी करूँगा ही।

इन सब बातों को सुन ली और घर से भाग गई सिंदूर पेड़ और काजाल लतर के पास और बोल रही है— गाना- बड़ा हो जाओ बड़ा हो जाओ सिंदूर पेड़

लतर हो जाओ लतर हो जाओ काजल लरां
मैं बोल रही हूँ बक बक कर रही हूँ सिंदूर पेड़
मैं बोल रही हूँ बक बक कर रही हूँ काजल लारं।

धीरे सिंदूर पेड़ बढ़ गया और काजल लारं भी बढ़ गया उसमें चढ़ गयी।

लगन बाँध लिये लगन की तिथि भी पहुँच गयी बाराती आ गए परन्तु लड़की तो घर में नहीं है। उसके बाद एक एक करके पारी पारी से बुलाने आ रहे हैं और बुला रहे हैं सबसे पहले उसकी माँ चली गयी और गाना द्वारा उसको

बुला रही है।— गाना-

आओ बेटी और बिंदी
तुम्हारी शादी है तुम्हरी लगन है
कुछ लोग आए हैं कु पधारे हैं
(बेटी) लड़की भी गाना द्वारा जवाब दे रही है।
नहीं माँ नहीं जाऊँगी भाई के पास देने के लिए तो

इसी प्रकार और लोग काका, काकी, बाड़ा बाड़ी, मामा मामी सभी रिश्तेदार पारी पारी से गए परन्तु घर नहीं आयी। और वैसा ही गाना द्वारा जवाब दी सभों को। अन्त में गुस्सा से तमतमाता हुआ लड़का गया और सिंदूर पेड़ को काट दिया काजल लारं को नोच दिया और लड़की को घर लेकर आया शादी हुई जबरदस्ती रात में दोनों एक अलग कमरा में थे। दोनों एक दूसरे काट कर मार दिया। सुबह एक छोटी बच्ची आंगन में खेल रही थी। कमरा में खून भरा हुआ था। उसने उसे देखा और तोतली बोली में बोल रही है। माया गा माया मुण्डारी में खून को मयोम कहा जाता है मयोग न बोल कर माया बोल रही है और माया का अर्थ मेरा हड़िया का सीठा चीज। उसकी माँ वही पर आँगन झाड़ू कर रही थी और बोल रही है अपनी बच्ची से क्या है बेटी माया माया बोल रही हो हड़िया तो कल ही खत्तम हो गया और सीठा भी फेंक दी। फिर बी माया ही बोल रही है अरे बच्ची क्या माया माया बोल रही हैं ऐसा सोच कर उसने कमरा की ओर देखी तो दोनों खून से लथ पथ मरे पड़े हैं और कमरा तो मे खून भरा हुआ था। इसे देखकर ही बच्ची माया माया बोल रही थी। क्या करते दोनों कि क्रिया क्रम कर दिया। इसीलिए इस कठोर नियम के विरूद्ध नहीं चलना चाहिये यही कारण है कि भाई बहन के बीच शादी-विवाह नहीं होती है। और न होनी चाहिये अंत में यही परिणाम भुगतना पड़ता है।

(मुण्डारी)

हेड़ेम उड़ुः दारु माः निः

मियद होड़ो बिर ते दारु माःए सेन कन ताइकेना। अनादो होरा रेगे दाआः गामा केदा। एनताः रेगे मियद चोपलङ दिरि अएआः हाके डांडोम तेगेः तुरुब केदा अदेः सुरुआ काना।

सुरुवा कनचि हाटेकुटिः उड़ुः तना नःदो आए आए गेः जगर तना नेआ दारुञ अकिरिङ कीचि मियद चि सिमीञ किरिञआहोन को होबा जनचि संडि को दोञ अकिरिङ कोआ आद एंगा को दो हितञ दो कोआ। आद एना पएसाते मियद मेरोमिञ किरिङीआ। कासी को दोञ अकिरिङ कोआ आद पटिआ को दो हिताञ दो कोआ। ओड़ोः एना पएसाते मियद उरिञ किरिङीआ। हाड़ा को दोञ अकिरिङ कोआ आद पेटेड़ां कोदो हिताञ दो कोआ। एना पएसा ते मियद केड़ाञ किरिड़ी किरिङीआ आद वियर कोदोञ अकिङ कोआ आद नउकी दोको हिताञ दो कोआ। एना पएसा ते मियद सादोमेञ किरिङीआ संडी कोदोञ अकिरिङ कोआ आद एंगा कोदो हिताञ दो कोआ। एनाते) दोञ आड़ादी ना आद सासङ को गोसोः जञचि ओचोया अपेओ ओचोगा अपेओञ मेनेआ मेन जाद लोः हेनते नेतेः उका बाड़ा जादा अनादो बनोः चा दूके डांडोमेः उका तादा। उका लेदकि डाडोम दो वाटी जना आद डाँडोम तेः तुरुब लेद दिरि दो अयुः जना बनोः चाए रातामा गोए जना एनताः रेगे।

(हिन्दी)

मीठा कल्पना लकड़हारा

एक लकड़हारा जंगल लकड़ी काटने गया हुआ था। रास्ता ही में पानी आ गया बारिस होने लगी उसके बाद वही पर एक चेपटा नुकीला पत्थर को अपना कुल्हाड़ी का लकड़ी से टिका दिया और बैठ गया पानी से बचने के लिए।

बैठे बैठे तरह-तरह) का कल्पना में डूब गया और अपने आप में बाते करने लगा। इस लकड़ी को बेचकर एक मुर्गी खरीदूँगा मुर्गियों को तो बिहिन रखूँगा और मुर्गो को बेच दूँगा। उस पैसा से एक बकरी खरीदूँगा और खस्सी को तो बेचने जाऊँगा और बकरियों को बिहिन रखूँगा। उस पैसा से बैल खरीदूँगा। बैलों को तो बेचूँगा और गाय को बिहिन रखूँगा। इस पएसा से एक काड़ा खरीदूँगा। काड़ा होगा उसको बेचूँगा आर काड़ी को बिहिन रखूँगा। उस पैसा से एक घोड़ा खरीदूँगा घोड़ों को तो बेच दूँगा और घोड़ी को बिहिन रखूँगा। उसके बाद शादी करूँगा और जब मुझे हल्दी लगाने लगेंगे तो घोड़िये माँ छोड़िये माँ (सास माँ) आप लोग भी बोलेंगे बोलते हुए अपना दोनों हाथों को आगे पीछे कर रहा तो उसका केहूनी से कुल्हाड़ी में धक्का लगा कुलहाड़ी का लकड़ी गिर गया और पत्थर से दब गया और वह मर गया।

(मुण्डारी)

लंडिया लीटा

मियद राजा: ए'आ कोड़ा होन को ताइकेना। ए'आ कोड़ा होन कोरे हुड़िङ उतरनी: बेहेसिब लंडियाए ताइकेना। जान कामी को अचुइआ जेतना: को आचुइआ कएआ: तन ताइकेना। अपुते इनि: लेल ले ते: असादी जना।

मुसिङ रेआ: काजि न:दो ए'आ हगेआ गँड़ाते रेड़ान को सेन केना। अको हिजु: सिदारे गे अपुते दुवारे: ओल तादा चि लिटा कोड़ा तिसिङते जा:ते जेताते गे: सेनो: का। लिटा कोड़ा हिजु: तन लोओगे दुवारे: लेलला: दो अनका ओला काना। ओड़ाओ कए बोलो केना आद देआ तेगे: उसाररूड़ान जना। आदे: सेनो: तन चि एंगाते पुरा: गे बिलिका किआ: एनाते मोद पुइला टाकाए इदी केदचि: कुदाओ किआ:। होरा रे: कुदाओ तेबा: लि:चि ने: बाबू ने: नेआ इदि जमे: मेतइ तना। लिटा कोड़ा मोद पुइला टाकाए इदी केदा आदे: सेनो: जना।

सेनो: तन सेनो: लो: दो मियद हातुए नम केदा। एन हातु रे होरा रेंगे मियद सेता गोइ मेनते को उड्डुङ ता: इआ। इनि: लेल कि: चि: कुलि जा: कोआ। हेला हले नी: दोपे चिका ञ:इआ? काले गोए जा:इआ दङ चना: रा:पे गोए ज:इयाए मेता को तना जाँए जेताए गे हुआ: जा: कोआ एनाते दङ ले गोए ज:इआले दङ को मेतइ तना। अलोपे गोइआ दे अञ हुङि लेका टाकञ ओमापे तना अञ ओमञ पे: मेताको ताना। आद हुड़िङ लेका टकाए ओमा कोआ अरे: इदी किआ: एनाते दो किं बरहोड़ो जना।

एनाते दो ओड़ो: मियद हातु किङ तेबा: केदा। एनरे मियद पुसी को उड्डुङ ता:इआ गोई मेनते। इनि: लेल कि:चि ओड़ोए कुलि ज:कोआ सिदा लेकागे का गोइ नि: दङ: को मेन जादा ओड़ो: इनिओए किरिङ किआ:। एनाते को अपिहोड़ो जना।

सेनो: तन को जगर इदी तना हुड़िङ संगिन को सेन ला: दो ओड़ो: मियद हातु को नम केदा। एन हातु रेओ: मियद बिङ को उङइता: गोए मेनते एनाते कुलि ञा: कोआ चना: रा: पे गोए ज: इआमेनते का जाएँ जेताए गे दङे: हुआ: जा: कोआ एनाते ले गोइ जा:इआ को मेतइ तना हों हों अलोपे गोइआ ने अञ हुड़िङ लेका टाकाञ ओमापे तना अञ ओमञ पे: मेता कोआ आदे: इदी किआ:। एनाते को अपुन होड़ो जना। एंनता रेगे को अयुब जना मियद गुयु के

बइ केदा आद को तइन जना लिटा कोड़ा दो जनाओ बिरते सेंदेरा ए सेनो: तन तइकेना ञको मंडी उतु जद तइकेना। मर हाइ मंडि ताड़ोप: मेता कोआ अदे: सेनोआ हे दादा को मेताइआ अदे सेनो:आ।

हुड़िङ दिन होबा लेनचि न:दो मुसिङ बिङए मेन जादा अम दादा मुसिङ लेका एयङ आबा तको ता: लङ कुपुलाउ कोआ: लिटा कोड़ा मेन रुड़ाइ तना काजिआ अञ दोको जोमिञा:। का दादा काको जोम माए मेता:इआ आद किं सेनो: जना।

गड़ा ता: किं तेबा: ला: दो गाड़ा पेरेआ कना। न:दो बिङ मेन जादा अम दादा अम दो नेता: रेगे तइन में तलाङेञ सेन कोआ:। हे मरे: मेता:इआ बिङ गाड़ा रे: बोलो जना। ओड़ाए तेबा ला: दो एंगाते अपुते ताको लेले लिचको रासिका ताना आद को कुलि ज:इआ चि बाबू कोता: रेम ताइकेना? अले दोए गोए जना जा: ले मेन जादा एनाते बिङ सोबेनाए उदुबा को तना। मियद मनोवा होन दङ गा बनचाओ ता:इआ। इनि: दोड़ो: कोता: रेम बगे किआए मेतइ तना एंगाते कागा हनता: रेगेञ बागे ताइआ गड़ा जपा:रे पे जोम ताइगेअ मेनते। एंगाते एनलो:गे जू जू अउ ली मे चना: रा: ले जोमीआ अमा: जी: बनचाओ तादाए मेतइ ताना।

एनाते बिङ सेनो: जना बउते लेल की:चि चिआ चिलकाए मेतइ तना। का दादा अउ लीमे जू कले जोमिआ को मेन जादा दङा। दोलङ सेनाउ कोआए मेतइ ताना। अम दादा मियद काजीम काजीउम तना अम एन लेकागे रिकाए:मे: मेतइ तना। अलङ ओड़ा: तेबा: किचिकाटाको अबुङ लङा इमतङ अम काटा अलोम अबुङ ना हटिमे आद एंगाञ कुलिमा चना: बाबुम हटि ताना मर कजीमे ओकोआम नामा एना गेञ ओमामाए मेतामा इमतङकाजीने एयंगा अमा: होड़ोमो रा: हीरा मनी दङेञ हटि तना ओ मञ रेदोञ अपुङ ना आद कारे दोञ सेनो: रुड़ा:ए मेतर तना। आद किं सेनो: जना। ओड़ा : किङ तेबा: केदा। एंगाते एल लो:गे लोटाते दा: आद ताड़ाए उडुङ ला आद देला बाबू आबुङ कोओ बेने: मेता किङ तना। मेनदो लिटा कोड़ा काएआ ताना। एंगाते कुला ज:इआ चना: रा: कम अबुङे न ताना अले दो चिमिलो रासिका ताना बेन हिजु:आ काना मेनते। मर काजि में ओकोआम नामा एनागेञ ओमामाए मेतइ तना। एनते दो लिटा कोड़ाए काजी केदा लिदा चिलकाए बुजाओ त:इआ एनकागे. का एयङ अमा: होड़ोमो रे मेना: हीरामनी दङेञ नम ताना एनम ओमञ रेदोञ अबुङ ना आद का रेदो कागे गे: मेतइ तना। नेअ काजी अयुम केदचि हे मर देला

अपुङेन में चना: रा: कञ ओमामा एनम हाँड़ा तानाए मेतइ ताना। एनाते कटाए अपुङ के: किङा कूब माइन फाइन होबा जना। गापा तेरे अङ जनचि न:दोगा लिङ ऐनागाए मेतइ ताना। – एनाते एंगाते मेतइतना का बाबू नी दो ने रेगे: तइन का मरेम बनचाओ त:इआ ने नेअञ ओमम ताना नेआ तेगे अमा: ओड़ा दुवर बाबा चउली, टाका सिका सोबेना: होबाओआ एनाते हीराए ओमा:इआ आद गड़ा ता: तेको उडुङ तुका:इआ।

सेता आद पुसी दो होरा गे किङ लेल दरोम ताना। हुड़िङ कोन रेदोए तेबा: ला:। सेता आद पुसि कुब किं रासिका ताना। एनाते दो एना मुदम एनाता: रेको दो केदा आद सिङबोंगा को अर्जी किआ: हे भोगोमान तोते नेता सोबेना: होबाओ का ओड़ा: दुअर बाबा चउली टाका सिका सिम सुकुरी। एन लो: गे गड़ागुडु तन सोबेना: होबा जना। आद मजा लेका को तइन जना।

हुड़िङ दिन होबा लेनचि राजा होन मेता किङ ताना अबेन ताबु अञ दोञ लड़ाइआउ कोआ: अबेन ताइ ताड़ बेन। एनाते मियद तुडुंसी: रोआ तुकादा आद मियद लोटा रे तोबाए दो तुकादा ओको हुलङ तुंडुंसी गोसोआ आद लोटा रा: तोवा मोयमोआ: एन हुलङ मेने बेन बउञ गोए जना आए दांडा ते सेनो: बेन। हे मर किं मेता:इआ अदे: सेनो:जना लड़ाई ते ए'मा (सात दिन) निदा आद सिंगि को लड़ाई जना बनो: लड़ाई लड़ाई ते: गाए जना। एनलो:गे रोवा तुकद तुंडुंसी गोसो जना आद लोटा रा: तोवा मयोम जना। सेता आद पुसी किं लेल लेद चिकिं मेन जादा हेला लोटा रा: तोवा मयोम जना तुंडुंसीओ गोसो जना जरुडू दादा दोए गोए जना। दोलङ न: दो दाँड़ाउ तेलङ। किङ मेन केदा आद मंडि को किं जोम केदचि किं सम्पोड़ोन जना। एनाते एन मुदामो किं सब केदा आद किं सेनो: जना।

गोटा सिंगि किं सेन केदा मिद ता: रे किं अयुब जना न:दो मंडि रेगे: जा: किङा। आद कोता:रे मंडि लङ नमेआ किं मेन जादा। टिकि मियद हातु रेको अड़ादी ताना। पुसि गे तकिं सेंड़ा दोए उडुङेया। अम दादा नेता: रे मंडि लङ बोसाओआए मेतइ तना। एनाते एनता: रेगे किं दुब जना आद किं तांगी ताना मंडि उतु को तेयार जाना आद मंडि जोम को सम्पोड़ोन तना। एनाते पुसि मेतइ तना अम दादा मंडि जोम को दुबा आद उतु को को होपोरा कोआ टिकि इमतङ गे तलङ हाओ, हाओ इदीमे आद अञ कुदाओञ में आद अञ मंडि ते गेञ निरेआ टिकि मंडि को गिड़िआ आद लङ जोमेआ बीओ: गे। सेता हे मरे मेन केदा। सिदा कनाजी लेकागे मंडि उतु को को होपोर ले: कोआ सेता हाओ

हाओ इदी जलो: पुसि: कुदाओअ क: इआ पुसि मंडि मंडि तेगे: मिर केदा। सोबेन मंडि उतु जिलु को कलु: कलु: को गिड़ि केदा। आद को एरङ तना हटि कुटि ना कुला रचाइ सेटा कोता:ते: हिजु: लेना मेन मेन।

सेता आद पुसी बिओ: गेकिङ जोम केदा जिलु मंडि आद एनता: रेगे किङ गिति: अङ केन चि किं सेनो: जना सेता: दो अयर ते।

मिद ता: रे मियद गड़ा किं नम केदा सेता न: दो मेन जादा दे अञ मोसा मुंदामेञ सब लेआ। पुसि कएआ दाद अम डोम अद तागे अञगे सबेआ। मेनदो सेता कएपतिआ ताना अदे: ओमाइ:आ। गाड़ा रेकिं बोलो जना डोण्डो सेता मुदम दो च:लोम रे: गुतु तादा बनो: चा दा: तला रे दो च:लोम दो सोजे जना आद मुदम दो उयु: जना। गड़ा किं परोम ला: च:लोमे: लेल ला: यो मुदम दो बनो: हेला मुदम दो गड़ा रे उयु: जनाए मेतइ ताना। पुसि चिआ डोओञ काजी ले:मा दङ कम पतिआ दा।

एनाते पुसि गे ओड़ो सेंड़ा दो उडुङेआ। मिय दा: तेताए सब किआ: आद अञ अमेञ जोम माए मेतइ तना। दा: तेता मेन जादा हों हों अलोम जोमिआ ओकोआ गे नमा एना गेञ ओमामाए मेंन जादा। आद सेकेड़ा ने गड़ारेन सोबेन हाइ को सब उडुङ कोमे: मेतइ तना। एन लोओगे मियद मियद ते सोबेन हइ कोए उडुङ जा: कोआ मियद उद तद ताइकेना बिजिर लेकाए लेलो: तना इनि: लेल कींचि हों हों होका तकामे: मेतइ तना। एन हाइ को हद किआ: आद लाई रा: हीरा मुदम को उडुङ केदा। एनाते मर ओड़ो: निकु गड़ारे चडु रूड़ा तकोमे: मेतइ तना। आद किं सेनो जाना।

मिद ता: रे काटेआ को अड़दी तना। पुसि बोंरा कनी: गे सब किआ: हो हों नीदो का एटा: को बति: जोम बदला कोम को मेतइ तना। अञ दो नी गेञ जोमिआ मजाए ससङ सुनुमा कनाए मेन जदा। अम ओकोआम नामा एना गेले ओमाआ नी दो अलोम जोमीआ को मेतइ तना। जू सेनो: पे आद राजा कोआ: बन्दुकु को जिकि तुका पे मेता: कोआ। कटेआ को सेनो: जना आद राजा कोआ: बन्दुकु को को जिकि तुकादा एनाते सोबेन हेन्ता: नेता: गंडुइ जना।

एनाते अयर ते किं सेनो जना। मियद टङ टङ पिड़ि रे किं नम त:इआ एता:को कांडा त:इआ। एनाते एन मुदम तेकिङ जुटिद लिया: दोए जीद रुड़ाजना आद हायना नमि नङेञ दुडुम जनाए में जादा। सोबे ना: किं उदुबा:इआ मुदम का दो ला: एनता: रेगे ओड़ा दुवर बई जना आद मजा लेका को तइन जना।

(हिन्दी)

सुसती लिटा

एक राजा के सात बेटे थे। सातों बेटों में सबसे छोटा लीटा बहुत कोढ़िया (सुसती) था। कुछ भी करवाते थे तो कोई काम नहीं लगता था। उसको बाप ऐसा हरकतों को देख कर ऊब गया।

एक दिन की बात है सातो भाई नदी नहाने के लिए चले गए और घर आने के पहले उसका बाप दरवाजे पर लिख दिया कि छोटा बेटा (लीटा) आज के बाद कहीं चला जाए। लिटा घर आते ही दरवाजे पर लिखा हुआ देखा तो वैसा लिखा हुआ है। घर भी नहीं घूसा और उल्टे पाँव लौट गया और चला गया। उसकी माँ को दया आ गयी और एक पइला सिक्का (रुपये) लेकर उसके पीछे दौड़ी कुछ दूर जाने पर रास्ता में पायी और बोल रही है बाबू इसे लेते जाओ और दे दी। लिटा एक पइला सिक्का लेकर चला गया। चलते चलते रास्ता में गाँव मिला वहाँ पर रास्ता ही में एक कुत्ता को मारने के लिए निकाला है उसे देखकर पूछ ए भाई इसको तुम लोग क्या कर रहे हो? लोग बोल रहे हैं ऐ भाई इसको हम मार डालेंगे। लिटा क्यों मार रहे हैं। लोग- जिसको तिसको काट रहा है इसलिए मार रहे हैं। लिटा- नहीं नहीं मत मारो मैं कुछ रुपये दे दूँगा मुझे दे दो और कुछ रुपये दे दिया और कुत्ता को लेकर चला गया। उसके बाद तो वे दो हो गए। और चले आगे।

थोड़ी दूर जाने पर और गाँव मिला। वहां पर भी बीच रास्ता में एक बिल्ली को मारने के लिए निकाले हैं। उसे देखकर कि पूछ रहा है अरे भाई इसे तुम लोग क्या कर रहे हो? लोग- अरे हम इसे मार रहे हैं। लिटा क्यों मार रहे हो- इसका उसका सब्जी मांस मछली रोज खा जाता है। इसलिए मार रहे हैं। लो लो मत मारो में कुछ रुपया देता हूँ मुझे दे दो। उसको भी ख़रीद लिया उसके बाद वे तीन हो गए। जाते हुए बात करे जा रहे हैं तीनों थोड़ी दूर जाने पर तो एक गाँव मिला। वहाँ पर भी एक सांप को मारने के लिए निकाले हैं। फिर पूछ रहा है क्यों भाई इसे क्यों मार रहे हो? लोग बोल रहे हैं- अरे भाई रोज किसी न किसी को काट रहा है इस लिए मार रहे हैं। नहीं नहीं मत मारो मैं कुछ रुपये दे देता हूँ मुझे दे दो उसके बाद कुछ रुपये देकर उसको भी खरीद लिया। उसके बाद वे चार हो गए। वही पर शाम हो गयी एक झोपड़ी बना कर रहने लगे। लिंटा तो रोज शिकार करने जंगल जाता था।

वे तीनों खाना बनाते थे और बोल देता चलो भाई तुम खाना बनाते रहो वे हाँ दादा बोल देते और लिटा चला जाता था।

कुछ दिन बीत जाने के बाद एक दिन अब साँप लिटा से साँप बोल रहा है ए भाई एक दिन हम लोग माँ बाप के याहाँ मेहमान जा लेंगे। लिटा बोल रहा है नहीं कि जी मुझको तो खा जाएँगे। साँप नहीं भैया खाएँगे बोल रहा है और दोनों चले गए।

नदी के पास पहुँच गए तो नदी भरी हुई थी। उसके बाद साँप नदी में घूस गया घर पहुँचा तो उसके माता पिता उसे देखर बहुत खुश हो गए और पूछ रहे हैं क्या बाबू तूम कहाँ पर था हमलोग मर गया सोच रहे थे? उसके बाद साँप सारी बातें बता दी एक मनुष्य ने मुझे बचाया है। वे पूछ रहे हैं वह तो कहाँ पर है तब? साँप-माँ उसको तो बाहर ही छोड़ आया हूँ तुम लोग खा जाओगे? उसकी माँ बोल रही है अरे कोयं खाएँगे जाओ बेटा उसको घर ले आओ तुम्हारी जान बचाई है भला हम क्यों खाएँगे। उसके बाद चला गया उसको लाने बड़ा भाई उसे देख कर पूछ रहा है कैसा भाई तब माँ बाप ठीक है? साँप हाँ भाईया जाओ उसे लेकर आओ हम उसे क्यों खाएँगे तुम्हारी जान जो बचाई है। चलिये अब बोल रहा है और जाते जाते रास्ता में ही उसको समझा दिया कि मैं जैसा बोल रहा हूँ वैसा ही करो हम दोनों घर पहुँचेंगे न तो हम दोनों को पैर धोएंगे पर आप मत धोहियेगा हट करो और मेरी माँ पूछेगी न कि क्या बाबू क्या चाहते हो और हट कर रहे हो जो बोलो जो माँगोगे में उसे दूँगी उसी समय तुम बोलो किहे माता पिता मैं आप के शरीर में मौजूद हीरा मणि दीजियेगा तो पैर धोऊँगा अन्यथा मैं लौट जाऊँगा। लिटा हाँ बोल दिया और चले गए पर। घर पहुँचते ही उसकी माँ लोटा में पानी और थाली पैर धुलाने के लिए निकाल रही है और बोल रही है आओ बाबू पैर धो लो लेकिन लिटा नहीं धो रहा है उसके बाद उसका माँ पूछ रही है क्यों नहीं धो रहे हो पैर हमलोग तो कितना खुश हो रहे हैं तुम आए हो इसलिए चलो बोला क्या चाहिये? जो चाहोगे उसे ही मैं तुम्हें दूँगी उसके बाद तो लिटा बोल दिया पहले कैसा समझा दिया था वैसा ही माँ मैं तो आपके शरीर में है उस हीरा मणि को मांग रहा हूँ उसे दीजियेगा तो पैर धोऊँगा नहीं तो नहीं। ऐसी बात सुन करके तो उसकी माँ कुछ देर चुप गयी लेकिन बाद में हीँ दे दूँगी उसके लिए रूठ रहे हो उशके बाद पैर धोई खूब सेवा सत्कार हुआ और दूसरा दिन तो सुबह में ही अब तो माता-पिता हम दोनों लौट जाएँगे बोल रहा है। माँ- नहीं बाबू यह तो यही रहेगा तुमने बचा लिया है लो

इसे मैं दे रही हूँ इसी से तुम्हारा घर द्वारा रूपयै पैसा धन दौलत सब मिल जाएगा बोली और उसको नदी तक बाहर निकाल कर बिदा कर दिया।

कुत्ता और बिल्ली तो रास्ता ही से इन्तजार कर रहे हैं थोड़ी देर में तो पहुँच गया। कुत्ता और बिल्ली बहुत खुश हो रहे हैं। उसके बाद तो उस हीरा की अंगूठी को वही पर रख दिया और ईश्वर से प्रार्थना कर हे ईश्वर यही पर घर द्वार बन रुपये पैसा धन दौलत सब आ जाए बोलते हुए रख दिया तुरन्त हड़ हुड़ाते हुए एक महल बन गया धन दौलत भर रुपये पैसा धन दौलत बैल बकरी सब आ गए।

कुछ दिन बीतने के बाद राजा (लिटा) बोल रहा है ए भाईयों मैं तो लड़ाई करने जा रहा हूँ तुम दोनों रहते रहो एक तुलसी का पौधा रोप दिया और लोटा में दूध रख दिया हूँ जिस दिन तुलसी का पौधा मुरझा जाएगा और लोटा का दूध खून में बदल जाएगा उस दिन तुम दोनों समझ लो कि हमारा भाई मर गया और खोजने निकल जाओ। इतना कह कर चला गया लड़ाई के मैदान में दिन और रात लड़ाई चली लड़ते लड़ते वही पर मर गया। तुरन्त रोपा हुआ तुलसी मुर्झा गया और लोटा का दूध खून हो गया कुत्ता और बिल्ली उसे देखते ही बोल रहा है अरे तुलसी मुर्झा गया और लोटा का दूध भी खून हो गया जरुर मरा गया होगा चलो हम दोनों खोजने जाते हैं। दोनों तैयार हो गए खाना पीना खा लिये उस हीरा की अंगूठी को भी उठा लिये और चल दिये।

दिन भर चलते गए दोनों और शाम हो गयी एक जगह और बोल रहे हैं कहाँ से खाना पीना पाएंगे। ठीक एक गाँव में उसी जगह शादी हो रही थी। बिल्ली ही बुद्धि तो लगाती है अरे दादा यहाँ पर हम दोनों को खाना मिल सकता है उसके बाद वही पर बैठ गए थोड़ी में खाना सब्जी (मांस भात) तैयार हो गया। खाने की तैयारी चल रही थी तभी बिल्ली बोली देखो मैं जैसा बोलूँगी वैसा करो। मांस भात जब परोस देंगे तो तुम मुझे हाउ हाउ करते हुए दौड़ाओ और पतल के ऊपर से ही दौलूंगी।

पहले तय किया हुआ योजना के अनुसार ही भात और मांस जब परोस दिया गया तो हाउ हाउ करते हुए बिल्गी को दौड़ाने लगे और सभों का भात को खूंदते हुए दौड़ने लगी। सभी ने भात मां सब पत्तल के पत्तल फेंक दिया दोनों दोनों कुत्ता बिल्ली भर पेट खा लिये और सो गए सुबह उठ कर आगे चल गए रास्ते एक जगह नदी मिली। अब कुत्ता बोल रहा है लाओ अंगूठी मैं एक बार पकड़ता हूँ तुम तो तभी से पकड़ी हो। बिल्ली बोल रही है नहीं मैं ही पकडूँगी

तुम खो दोगे तो परन्तु नहीं माना और दे दी नदी में घूस गए दोनों कुत्ता ने तो अपना अँगूठी को अपना पूँछ में डाल दिया। नदी में घूसते ही कुत्ता का पूँछ तो सीधा हो गया और अंगूठी पानी में गिर गयी नदी पार आकर देखते हैं अंगूठी नहीं थी उसके बाद पुन: बिल्ली ही बुद्धि निकालती है एक पानी में रहने वाली जीव (गोल गोल काला काला पानी के ऊपर एक साथ तैरती है को पकड़ लेती है और लो मैं तु खा जाऊँगी। रहिये रहिये मत खाइये जो बोलियेगा वही करूँगी। बिल्ली बोली ठीक है जाओ नदी में मछलिया है सब को पकड़ कर निकालो। छोटी जीव पानी में घूस गयी और नदीं की मछलियों को पकड़ पकड़ कर बाहर फेंक रही है। एक मछली अंगूठी को खाई हुई और उसका पेट में चमक रहा था उसे देखते ही रुको रुको बस करो। एक मछली का पेट काट लिये जिसने अंगूठी निगली थी। उसके बाद पुन: सभी मछलियाँ को पानी डालने का आदेश दी। छोटी जीव सभी मछलियों फिर से पानी में डाल दी और दोनों चले गए।

एक जगह चूहे शादी कर रहे थे। बिल्ली दुल्हा बना चूहा ही को पकड़ ली तुरन्त बाकी चूहे बोल रहे हैं रहो रहो इसको तो मत खाओ बदले में हम लोगों मे से किसी को खा जाना बिल्ली मैं तो इसी को खाऊँगी कितना अच्छा तेल हल्दी लगाया है नहीं नहीं जो माँगो गी सो देंगे पर इसको मत खाओ। बिल्ली बोली- जाओ चले जाओ और राजाओं का बन्दुको को पूछी तरह से रागड़ दो (पखाना रास्ता से रगड़ने से बन्दुक टुकड़ टुकड़े हो जाते हैं चूहे चले गए और राजाओं का बन्दुकों को रागड़ पूछी रास्ता से उसके बाद सभी बन्दुक टुकड़े टुकड़े हो गए।

उसके बाद आगे चले गए दोनों एक विरान मैदान में पाया राजा को सात टुकड़ों में काट दिया था। उसके बाद उसी अंगूठी से स्पर्श कर दिया राजा जी उठा वही पर महल तुरन्त खड़ा हो गया धन दौलत रुपये पैसे बैल बकरी सब आ गए उसके बाद सभी खुशी खुशी रहने लगे।

(मुण्डारी)

मियद तुयु आद को: किङ सपाकी ला:

मुसिङ हुलङ न:दो लोयोङ सा:ते किङ: सेनो जना मोद पुरा चुटु को किं ऊर हुंडी के कोआ। एना ते दो किं उडु: तना: चिल का लङ जोम कोआ मेनते। इसिन लेकोआते लङ जोम कोआ किं मेन जादा। एनाते मोद होड़ो सेंगेल लङ अउ कोआ किं मेन केदा एनाते को: सेनो: जना सेंगेल आसि हातु सा:ते। तुयुए काजी तुका:इआ अलोम हाइ जोम कोआ मेनते। तुयु नते को: सेनो: जनचि सोबेन चुटु कोए जोम चबा के: कोआ आद चा:लोम कोदो ओते रा: साड़ा कोरे: गुतु तादा।

हुड़िङ हेड़ा रेदो को: सेगेले: अउला: आद मर हाइ न:दो लङ रापा: कोआ कुरी को चुटु कोए मेतइ ताना। एनाते तुयु च:चोम कोए उदुबइ ताना हेला सकिङ ने: नेरे कोरे दङ को बोलो जना। को: मेन जादा- हेला अम जा:आम जोम के: कोआ। तुयु- एनका अलोम कजीआ कारे अमोइञ जोम मा मेतइ तन लोओ दो को:ए उद किआ। आद अयरते: सेनो: जना। अयर रे मियद मेरोम गुपि होने: नम त:इआ। होन तुयु: लेल ली: चि: कुलि जा:इआ कोतेम तानाआ सिडु पाण्डेआ तुयु एनका अलोम कजीआ कारे अमोञ जोम मा। होन— चिमिन लेकाए आम जोम ता: कोआ? तुयु — मिय तुम्बा चुटु कबा: कोबो: को: एनका काजी जद लो: दो सोबेन मेरोम कोए ऊद के कोआ आद अयर ते: सेनो: जना।

अयर रे मियद उरि: गुपि होने: नम किआ:। उरि: गुपि होन तुयुए कुली ज:इआ। कोतेम तानाआ सिडु पाण्डेआ? तुयु — एनका अलोम काजीआ कारे सोबेन उरि: कोञ जोम कोआ उरि: गुपि होन— चिमिन लेका एआम जोम ता: कोआ? तुयु — मिद तुम्बा चुडु कबा: कोबो: को: रेंके रेड़े: मेरोम एनका काजी जलो: सोबेन उरि: कोए जोम के: कोआ आद अयर ते: सेनो: जना। मियद ता: रे केड़ा गुपि नि: नम इनिआ सिदा लेकागे तुयुए कुलि ज:इआ कोतेम तानाआ सिड़ पाण्डिआ? तुयु— एनका अलोम कजीआ। कारे अमोञ जोम मा। उरिगुपि नि:- चिमिन लेकाए या जोम ता: कोआ। तुयु— मिद तुम्बा चुटु कबा: कोबो: को रेंके रेड़े: मेरोम तरल तरल उरि: मेन जलो: दो सोबेम केड़ा कोए जोम के कोआ। अयर ते: सेनो: जना।

मित ता:रे मियद सदोम गुपि नि: नम किआ: इनिओ एनका गे कुलि ज:इआ- तुयु- एनका अलोम कजीआ कारे अमा: सदोमोञ जोमीआ। गुपि नि:

चिमिन लेकाएम जोम ता: कोआ? तुयु- मिद तुम्बा चुटु कबा: कोबो को: रेंके रेड़े: मोरो म तरल तरल उरि: राकड़ा बडङ केड़ा एन लो: सदोमें: ऊद किआ: आद अयर ते सेनो: जना मियद चिगुड़ी गो: हड़ामे: नम ता:इआ। इनिओए कुलि ज:इआ कोतेम तानाएआ सिडु पाण्डे? अम एनका अलोम कजीआ कारे:ञ ऊद माए मेतइ तना। चिमिनङाम ऊद ता: कोओए मेतइ तना- तुयु मेंन जादा- मिद तुम्बा चुटु रेंके रेड़े: मेरोम तरल तरल उरि: रकड़ा बड़ङ केड़ा पूर पूर सयोम। एनाते चिगुड़ी गो: हड़म चिगुड़ी: सिदुब तादा आदे: मेतइ ताना मर हइ नेआ चिगुड़ीन कुड़िल पारोमकेरे दो उदीञ में कारे दो का। तुयु हे मरे: मेन केदा आद चिगुड़ी: कुड़िल परोम तन तइकेना अनादो चिगुड़ी ते ताला लाइ रेगे: बोका जना आद कए परोम दड़ियादा लाइ पुसि: जनचि चुटु दो मेरोम दो उरि: दो केड़ा दो सदोम दोको अपन अपन को निर ताना। सोबेने: ऊद हुंडि ले: कोआ। एनाते एन होड़ो जा: कए बनचाओ के कोरे दो होनङ ओड़ो चिमिने: ऊद के: कोआ।

(हिन्दी)

सियार और बगुला

एक सियार और बगुला सहिया जोड़ाए थे। एक दिन दोनों नदी के ओर घूमने चले गए। और ढेर सारे चुटिया पकड़ लिये। उसके बाद दोनों सोच रहे हैं इन चुटिया को पका करके ही खाया जाए। ऐसा बात करके बगुला आग माँगने गाँव की ओर चला गया और सियार से बोल कर चला गया तुम मेरे जाने के बाद चुटियाओं खा मत जाना और चला गया। इधर सियार बगुला के जाते ही सभी चूहों को खा गया। बगुला आग लेकर आ गया और बोल रहा है चलो सहिया अब चुटिया कहाँ है पकाएँगे सियार तुरन्त बोला- अरे सहिया देखो न (जमीन का फटा हुआ को दिखाते हुए) सभी चूहे तो इसमें घूस गए। किसको पकाएँगे बगुला- कहीं तुम ही तो नहीं खा गया इतना कहते ही उसको भी निगल गया और आगे चला गया। एक जगह बकरी चराने वाला बच्चा से भेंट हो गयी। बकरी चराने वाला बच्चा सियार को देख कर बोल रहा है अरे सिडु पाण्डेया कहाँ जा रहे है। सियार - वैसा मत बोलो नहीं तो तुमको भी खा जाऊँगा। बच्चा कितना खाए हो? तब तक सब बकरियों को खा गया। और आगे चला गया। एक बैल चराने वाला से भेंट हो गयी वह भी वैसा ही बोल रहा है कहाँ जा रहे हो वे सिडु पाण्डे? सियार - वैसा मत बोलो नहीं तो तुम्हारा बैलों को खा जाऊँगा बच्चा कितना खाए हो जी? सियार एक तुम्बा चुटिया काबा कोबो बगुला रेंके रेड़े: बकरी इतना बोलते ही सभी बैलों को खा गया। और आगे चला गया रास्ते में एक काड़ा चराने वाला को पाया। काड़ा चराने वाला से पूछ रहा है कहाँ जा रहे वे सिडु पाण्डेय सियार- वैसा मत बोलो नहीं तो तुम्हारा सभी काड़ा को खा जाऊँगा। काड़ा चराने वाला- कितना खाए हो बै।

सियार- एक तुम्बा चुटिया, काबा: कोबो: बगुला रेंके रेड़े बकरी, सफेद सफेद बैल इतना बोलते हैं सभी काड़ा को खा गया और आगे चला गया रास्ते में एक घोड़ा चराने वाला से मुलाकात हो गयी। घोड़ा वाला भी सियार से पूछ रहा है- कहाँ जा रहे होबे सिडु पण्डिया? सियार - वैसा मत बोलो नहीं तुम्हारा धोड़ा को खा जाऊँगा गोड़ा चराने वाला- कितना खाए हो वे? सियार- एक तुम्बा चुटिया, काबा: कोबो: बगुला रेंके रेड़े: बकरी, सफेद सफेद बैल रकड़ा बड़ाङ काड़ा पुर पुर घोड़ा और आगे घोड़ों को भी खा गया। फिर आगे चला

गया। रास्ते एक झाड़ी काटने वाला डांग ढोने वाला से भेट हो गयी। सिचार को देख कर बूढ़ा भी उसे पूछने लगा- कहाँ जा रहे बे सिड्डु पण्डिया? सियार- वैसा मत बोलो नहीं तो तुम्हें भी खा जाऊँगा। झाड़ी काटने कितना खाए हो बे? सिचार- एक तुम्बा चुटिया काबा: कोबो: बगुल, रेंके रेड़े: बकरी, सफेद सफेद बैल, रकाड़ा बाड़ाङ काड़ा, पुर पुर घोड़ा। बूढ़ा झाड़ी काटने जा रहा था। (एक लम्बा लकड़ी भी लेजा रहा था जिसमें बाधकर झाड़ी लाता) और बोला ठीक है मेरा लकड़ी को रास्ता के बीच में सीधा खड़ा करता हूँ यदि तुम इस कूद कर पार करोगे तो मुझे खा जाओ सियार ठीक है बोला और जोर लगा के कूदा लेकिन पार नहीं कर पाया और नुकीला लकड़ी के बीच में गिर गया और पेट भोक गया उसके बाद सभी चुटिया, बगुला, बकरी, बैल, काड़ा, घोड़ा सब अपना अपना भागने लगा और एक मनुष्य के शुभ कार्य के कारण सभी की जान बच गयी।

(मुण्डारी)

सिलिब रानी

मियद राजा: ए'अ कोड़ा होन को ताइ केना। अपुते जनाओ होनको गड़ा ते रेड़ाने: इदी कोअ आद रूड़ा तन इमतङ होरा रे मुसिङ दोए निर लापा: रिका के: कोआ मर नि लेपे ओकोए पुरा: पे निर दड़िआए मेताको ताना। निर केदा कोदो लिटा कोड़ा गे अयर जना।

एटा: हुलङ ओड़ो: एनकागे गाड़ा रेड़ाने इदी के कोआ सोबेन कोआ: नतेन मिमियद सार आद टोटे: बइ केदा। रुड़ा तन चि सोबेन को मियद मियद सार आर टोटे: ओमा: कोआ आदे: मेताको तना मर हइ तिसिङ दो टोटे लेपे ओकोए पुरा: पे चलाोएआ सोबेन को टोटे केढ़ा आनादो लिटा कोड़ा: गे पुरा: सांगिन चलाओ जना। एना लेल केदचि अपुते: उडु: रे टो: जना। हेला ने होन दो मपरङ कोआते पुरा:ए सेंड़ा आदे: पेड़ेयो: कना मरं कोआ: तेदो हगाते ताको दो काको दड़िआइआ मेन केद चि मुसिङ दो जनाओ लेकागे रेड़ान को सेनो: जना आद नाते अपुते दो इनिआ: तुतुम ते दुवरे: ओल केदा चि तिसिङाते लिटा कोड़ा द्वार बारेन का।

रेड़ानते को रुड़ा लेना अनादो दुवरे: लेल ला: अनका ओला काना। एनाते दो ओड़ाओ कए बोलो जना अदे: रुड़ा जना आदे सेनो: जना बिर बितर ते।

सेनो: तन सेनो: तन दो मिद ता: रे बिर को ओंडोर तादा। गोटा बिर लो तना। सोबेन बिर जनोअर को निर ताना अपना दाड़ी। होरा जपा: रे मियद सिलिब होन को निर बागे ता:इआ अदे: लो तन। लेलम तइचि: रुल उडुङ किआ अदे: ओङ एड़ें किआ सेंगेल कोए कोपा परची कि:चि जु न:दो एंगम ता:ते सेनो: में मेने लोओए उदुर कुल त:इआ। मेनदो सिलिब होन काएआ: जना अदे: मेतइ ताना एला अमदो अञा: जीम बनचाओ तादा एंगञ दोए निर बगे त:इआ आद कोते: निर जना एना मेनते अञ दो अमगे इदी जञमे अमलो: गेञ सेनाए मेतइ तना अदे: रा: ताना। लिटाकोड़ा मेन जादा हेला अमदो बिर जनोवर अञ दो मनोवा होन अञ लोओ दो चिलकम सेना। मेनदो सिलिब होन कए पतिआ जाना आद तयोम तयोम ते: ओतोङ किआ:। आद किङ सेनो: जना।

मियद हातु किङ नम केदा एन हातु रे मियद राजा तइकेना एन लो:गे गोटा हातु उनाओ जाना चि का बरिआ कुलगिआ किं दङ हिजु:आ कना आद इमिआ: रानी दो मिसिनङ सुगाड़ा मेना इआ चि काजी का दाड़िओआ।

राजा ता: तेओ नेआ काजी तेबा: जना। राजा अयुम केदचि इनि: नम रेआ: उडु: बोलो जना। न: दो चिलका तेञ नम दड़िआइआ मेनेआ:ए कोए दोरेआद ताना। एनाते अएआ: दासी कोए कुलि जा: कोआ अतेआ इनिआ: कुड़ि चिलका ते: नम दड़िओआ? दासी को मेता:इआ का गोमके इनिआ: कोड़ा नेकन हम्बल कामि को कामि रिकाइ में टिकि एनता: रे: हेड़ा ओआ आद एन सोमए अम इनिआ: ओड़ा: ते सेनो: में आद जगर बुलाओइम को मेतइ ताना। राजा हे मरे: मेन केदा आद गापा तेरे गे इनि: रागाउ दासी कोए कुल के: कोआ। दासी को सेनो: जना आद को मेतइ ताना अम हले राजा दङ चना: जागरे: रा: ता: मा मेनते। लिटा कोड़ा (राजा) हे मर सेन तड़ाए पेञ सेन तानाए मेता: कोआ।

एनाते हुड़िङ हेड़ा रेदो अआ: कुड़ि: काजी तुका: इआ आदे: सेनो: जना राजा ता:ते। लिटा कोड़ा – चि राजा चिलकन जागर तोबे: मेतइ ताना। राजा–काया रानी को दङ बिर जनोवर को लेल को नम ताना एन मेनते बिर बुड़िआ को अउ लेको में मेतइ ताना। लिठा रुड़ा लेना ओड़ा आदे दुब हपेआ कनचि उडुताना बिर बुड़िआ को दो को सबो:आ चि अदेञ अउ कोआ मेनते। एनाते कुड़ि लेल जइ: लो:ओगे: कुलि आइआ चिलकन जागा रे: रा: ले मा मेनते लिटा कोड़ा– बेटेकन हम्बल बतलाओ ता:इआ।

कुड़ि– चिलकन कामि?

लिटा– का बिर बुड़िआ को दङ अउ लेकोमे: मेतञ तना इनकु बला को सब रिकाना चि: मेन जादा।

कुड़ि– ओ एनम उडु: तना जु करकदेन में आद जोड़ा को बई मे आद लोआड़ी कोओ चि सेनो:मे।

लिटा कोड़ा– करकद अबुडेन जना जोड़ा कोए लइ केदा। कुड़ि मंडी: ओमा:इआ अदे: मेता: इआ जू न:दो बिर ते सेनो: में आद मिसागे ए दाइ मेनते बिररे काकाला लेम। कोड़ा एन लेकागे बिरते: सेन केन चि मिसागे ए दाइए मेन ते: ककला ला: हनते नानेआते बिर बुढ़िआ को दगुल दगुल तन को निराड जादा एन लोओ गे: जोड़ा के कोआ आदे ओराउ ले: कोआ राजा दो कुड़ि ता: सेनो:ए सम्पोड़ोन तन लो: दो को तेबा: ला:। ने राजा न:दो रानी को लेल लेको काए मेतइ ताना। रानी को लेल ले: कोआ दो बोरो तेको सरकाओ गिड़िओ तना। एनाते राजा मेन जादा जुआ जुआ बिर तेगे इदी रुड़ा तुका कोम रानी को बोरो केदाए मेतइ तना। ओड़ोए ओर के: कोआ आद बिर रे: अड़ा: तुका: कोआ। गपा तेरे ना दो ओड़ोए रा: कुल किआ: चिअ: चि एन हुलङ कए दड़िआजना।

लिटा कोड़ा- चि राजा तिसिङ दो चिलकन जगारेम मेतञ तना?
राजा- काएआ तिसिङ दो कुला को दङ लेल को सनङ तना एना ताबु जो कुला को अउ लेको मे:नेतइ तना। लिटा कोड़ा हे मरे: मेन केद मरे: मेन तुकाइआ आद ओड़ा: ते: रुड़ा लेना। ओड़ो: कुड़ि गोसो गोसोए लेल जइचि: कुलि ज:इआ। लिटा- का तिसिङ दो कुला को दङ अउ लेकोमे: मेतञ तना इनकु बाला को सबो:आ कचिको जोमीञा। कुड़ि - ओ इनम उड़ु: तना जु जोड़ा नमेमे आद करकदेन में जोड़ा कोए नम केदचि लोआड़ि मंडि: ओमा: इआ आद जू बिरते सेनो: मे आद मिसागे ए दादा मेनते ककला लेम: मेतइ ताना। एन लेकागे लिटा कोड़ा। बिरे:तेबा: लेद चि जोर ते ए दादाए मेन ला: कुलाको हेनते तेनाआते दाचुङ दाचुङ तन को निराउ जादा। आदे: जोड़ा के: कोचि: ओर आउ ले: कोआ। राजा ओड़ा: तेओ अउरि: उड़ुडोआ चि: तेबा: ला:। तेबा: केदचि निकु राजाञ अउता: कोआ न: दो को को लेल लेको का रानी कोए मेतइ तना। रानी को को लेल ले: कोआ दो बोरो तेका एकेला तना। जुआ जुआ इदी रुड़ा तुका कोम को बोरो जादाए मेतइ तना। गोनोङ काए ओमइ चि: रुड़ा लेना ओड़ा:ते। एल हुलङो कए दड़िआदा। बिर रानी सेड़ाते पटा: गिड़िआ कनि:।

राजा न: दोए उड़ु तना ओड़ो: चनाञ कानी रिकाइआ मेनते ओड़ो: न:दो दासी कोए कुली के : कोआ एला ओड़ो: दो चनाम कामी रिकाइआ कए दड़िओ तना मेनते दासी को का राजा गपा दो बिर मा: रिकाइ में चिलका काम दड़िआइआ मुसिङ रेदोए चाबा दड़िआ: चि एनाते रानी ताए अउ कीमे। राजा हेआ टिंकि पे काजी ला: मेताको तना।

ओड़ो गपा तेरे: रा: कुल किआ अदे मेतइ तना- अमा तिसिङ दो तलङ ने बिर कोमा: गिड़ि तम पुरा: बिर जना बिर जनोवर को तइन तना। लिटा- ओड़ो ओसो गोसोए हिजु: लेना ओड़ा: ते। सिदा लेकागे कुड़ि कुलि जा:इआ चिकन कामी तिसिङ बतलाओ ता: मा: लिटा का बिर मा: दङे: मेन जादा मुसिङ रेदो चबाओआ चि कुड़ि- एना को अलोम उड़ुआ जू करकद रेड़ान मे आद मंड़ि जोम केयद बिरते सेनो: में आप मोद सतेयतते मियद करकद पेटे: केदे: मेता:इआ। एन लेकागे लिटा कोड़ा मंडि जोम केदचि बिर ते: सेनो: जना आम मोद सतेयते ते मियद करकदे: पेटे: केदा दो एन लोओ गे बिर दारु को बटा तना जाड़ा जुड़ु तना आद बिर सोबेन चबा जना। राजा लेल ला: दोए बकुआओ गिड़ि जना। एन रेओ कए दड़िओइआ।

गपा तेरे ओड़ोए रा: कुल किआ आदे मेतद तना एला हले गोटा तलङ टए टए जना कुड़िला बुड़िआ को हातु मुली को हिजु: तना ओड़ो: तलङ बिर रुड़ा तमे: मेतइ तना। लिटा कोड़ा ओड़ा ते: रुड़ा लेन चि दुबा कना गोसो गे: एनाते एनलोओगे कुड़ि कुलि ज:इआ चनाए कामि: बतलाओ के:मा मेनते एला ओड़ो: बिर रूड़ा तमे: मेतञ तमा चिलका वाला बिर रुड़ाओआ। रानी एना को अलोम उडुआ जू बिरते सेनो: में आद मियद करकद मिद सतेयते ते बिद तमे: मेतइ तना। लिटा एन लेकागे रिका केदा एन लो:गे ओड़ो: सिदा लेकागे बिर बइ जना। राजन:दो सेंड़ा गे:अद चबा केदा इमिन दिन रेओ कए जगर दड़िआइआ। ओड़ो: चनाञ उपाएआ मेनेआ: कोए उड़ु: बाड़ा तना। मियद उपायए उड़ु: नम केदा ओड़ो: गपा तेरे सेता:ए रा: कुल किआ:।

लिटा कोड़ा- चि राजा चिलकन कामी तोबे तिसिङ मेतइ तना।

राजा- काएआ- रानी को दङ मियद बिर होड़ो (बन मनुष्य) लेल का नमतना मियद बिर होड़ो जन मनुष्य तलङ अउ लीमे। लिय हेलागोमके बिर होड़ो दो कोरेञ नमीआ राजा गोटा बिरा डो: दाँड़ाए मे चते कम नमीआए मेतइ तना। लिटा गोसोआन गे: रुड़ लेन ओड़ा: ते एन लोओ गे कुड़ि कुली दरोम ज:इआ चना: कमी: बतलाओ के:मा मेनते।

लिटा- का बिर होड़ो (बन मनुष्य) दङे दाँड़ा रिका त:इआ कोता: रेन नमीआ नमि मरं बिर रे: मेन जादा।

कुड़ि- एना को अलोम उडुगा जू करकद रेड़ाम मे आद मंडि जोम केचि अञ चिलकञ कजीआ मा एनका रिकाएमे: मेतइ तना। लिटा- मंडि: जोम केदचि कुड़ि बतलाओ ज:इआ जू सेनो: में आद मोद काराई लोवा सोसोए नमेमे मोद काराइ डाउ सोसोए आद मोद काराइ सोबेन लेकन चेंड़े ईल कोनमेमे आद ओड़ा रे जोगा ओ ताचि उकुआ कनो: मे। टिकि राजाए हिजु:आ अम उडुङो: मे आद सब कीचि काटा ती कोलम तोल किआ मोचा लङ तुना केसेद किआ आद सिदा उतरते लोआ सोसोए रे उदुमा लीमे एनाते डउ सोसोए रे एन तयोमते इइल मेना: काराई रे उदुमा ताइ में इनि: गे बिर होड़ोए बइओआ आद होटो: रेलङ बयर कीचि राजा ता:ते इदी कीमे। कुड़ि दो सिदा रेगे सेबेनाए मुंडि जद ताइकेना। राजा अञे: लोड़ो तना मेने आदो। लिटा कोड़ा एन लेकागे सोबेनाए नम हुंडि केदचि ओड़ा रे: उकुआ काना। आद मोद पुरा: कोन रेओ राजा ता:कए सेना राजा कूब सुकु ज:इआ रासिकाते: दा: चाबन तना तिसिङ दो बोसाओ गेआ मेनते मोद बार घंटा लेका होबाओ तन चि राजा रानी ता: सेनोए मोने केदा।

सम्पोड़ोन जनाए जेसम्पोड़ोना आद सदोम रे: दे: जनचि रानी ता: ते सेनो: तना आद होरा होराते हटिकुटि: उड़ु: इदी तना तिसङ दोञ अउ लीचि जेके नेकाइआ हेन्काइआ मेन मेने ओड़ोगे हटि कुटि: उड़ु: तना।

हुडिङ हेड़ा रेदोए तेबा: ला: राजा इनकिड़ा: ओड़ा: ता: आद सदोम दो राचारे तोल किआ आद ओकोए गा मेना: पेआ ओड़ा: किसन को मेनते: ककला जादा राचा तेगे। रानी बितराते जाका माका तने: उड़ुड़ो तन लोओगे मेना लेआ गा मेन जदा। रानी: लेल लिया दो सरते गे जुल तन लेकए लेलो: तन उलिदा: गे: अद जादा कोरोए लेका नाते कामदेव दो कामदेव हुककर जद प:सुर जादा। मर देला बोला मे: मेतइ ताना आद मियद दुब तेआए ओमाइआ। आदकूब जगर ते: बुलाओ त:इआ। एन सोमए गे लिटा कोड़ा उड़ुङ लेना आदे: सब रिपु चिपु किआ आद बरन किं तेकिं तोल रुंड़ कुंड़ु कि: चि मोचा को किं तुना सेकेस कि:चि लिटा कोड़ा दोंदो लिआ आद सिदा लोआ सोसोए रे: हुदुमा लिआ आद मिसा डाउ सोसोए रे एनाते इइल पेरे:आ कन काराई रे उदुमा त:इआ। आदे: उड़ुङ किचि होटो: रे बयर किआ आद राजा ता:तेम ओर इदी किआ आद राजाए रा: ज:इला ए राजा नी: बिर होड़ोञ अउआ का: इआ कुरिको रानी को लेल लीका मेनते। इसु हेड़ा रेओ राजा कए उड़ुड़ो तना आद रानी को गोटा को दांड़ा बाड़ा ज:इआ मेनाइआ आदे: उड़ु:गोआ। दासी कोओ कूब सुकु जा: कोआ तिसिङ दोए बोसा जना मेनते आद नवा रानी अउइआ मेन तेको उड़ु: तना।

राजा ऊँ ऊँ जादा चिआ: चि मोचा दोए तुना कना आद काकाला दो कए दाड़ी ताना। अएआ: रानी कोओ कूब को लंदा तानाए ऊँ ऊँ जद चि बिर होड़ो गेको मेन जादा आद जोर तेको पड़साओ ज:इआ सटि ते।

मोद पुरा: हेड़ा रे चिलका चिलका ते मियद सुतम ओद जाना एनते: काजी जादा चि हो नाका मेनते कञ टोर ला: होका तञ बेन ओड़ो दो कञा: अमा: कुड़ि दोइञ मोने ला:। सोबेन लेल केआते बकुआओ गिड़ि जना राजा लिटा कोड़ा: कटारे: उमु:उन जना आद मोद पुरा: टाका कोए ओमा:इआ आद तारा दिशुमोए ओमाइआ आद सुकु सुकु किं तइन जना जिनीद बारी।

इनितु— एना मेनते काजीआ को चि अपना जिनीस मेनाते एटा: निआ:रे अलोम लोभना अमा ओकोआ मेना: एना रेग जी बराबरी: न लगातिङा कारे दो राजा लेका रिका: राजा टाका पएसा दो सेनो: जन गेआ तारा दिशुमो: सेनो: जना।

(हिन्दी)

हिरन रानी

एक राजा सात बेटे थे। पिताजी रोज बच्चों को नदी नहाने ले जाते थे। और लौटते समय एक दिन उसने दौड़या और कहा कौन ज्यादा तेज दौड़ सकता है। सभी लड़के दौड़ने लगे लेकिन सबसे छोटा (लिटा) ही आगे हो गया (जीत गया)। दूसरा दिन और वैसी ही सभी बच्चों के लिए एक एक तीर और धनुष बनाया और लौटते समय दे दिया और कहा चलो कौन ज्यादा दूर तक तीर चला सकता है। इसमें भी लिटा ही आगे हो गया। उसके बाद तो राजा को चिंता होने लगी कि आगे चलकर तो सभी को हराएगा। दूसरा दिन फिर नहा ने ले गया नदी और लौटने के पहले ही राजा दरवाजे पर लिख दिया लिटा को आज से द्वार बाहर कर रहा हूँ।

नहा कर लौटे रहे थे कि दरवाजे पर लिखा हुआ को दिखाई दिया और घर घूसे बिना ही उल्टे पाँव चला गया जाते जाते एक जंगल पहुँचा जंगल को जला दिया है और पूरे जंगल में आग लग गयी। सभी जंगली जानवर इधर उधर भागने लगे। एक हिरन की बच्ची को उसकी माँ छोड़ कर भाग गयी। पूरा जल गयी है उसको आग से निकाला फूँक फूँक कर आग बुझाया और जाओ अब तुम्हारी माँ के पास जाओ बोलते हुए ढकेल लिया। लेकिन हिरण की बच्ची नहीं जाना चाह रही है और बोल रही है मैं नहीं जाऊँगी माँ ने तो मुझे छोड़ दिया और भाग गयी अब मैं तुम्हारे साथ ही जाऊँगा चूँकि तुमने मेरी जान बचाई है। फिर भी लिटा बोल रहा है मेरे साथ कैसे जाओगी मैं मनुष्य और तुम जनोवर हो। फिर भी नहीं मानी और लेत गया। जाते जाते सुन्दर रानी बन गयी रास्ता में एक गाँव मिला। एक झोपड़ी बना कर रहने लगा। उसी गाँव का एक राजा था। तुरन्त बात फैल गयी दो दम्पति आए हैं और उनकी पत्नी तो इतना सुन्दर है कि कहा नहीं जा सकता। राजा के कानों में भी यह खबर पहुँच गया। राजा सुनकर मन ही मन उसको पाने सोच रहा था। उसके बाद कैसे उसको पा सकूँ इसका उपाय ही सोचने लगा एक अपना नौकरों को बुलाकर उसका उपाय पूछा नौकरों से।

एक उपाय बताया कि आप उसका पति को ऐसा भारी काम में फंसा दिजिये ठीक उधर ही देरी हो जाएगा और इधर आप रानी का घर जाएये और मीठी मीटी बातों में फंसाइये। राजा ठीक है बोला और दूसरा ही उसको बुलाने

के लिए नौकरों को भेजा और बुलाने चला गया। वहाँ पहुँच कर बोल ए भाई आप को राजा ने बुलाया है क्या बात करने के लिए इसलिए जल्दी से भेंट करके आईये लिटा (राजा) ठीक है चलो जाते रहो मैं आ रहा हूँ। उसके बाद थोड़ी देर उसकी पत्नी को बोल दिया और चलां गयी राजा के पास पहुँचकर प्रणाम किया और पूछ रहा है क्या काम के लिए बुलाए हैं मालिक- राजा? अरे भाई देखो न यहाँ की रानियाँ जंगल के भालुओं को देखना चाहती हैं सो तुम जंगल जाकर भालुओं पकड़ कर लाओ लिटा जी हुजूर बोल दिया और उदास उदास घर आ गया घर पहुँचते ही उसकी पत्नी पूछ रही है क्या काम के लिए राजा ने बुलाया था। लिटा बोला बहुत भारी काम दिया है जंगल में भालुओं को पकड़ कर लाने का काम कहाँ की रानी गण देखना चाहते हैं बोला मैं कैसे लाऊँ पकड़ पाएँगे क्या? पत्नी — ओ उसकी चिंता मत करो उसका उपाय मेरे पास है। जाओ दतुवन करो नहाओ धो कर आओ। लिटा तुरन्त नहा धोकर आ गया खाना दी खाया और उपाय बतला दी। तुम रस्सी का जोगाड़ करो और जंगल जाओ जंगल पहुँचकर एक ही बार जोर एक दीदी बोलो और भालू आएँगे तो बाँध कर लाओ।

लिटा वैसा ही किया और भालुओं को लेकर आ गया। इधर वहाँ जाने का तैयरी ही कर रहा था पूरा दरबार में भालुएँ दौड़ रहे हैं और राजा से बोला देखिये राजा भालुओं को लाया हूँ। भालुओं को देखकर रानीयाँ डर से कांप रही है उसके बाद बोला जाओ जी जाओ जी रानियाँ डर रही है फिर जंगल छोड़ आओ। राजा का योजना पूरा हो गया।

दूसरा दिन फिर बुलाया और बाघों को लाने का हुकुम दिया। लिटा फिर चिंतित मुद्रा में घर लौट गया। तुरन्त उसकी पत्नी पूछ रही है क्या काम दिया है आज जो लिटा- जंगल से बाघ लाने का हुकुम दिया है जो रानियाँ देखना चाहती हैं पत्नी बोली उसका चिंता मत करो जाओ दतुवन नहा धोकर तैयार हो जाओ। नहा धोकर तैयार हो गया खाना खा लि उसके पत्नी बोली जाओ कल की तरह जंगल जाओ और एक ही बार जोर ए दादा चिल्लाओ बाघ दौड़कर आएंगे तो बाँध लेना रस्सी से और राजा के पास लाओ लिटा वैसा ही किया और बाघों को लेकर राजा दरबार में आ गया। राजा के निकलने के पहले ही। राजा ताजुब हो गया। बाँघ दहाड़ मारते हुए इधर उधर भाग रहे हैं। रानियाँ तो डर के मारे दुबक गयी है। उनको देख कर राजा बोला जाओ जीजाओं फिर जंगल में छोड़ आया रानियाँ डर रही है और जंगल में छोड़ दिया।

आज भी राजा सफल नहीं हुआ और मनन चिंतन लगा हुआ है फिर नौकरों पूछने लगा कि और क्या काम दूँगा तो मुझे मौका मिलेगा। नौकरों ने और एक सलाह दिया सारे जंगल को काटने का आदेश दीजिये तो दिन भर में भी खत्म नहीं होगा आप को इधर रानी से मिलने का मौका मिलेगा। राजा पुनः दूसरा दिन भेजा बुलाने को लिटा राजा के पास आया और क्या काम है हुजूर आज तो पूछ रहा है। राजा अरे देखो न कितना जंगल भर गया है उसके चलते जंगली जानवर भी आते हैं सो सारे पेड़ को काट दो। लिटा हे हुजूर करके लौट गया और चिंता से डूब गया सोच रहा है कैसे इतना बड़ा जंगल का काट कर खतम करूँगा आते ही पत्नी पूछ रही है क्या काम दिया है आज तो लिटा अरे पूरा जंगल काटने का आदेश दिया कैसे काट खत्म करूँगा इतना बड़ा जंगल। (रखी) पत्नी) इसका चिंता मत करो आओ नहा धोकर तैयार हो जाओ खा खाओ और जंगल जाओ और पहुँचकर एक साँस में ही एक दतुवन को तोड़ दो लिटा नहा धोकर आया और खाना खाकर चला गया जंगल पत्नी के बतलाए अनुसार ही जंगल जाकर एक साँस में एक दतुवन को तोड़ दिया देखते ही देखते सारे पेड़ काट गए। और वापस आया और राजा को खबर दिया। राजा जाने के लिए तैयार हो रहा था और पहुँच गया। राजा की इच्छा आज भी पूरा नहीं हुआ। राजा देख रहा है पेड़ कट जाने पूरा बिरान हो गया। फिर दूसरा दिन उकको वापस जंगल बनाने का (जोड़ने) का आदेश देता है। लिटा और चिंता में डूब जाता है काटा हुआ पेड़ कैसे जूटेगा यह सोच कर पत्नी उसे देखकर पूछ रही है आदेश दिया भला काटा हुआ पेड़ कैसे जुटेगा? पत्नी तुम चिंता मत करो मेरे पा उपाय है। जाओ नहा धोकर तैयरा हो जाओ खाना खाकर जंगल जाओ और एक साँस में एक दतुवान को गाढ़ दो सारे जंगल भर जाएँगे। लिटा वापस आ गया। राजा को रिपार्ट दिया राजा देख कर ताजुब करने लगा और उसको मौका ही नहीं दे रहा है। उसकी इच्छा भी पूरी नहीं हो पा रही है। इतना दिन में भी नहीं सक रहा है। अब राजा की बुद्धि भी खत्तम हो गयी कोई उपाय नहीं सूझ रहा है। अन्त में एक उपाय सूझा दूसरा दिन पुनः बुलाया और बोला देखो जी भालू और बाघ को तो देख अब वे वन मनुष्य देखना चाहती है सो तुम जाओ और बन मनुष्य लेकर आओ। लिटा बोलाटा हुजूर बन मनुष्य को कहाँ से लाऊँगा कहाँ पाऊँगा। राजा बोला देखो जी तुम पूरा जंगल को छान मारो कैसे नहीं मिलेगा। ठीक है बोल और उदास मन से लौट गया। आते ही पत्नी पूछ रही है चूँकि पत्नी को राजा का योजना मालूम था। क्या कहा राजा ने आज

लिटा– बन मनुष्य लाने बोल रहा है मैं बन मनुष्य कहाँ से लाऊँ। पत्नी उसकी चिंता मत करो जाओ नहा धोककर आओ खाना खाओ और मैं जैसा बोलूँगी वैसा ही करो। लिटा ठीक है बोला और नहा धोकर आया खाना खाया उसके बाद पत्नी बोली अब जाओ एक कड़ाही डुमर का लासा खोजो एक कड़ाही डाहु का लासा और एक कड़ाही में रंग बिरंगी चिड़ियों का पंख रख दो। और सूइ धागा। इतना सामना जुगाड़ कर घर में और छिप जाओ जब राजा आएँगे तो तुम निकल जाओ और दोनों मिल करके हाथ पैर बाँध लेगें मुछ को सिलाई करके बन्द कर देंगे और तुम उसे उठाकर पहले लासा में फेंक दो उसके बाद चिड़िया का पंख वाला कड़ाही में यही बन मनुष्य हो जाएगा। और राजा के पास ले जाओ रानियों को दिखाने के लिए। लिटा पत्नी के बतलाए अनुसार सभी चीजों का जमा किया और एक कोना में छिप गया। उधर राजा भी खूब खुश हो रहा है इतना देरी में नहीं आ रहा है चलो आज तो अच्छा मोका मिला है खुशी से पानी पानी हो रहा है खूब अच्छा से सज धज के तैयार हो रहा है रानी के पास जाने के लिए।

एक दो घंटा हो जाने के बाद राजा और दिन से अधिक तैयार हुआ ऊपर नीचे पूरा देख देख कर तैयार हो लिया और निकलगया घोड़े पर सवार होकर। रास्ता–रास्ता मीठा–मीठी कल्पना करते जा रहा है पहुँचूगा तो ऐसा कहूँगा वैसा करुँगा और हल्ला–हल्का मुस्कुराते जा रहा है।

मुलाकात होगी सोचते हुए खुशी खुशी चला गया। थोड़ देर में रानी का घर आ गया आँगन में घोड़ा को बाँध दिया और आँगन से ही बोल कोई है कि घर माकिन लोग। रानी भी अन्दर से ही जवाब दे रही है हाँ हैं और बाहर निकली जम मकाते हुए राजा तो देखते ही रह गया सचमुच में इतनी सुन्दर थी रानी राजा का आँख खुला का खुला रह गया। चमक रही है जैसी दीख रही थी राजा का लार टपकने लगा। इधर कामदेव को कामदेव उकार मार रहा है छटपटा रहा है। आइये बैठिये बोल रही है। बैठ गया फिर भी इधर उधर देख रहा है कहीं लिटा तो नहीं है सोच कर रानी उसको मीठी मीठी बातों में उलझा दी है। इतना में लिटा निकला और दोनों मिलकर उसका हाथ पैर बाँध लिये मुँह को सिलाई करके बन्द कर दिये। उसके बाद लिटा उसे उठाया पहले लासा वाला कड़ाई में फेंका उसके बाद पंख वाला कड़ाही में फेंक दिया और राजा ही बन मनुष्य बन गया। गले में रस्सी से बाँध दिया और राजा के पास खींचते हुए ले गया और राजा से बोला देखिये हुजूर बन मनुष्य लेकर आया हूँ। रानियाँ

खुशी खुशी देख रही है राजा का मुहँ तो बन्दे है ओ ऊँ ऊँ कर रहा है रानियाँ और खूब जो से हँस रही है। और एक एक बार छड़ी से सटिया रही है। कुछ देर के बाद एक धागा टूट गया और लिटा का पैर में गिर गया हाथ जोड़ते हुए। और बोल रहा है मुझे मोफ कर दो मैं अंधा हो गया था। ऐसा नहीं जान रहा था दूसरे पत्नी को रखना चाहता था और दूसरों की पत्नी को कभी नहीं रखूँगा। मैं तुम्हारी पत्नी को लेना चाहता था मुझे माफ कर दो कर दो बार माफी माँग रहा है गिड़गिड़ा रहा है लिटा के आगे उसके बाद कुछ रुपये दिया एक आधा हिस्सा अपना राज्य का दे दिया। दोनों पति पत्नी जिदगी भर सुख पूर्वक रहे। इसीलिए कहते हैं अपना चीज रहते हुए दूसरों का चीज पर लोभ नहीं करना चाहिये नहीं तो राजा के समान भुगतना पड़ेगा। राजा का रुपये पैसे भी चला गया और आधा राज्य।

(मुण्डारी)

ए हगेआरे मियद मिसि

ए हमेआ हागा को-तइकेना। इनकुआ: मियद गे मिसि होने: ताइ केना। जनाओ सोबेन हगेआ बिर ते सेंदेरा को सेनो: तनतइ केना आकोआ मिसि ते ओड़ा:रे मंडि उतु अड़ा: सकम कोए इसिन जद ताईकेना।

मुसिङ रेआ: काजी न:दो जनाओ लेकागे ए हगेआहागा को बिर ते सेंदेरा को सेनो: जना। मिसि होन बारी ओड़ो:रे ताइ केना। न:दो अड़ा: कोञ इसिन लेआ मेनते हद तन तइकेना अड़ा: अनादो तीरे: हद जना। मयोन उडुङ तनचि: उडु: ताना न: दो ने मयोम चना: रेञ गोसो: एआ मेनते। लिजा: रेञ गोसो: केरेदो बउञ तको चिकन मयोम को मेताइञा ओड़ो: पचिरि रेञ गोसो: केरेओ को लेलेआ। न: दो ने अड़ा: रेमिञ गोसो: केआए मेन केदा आदे: गोसो: केदा। अद: टेओ केदा बउते ताको सेंदेरा तेको हिजु: लेना तिकिन। मिसिते कुड़ि एनलो:गे लोटारे दाआए ओम दरोमा को तना। अबुङेन जनचिको दुब जना। मंडि: ओमा: कोआ आद को जोम तना। अड़ा: को जोम ला: दो जोर ते सिबिला जनाओआते लाआ। एनाते को कुली ज:इआ चन अड़ा: माइ तिसिङ दोम टेओ ला: पुरा: गे सिबिला। मिसिते काजी रुड़ा को तना जनाओ रा: अड़ा दादाञ टेओ तादा। हेला जनाओ तेदो पुरा: गे सिबिल मिसि होन –हेला दादा जनाओ रा: अड़ा: गेञ इसिन तादा। मेनदो बडते ताको काको पतिआ ताना आद को कुलि जइ गेआ अदको कुलि टुकु कि: गेआ एनाते कने को कुलि जइ चि: उदुबा केदा का अड़ा:अ हद तन ताइकेना आद तीरेञ हद जाना आद मयोम उडुङ तना एनाते चना:रेञ गोसोएया हटा: रेञ गोसा को रेओ बउञ तको कुलीञा परिची रेञ गोसो: केरेआ बउञ तको चिकन मयोम मेन तेको कुलीञ। एनाते अड़ा: रेञ गोसो: केदाए मेताको ताना। अयुम केदचि बउते ताको बकुआओ गिड़ि ओतना आद उडु: ताना हेला ने कुड़ि होना: मयोम गे इमिनङ सिबिला निआ: जिलु दो ओड़ो: चिमिन सिबिला के मेपेन ताना न:दोबु जोमिआ मेनते कों उडु: तना।

मियद माचा को बइ केदा आद एन कुड़ि होन (मिसि होन) मर माइ हेन्दे साड़ी तुसिङे मे को मेताइ ताना हेन्दे साड़ी: तुसिङेन जनचि माचारे: दुब जाना।

न:दो बउते को ताको मिमिद होड़ो तेको तुइङ जा: इआ। मरङ उतर नी: सिदाए तुइङ किआ: मेनते कए तो: जाना। एनाते इमिआते हुड़िङ नी: तुइङ

किआ: मेनदो इनिओ कए टो: किआ। एनका एनकाते तुरी होड़ो बउते ताको
भाई - सम्बल बेटी कुइलो साड़ी लुगा बिटिकुइलो साड़ी लुगा
बहन - बिंधो बिंधो दाता छाती ऊपर बिंधो दादा छाती ऊपर बिंधो।
सोबेन को चबा जना लिटा कोड़ा बारी सरे: जना एनाते लिटा कोड़ा को धमकाओ ज:इआ मर हइ लिटा अमो: कम टो: की रेदो अम गेलेगोएमा मेनते लिटा कोड़ा का मोने अ:इआ मेनदोए चिकाएआ तुइङ गे होबा जाना। मिसागे: तुइङ लिआ कुड़म रेगे: टो: जना आद लदजा के: उयु जना। एना लो:ञे को कुरुमुटु ज:इआ। ओकोए गेद ताना ओकोए को तोपङ ताना आद लिटा कोड़ा दो सान दाँड़ाँ को कुल ता: इआ आदबेगर तोल तेगे अउइ में को मेतइ ताना। जटा को हलङ हुंड़ि केद चि: रा: ताना। मियद जाम्बुडु बिङ अयुम नम ता:इआ आदे कुलि ज:इआ चना: बाबुम रा: ताना मेनते। लिटा कोड़ा सोबेन ए उदुबइ तना बउइञा ताको दङ अलेआ मिसि होन को गोए ता:इआ आद इनिआ: जिलु इसिन तेआ: मेनते सान को दांड़ा रिका ता:इआ आद बेगर तोल तेगे अउमे को मेतइ ताना चिलका बला बेगर तोल तेञ इदीआ। बिङ अलोम उडुआ मर जटाको हुंडिमे आद मोद ता:रे दो तम तञ पंटुड़ी ना अम मड़िते दुपिल केचि इदी केन आद जाटा जपा:रे मीड़ दो तमे: मेता:इआ। लिटा एन का गे: रिका केदा। जटा कोए अउ लेचिको रो रापा: ज:इआ एनाते आड़ो: बु चाटुते दआ अउ को कुल किआ। डाड़ी ता: सेना कनचि ओड़ो:ए रा: ताना मियद चोके हइ आद काड़ाकोम अयुम किआ: आद को कुली ज:इआ चना: बावुम रा: ताना मेनते। लिटा सोबेनए उदुबा: को ताना—

अलेआ मिसि होन दङ को बाउञन ताको मिसि होन गोए तइ चि अञदो बु:चाटुते दाआ अउ को कुल त:इञा आद बु जोमीआ को मेतञ ताना मिसि होना: जिलु: चिल कञ जोमेआ। चोके दइ आद कड़ाकोम अलोम उडुगा को मेतइ चोके मेन जादा मर चाटुरे दा: पेरे:मे बु: ता:रे अञ दुबा आद मड़ीते इदी केची पचिरि जपा:रे दो तम। ओड़ो हइ आद काड़ोकोम किङ मेतइ ताना इसिन जनचि जिलु तेला केम आद आको जङ को तागोएरे अञ (काड़ाकोम) तागोञ में ओड़ो जिलु को जोमे रे अञ (हइ) जोमिञ में मर अलिङ इदी किलिङ में आद रापा: किलिङ में। लिटा कोड़ा एन का गे रिका केदा दाआए अउ लेद लोओ: गेको इसिन केदा जिलुकुरु मुटु तन एनाते हटिङ केदचिको जोमतनाहइ आद चोके किङ काजी लेकागे जङ को तागोए जद काड़ाकोमे: तागेए ज:इआ ओड़ो जिलु को जोम जदचि हइ:जोम ज:इआ आद जिलु दोए

चिपुद हापे केवा। एनाते को परकान जनचि लिटा कोड़ा जिलु दो मियद बुनुम उन्डु रे: तुबिद केदा। हुड्डिङ दिन होबा लेनचि मियद मद ओमोन जाना माजा लेका आद दारु जाना।

मुसिङ न:दो मियद जुगि एन मद बुटा रेगे: पिड़िसा अए दुबा कामा। मद न:दो सड़ि ताना :—

न हागे हागे रे जुगि

इतो भइया रोपल बाँस रे जुगि इतो भइया रोपल बाँस।

मुण्डा- अलोम पिड़िसाएआरेजुगि

नेआ दो हागञ रोवा तद मदरे जुगि नेआ दो हगञ रोवातद मद।

जुगि अयुम केदचि नेते हेन्ते: लेल बेड़ा कोता:ते उड्डो ताना। एन लोओगे मदे: मआ केंदा अदे मेन जादा हेला नेआ मद दो केंदेरा बइ लेरेदो ओड़ो चिमिन मजा साड़िआ। ओड़ा: ते: इदी केदचि केदेराए बइ केदा आद ओड़:ए ओड़ाए कोए बाड़ा ताना।

एन कुड़ि होना: बउते ताकोआ: ओड़ा: ता:ए सेन केजचि केंदराए साड़ी जादा। केंदेरा सड़ि ताना दुरं:—

ना बाजे बजेरे जुगि इ तो दुश्मन केर घोर रे

जुगि इतो दुश्मन केर घोर।

मुण्डा- अलोम संड़िआ साड़िया रे जुगि नेआ दो दुश्मन कोआ ओड़ा:

रे जुगि नेआदो दुश्मन कोआ: ओड़ा:।

नेकाए दुरङ जदचि कोड़ा को मेताको तना कुड़ि कोमर ओम बा: कीपे नारे: दुश्मन दुश्मन ज़ादा एन लोगे ओम बागा: इआ आदे सेनो: जना। सोबेन को ता:रे एनकागेसड़ी ताना केदरा। टुन्डु रे लिटा कोड़ा: ओड़ा: ताअए सेनो: जना अदे: सड़ि जादा केंदेरा।

केंदेरा सड़ि- बाजे बाजे रे जुगि

इ तो भइया रोपल बोस रे जुगि इतो भइयारोपल बांस लिटा कोड़ा केंदेरा अयुम केद लोओगे: बुजाओ जना। आद जुगि: मेतइ ताना ते केंदेरा दो चिमिनडोम गोनाङ तादा जुगि मेन जादा हेला गोमके अञ दो ने केंदेरा ते गेञ असुलेन ताना चिलकाञ ओमामा। एन तेदो एन जुगि अए ता: रेगे दासी: दो किआ: आद केदेराए दो केद। एनाते माजा लेकाको तइन जाना।

(हिन्दी)

सात भाइयों की एक बहन

सात भाई थे। उनके एक बहन थी। सभी बाई प्रतिदिन जंगल जाते थे। शिकार करने और बहन घर में अकेले खाना सब्जी बनाती थी।

एक दिन की बात सातों भाई जंगल चले गए शिकार करने और बहन अकेले घर में सूप में साग रख कर काट रही थी तो उसका हाथ कट गया और खून निकलने लगा अब वह सोच में पड़ गयी कि खून को पोंछू सूप में पोछती हूँ भईया पूछेंगे क्या खून है और दिवाल में पोछूंगी फिर भी पूछेंगे क्या खून है कोयं न मैं साग में ही पोंछ दू किसी को पता नहीं चलेगा और साग में ही पोछ पकायी सातों भाई शिकार करके आए तो तुरन्त लोटा में पानी दी और खाना परोस दी। सब कोई खाना खा रहे हैं साग खाए तो बहुत स्वाद लगा और दिन से ज्यादा स्वादिष्ट था। इस पर भाईयों ने पूछा कि बहन आज तो क्या साग पकाई हो बहुत स्वाद है? बहन बोली कोई दूसरा साग नदी है भाईया रोज का साग ही। नहीं से बहन रोज का पकाती हो वह तो इतना स्वाद नदी रहता है पर आज का ज्यादा स्वाद है बताओ क्या साग है नहीं बता रही है फिर बार-बार पूछने पर उसको बताना पड़ा। भाई लोग यह बात सुन कर ताज्जुब करने लगे इतना स्वादिष्ट थी और वे मन ही मन सोच रहे हैं अरे इसका खून ही इतना स्वाद है इसका माँस तो और कितना स्वाद होगा। उन लोगों ने छोटी बहन खाने का मन बना लिया और एक माचान बना दिये उसके बाद उसको एक काला रंग की साड़ी पहनना के लिए कहा गया। वैसा ही थी काला रंग की साड़ी पहन कर माचान पर बैठ गयी। अब पारी-पारी से उस पर तीर चलाना शुरु किये मारने के लिए। सबसे पहले बड़ा भाई तीर चलाने लगा और बोल रहा है गाना-

सम्भल सम्भल बेटी कुइलो साड़ी लुगा
बेटी कुइली साड़ी लुगा

उसका जवाब में बहन बोल रही है- गाना

बिंधो बिंधो दादा छाती ऊपर बिंधो
छाती ऊपर बिंधो

लेकिन बड़ा भाई नहीं लगा सका तीर दूसरा तरफ चला गया। वैसा करते करते सभी भाई खत्तम हो गयी परन्तु सब का निशाना चूक अंत में लिटा बच गया अब उसका पारी आया। बड़े भाई उसको धमकाने लगे तुम अगर नहीं मारा न

तो तुम्हीं को मार देंगे। लिटा को मन तो नहीं कर रहा था। लेकिन मजबूरी बस तीर चलाना पड़ा उसने बहन का छाती में निशाना लगा कर तीर बहन को लग गया और लद से गिर गयी। सभी भाई उसको तुरन्त लेक गया और चीड़ फाड़ करना शुरू कर दिये लिटा को लकड़ी लाने का काम दिया और बिना बाँधे लकड़ी लाने चला गया और लकड़ियों को जमा करके रो रहा है। एक साँप को रोने का आवाज सुनाई दिया रोने का कारण पूछा लिटा सारे बाते बताला दिया उसके बाद साँप बोला चिंता मत करो तुम्हारी लकड़ियों में मैं लिपट जाऊँगा और पहुँच कर धीरे से रख देना। लिटा ने वैसा ही किया। उसके बाद लिटा को पानी लाने का हुकुम दिया। एक छेद वाला घड़ा से। लिटा छेद वाला घड़ा लेकर चला नदी से पानी लाने वहाँ पहुँच कर रोने लगा यह सोच कर कि छेद वाला घड़ा से पानी कैसे लाऊँ। इतने में एक मेढ़क, मछली और केकड़ा निकला और रोने का कारण पूछा। लिटा ने सारी घटनाएँ बतला दिया कि मेरी बहन को भाईयों ने मार दिया है और उसे पकाने बनाने के लिए मुझे पानी लाने भेजा गया और छेद वाला घड़ा से मैं कैसे ले जाऊ छेद वाला घड़ा से और में बहन का माँस कैसे खाऊँगा मैं बहुत परेशान हूँ। उस पर मेढ़क बोला चिंता मत करो मैं तुम्हारा मदद करूँगा। तुम पानी भरकर धीरे से रख दो घड़ा का छेद में बैठ जाऊँगा और उठाकर ले जाओ और दीवाल किनारे धीरे से रख दो मछली और केकड़ा ने भी कहा हम दोनों को पकड़ लो और आग में पका लो देखो माँस पक जाएगा बाँट जाएगा तो तुम अपना हिस्सा ले लो और हाथ में पकड़ कर रखो। जब वे हड्डी चबाने लगेंगे तो तुम चबाओ (केकड़ा) और माँस खाने लगेंगे तो तुम मुझे (मछली) खाओ उसके बाद पानी लेकर आ गया जल्दी जल्दी पकाने लगे जब तैयार हो गया तो बाँट लिये लिटा को भी दिया गया परन्तु वह तो पत्ता समेत हाथों में रख लिया और वे हड्डी चबा रहे हैं तो केकड़ा को चबाने लगा और वे माँस खाने लगे तो मछली खाने लगा। बाद में जब वे वहाँ से चले तो अपना हिस्सा माँस को एक टिल्हा का छेद में ठूस दिया। कुछ दिन के बाद बाँस उग गया और बड़ा हो गया।

एक दिन की बात है एक जोगी बास के पास पाखाना करने बैठा हुआ था उसी समय बाँस से आवाज आ रही है कि न हगे हाग रे जोगी इ तो भइया रोपल बाँस रे जोगी इ तो भइया रोपल बाँस। यह सुन करके तो जोगी बकुवा गया कि यह आवाज कहाँ से आ रहा है और इधर उधर देखने लगा। ठीक से कान लगा कर सुना तो यह आवाज बाँस से निकल रही थी। यह जान कर जोगी सोचने

लगा अरे बाँस से इतना अच्छा आवाज निकल रहा है इसका यदि केंदेरा बनाया जाए तो और कितना अच्छा आवाज (गाना) निकलेगा। उसके बाद उसको काट लिया और केंदेरा बना लिया और गाना बजा बजा कर भीक माँगने लगा। एक दिन वैसा ही उस लड़की के भाइयों के आँगन में गया है और बजा रहा है– गाना–

न बाजे बाज रे जोगी

इ तो दुश्मन केर घर रे जोगा इ तो दुश्मन करे घर।

इतना सुनते ही भाई लोगों को गुस्सा आया और बोला अपनी पत्नियों को जल्दी दे दो भीख यहाँ पर दुश्मन दुश्मन बोल रहा है। उनकी पत्नियाँ तुरन्त दे दी भीख और भगा दिये वहाँ से।

उसके लिटा छोटा भाई का घर गया और वहाँ पर भी केंदेरा बजा रहा है। केंदेरा– बाजे बाजे रे जोगी इ तो भइया रोपल बाँस रे जोगी इ तो भइया रोपल बाँस।

केंदेरा की आवाज सुनते ही लिटा छोटा भाई समझ गया और केंदेरा माँगने लगा इसको तुम यही छोड़ दो उसके बदले मैं दाम दूँगा। परन्तु जोगी बोला हे मालिक मैं इसको कैसे छोड़ सकता हूँ यही मेरी रोजी रोटी है इसी के सहारे मैं भीख माँगता हूँ। इसके बाद जोगी को अपना घर में नौकर के रूप में रख लिया और केंदेरा रख लिया।

(मुण्डारी)

हिरुम चेटेड़ाँ

मियद हातु रे मियद राजा ताई केना इमिआ: अपिआ रानी को ताई कना मेनदो इनकुआ: होन को काको ताई केना। एना मेनते राजा कूब गे: दुकुतन ताईकेना। ओकोए गेको लेलीआ इनि: गे आठ कुड़ा (बांध) राजा को मेतइ तन ताईकेना।

मुसिङ हुलङ रा: काजी न:दो मियद गङ बुड़िआ कोय ते: सेनो: तन ताईकेना टिकि राजाओ गड़ा रेड़ाने: केना आद रुड़ा तन रे किं दपारोम जना। बुड़िआ सेन परोम केदचि एसेकर गे: बुडुङ बुडुङ जादचि: मेन जादा ओ भोगोमन तिसिङ दो ने आठ कुड़ा (बाँझ) राजाञ लेल किआ: कोयोअञ नमेआ चि काए मेन जादा। राजा अयुम केदा आदे: रा: रुड़ा जा:इआ ए बुड़िया चाना:म मेन ला: हों तिंगु कोओ मे: मेतइ ताना। बुड़िआ बोरो ते: एकेला ताना हायना ने राजा एना जगर तने: अयुम ले:इञ रे दो गोएञा मेनदो इमिन रेओए तिगुन जाना आदे: मेतइ ताना का बाबू अञ दो जेताओ काञ काजी ला:। राजा जाना दोम काजी लेद गेया मर मोसा ओड़ो: काजी लेम दोला ओड़ा: ते मेतइ ताना। बुड़िआ का काञ सेना कचिञ हेड़ाओआ राजा कएमतिआ चि: उदुबइ ताना का बाबू नेका दङेज काजी ला: मेनते: उदुबाइ ताना! एनाते राजा बुड़िआ ओड़ाते इदी किआ: आद रानी कोए मेता कोआ: मर ने बुड़िआ मोद हटा: चउली मोद हाट: दाली ओमइ पे मेनते। एन लेकागे को ओमा:इआ–जु न: दो सेनो: में ओड़ाते आद मजा लेका मंडि उतु लेम आद जोम केम बिओ गे।

बुड़िआ लुलु पुतु तन ओड़ा: ते: सेनो: जन आद मोद पुरा:ए मंडि केदा दाली: उतु केदा लादा पादा तन आदे जोम केदा लाइ ओड़े: गो: गे।

राजा ए हुलङा ते गे ओड़ा: ते उडुङ जना आद आटा माटा बिर तालाते: सेनो: जना। बिर बितर रे मंडि उतु बागे केआते: दुब जना आद मेद कोए जापिद केदा अदे: सदिनी ताना नाते राजा: दरबार रेदो निदा सिंगि होड़ो को हिजु: तना गोटा सिंगि को जमा काना मेनदो राजा दो बंगइआ।

नेआ लेल लेल ते: असादी जना भोगोमन आदे: हादुडुन जनचि: कुली ज:इआ चना: राजाम चिका ताना ने बिर बितर रे अमा: ओड़ा: रेदो निदा सिंगि होड़ो को दुब जारु ताना ओड़ा: दुअरे: बाबा चउली पेरे गिड़िआ कना अपापिआ रानी को मेना: कोआ जू ओड़ा: ते सेनो: मे: मेतइ ताना।

मेनदो राजा मेन जादा – का अञ दो कञ सेनोगा ओड़ोते नेरे गेञ तइना ओड़ा: सेन कोआते चनाञ चिका: सिङबोंगा – चना:म हाटि ताना चनाम गटि ताना मर काजी मे ओकोअम असी तना एना अञ ओमामए मेतइ ताना। राजा–का गोमके अञा: ओड़ा: दुअर दङ का मरसलो: ताना एना गेञ दुकु ताना ओकोए गेको लेलीञा इनि:गे आठ कुड़ा (बांझ) राजा को मेताइञा एना मेनेते रिञा। सिंङबोंगा – अम ओ एनम नम ताना जू मोयोद उपायञ उदुबम ताना एन लेका गे रिकाएमे अमा: दुवर मरसलोआ ए मेतइ ताना। एनाते मोयद उली पटाए: ओमा:इआ अदे मेता:इआ जू अम नेअ उलिपाटा रेड़न गड़ा तेम सेनोअ इमतङ होरा जपा: रे रोवा तुकामे अदेम रुड़ा इमतङ लो: अपिआगे जोओआ एन गोद केम आद ओड़ा ते अउ केचि सोबेन रानी को हटिङ ताकोम। एन लेकागे राजा ओड़ा: ते हिजु लेना आद गड़ा रेड़ाने: सेनो: तन इमतङ उली रोवा तुकादा रुड़ा तन चि अपिआगे जो लेना गोद केदचि: आउला: आद रानी कोए मेता: कोआ नेअउली अपे सोबेन को हटिङ केचि जोम केपे। मेनदो ममरं रानी किङ होथो केदचि किं जोम केदा हुड़िङ रानी दो ककिं हटिङा:इआ। चियचि: इनि: दो राजा पुराए दुलाड़ा जइ तइकेना हुड़िङ रानी दो इमतङ लूंडा बिंडा मंडि उतु केदचि रेड़ाने सेना कन ताइकेना रुड़ा लेनचि कोरे दाइ अञा: हिस्सा उली दोए नेता किं ताना? मपरं रानी किं कचिनालिङ जोम चाबा केदा किं मेताइआ। एनाते कामिड़ि कुड़ि: रा: किआ: अदे: मेताञा जू कोता: रे चोका: कोपे गिड़ि तादा एना: कोगे अउ लेम आद चपि लेचि रिदाञ मे: मेताइआ। कमिड़ि कुड़ि चोका कोए अउ केदा अदे: रिदइ चि: नू केदा।

मपरं किं दो कुब सुकु ज: किङा अलङा दो न:दो होन गाँड़ा को होबाओआ मेनते। मेनते हुड़िङदिन तयोम तेदो हुड़िङ रानीआ: दो होड़ो कोरे ताइन जाना आद मपरं किङा: दोजताओ बनो:आ: नेअ लेल केआते दो राजा हुड़िङ निइयो जदकए दुलाड़ा ज:इआ। मड़ि मड़ि ते दिन तेबा जना सिदा जुगु दो राजा को जनाओ बिरते सेंदेरा को सेनो: तन ताइकेना। एन लेकागे दिन तेबा कन रेओ राजा बितरे सेंदेराए सेनो: जना। रानी हसु तने: बगे तुकाइआ। अदे: काजी तुकादाचि कोड़ा होन होबाओ रे दो सोना रा: घंटा रुइपे आद कुड़ी होन होबाओ रेदो रुपा रा:।

राजा सेनो: जनचि हुड़िङ रानी दो दो मपरं रानी किङ गाँआ हफीम को किङ ओम बुल किआ:। अयुब अयुब दो सिदा कोड़ा होन होबा जना आदे तयोम ते कुड़ि होन होबा जना। सोना आद रुपा रा: घटा को रु केदा। राजा

बिरातेगे बरन घंटाए अयुम ला:। होबा जन लो:गे होन किङ दो को उकु के: कि आद रानी मियद सेगेल बुचङ आद टुटकि जोनो: मयोम रे लाटा-पाटा लेद चिको हम्बुद ता:इआ। बुल ते होन किङो कए टोर के किङा आद कामिड़ि कुड़ि किङ काजीआइआ जू नाजू ना होन किं दो गुरि: दुबी रे तोबा तकिङ मे किङ गोओ: का कारेदो राजाए गोए बुआमेनते। कामिड़ि कुड़ि एन लेकागे मिआदे हतर किआ आद मियदे: कुद कि:चि गुरि: दुबी रे तोपा तुकद किआ।

अयुब न:दो राजा हिजु: लेनचि बोलो तन लोओ गे: कुलि ताना चि ताबु चिलका मिसा सोना रा: घंटीञ अयुम ला: आद मिसा रुपा रा: कुरि किं ताबु होन किङ दोञ लेल लेकिङा? मपरं रानी किं खींस ते हनि तमा: कुड़ि मियद सेंगेल बुचङो: आद टुटुकी जोनोए जोनोम ता: किङा किं मेतइ ताना।

राजा नेअ काजि अयुम केदचि जुआ जुआ सिमान परोम ते इदी तुकार पे अञ नेकन कुड़ी को कञ सनङ ताना एमेन केदा। दासी को एनलोओगे मियद डोली को बइ केदा आद सिमान परोम तेको इदी तुकाइआ। आद मियद गुयु को बइ तुकाइआ धूत समगे एनरे तइन जाना।

मोद अटाउरी लेका होबाजनचि जुना लेलउ कोओ: में होन किं गोए जना चि मेना: कि गेआ मेनते कमिड़ि कुड़ि किं कुल किआ। दुबि: गोता: ला: दो होनकिं बरू: लेका किं तेयारा काना गुरि: तिजु को नू नू के: किआ एललोओ गे: रुड़ा लेनचि उदुबा किं ताना आयुम केदचिबोरो तेकिं एकेला ताना आद जूना जूना नेका रेदो राजाए गोए बुआ गई को उहरते इदि तुका किङ में गइ को तेगा गोए किङ का एन लोओ: सेनो: जना आद गइ उडरते इदी तुका किङा गइ को तेगा गोए किङ का मेनते।

रुड़ा लेनचि किङ कुली ज:इआ चिना किङ गोए जाना चि मेनते एनाते मेता किङ ताना चनाबेन लेल ले किङ रेदो हेबे बाड़ा किङ लेका लेलो ताना। एनता: रेओ गइ को नू नू के: किङा। मजा किङ माता जाना। ऐनकागे ओड़ो हुडिङ दिन तयोमते किङ कुल किआ लेलाउ मेना:किअ: बङ किङा मेनते कमिड़ि कुड़ि किङ लेल कीचि किङ निराउ जादा आए मुली गे गुडु गुडु तन एन लोओ: हेबे के किङा हुड़िङ कोन तयोम तेदोए उकु बगे तुका: किङा। अदे रुड़ा लेना। ओड़ो रुड़ा लेन लोओ गेकिङ कुलि ज:इआ। चिना होनका किङ दो गोए जनाचि मेनते। कमिड़िकुड़ि- चना अबेन दो बेन लेल लेकिङ रेदो हेबे बाड़ा किङ लेका मेना किङा। अयुम केदचि जुना जुना हएना राजा दोए गोए बुआ हन उली को बगइचा ते इदि तुका किङ में किं मेताइआ।

गपा तेरे दो सेता: रेगे: सेनो:जना आद उलि को बगइचा ते इदी तुका किङा उली को किङ जोम बाड़ा तन लो: दो अयुब अयुबो ताना आद किङ लेल बाड़ा ताना अनादो बंगाइआ। एनाते कोड़ा होन में सेड़ा केदा सिङ बोंगाए अञी किं चि: देख रे सिंङबोंगा तोबे अलिङ मियद एंगा अपु रेन होन किङ रेदो ने उलि पटा चटागो: का आद अलिङ एन रेलिङ सोआबो: का आद मर काउ इदि किलिं में आद अपुञा: बंदा रेगे अयु: तलिङ मे। एनाते एनरे किं सोआब जना काउ इदी के किङ चि हातु लतर रा: अपुतेआ: बांदा रेगे उयु: ता: किङा।

गपा तेरे सेता: न:दो मियद नउवा बँदा सआते पिड़िसाए सेन केनचि अबुङेन सेन केना अनादो गोटा बंदा मरसल गिड़िआ काना। निमुनुङ सुगाड़ा सुगाड़ा बरिआ बा बा कानाबन्दा रेचि कजीगे का दड़िओ लेका। सेकेड़ा सेकेड़ाए अबुङेन जना आद राजा ता: ते: निरउ ला साँ सों तने: एकेला तन गेआ तेबा लेद लोओगे ए राजा मेन अलोए राज:इआ ए गोमके मरती उडुङ कोओ मे लङ जगर कोआ। राजा चना:एआ ठाकुर सेता: रेन हिजु:आ कानाए मेतइ ताना। ठाकुर- अम राजा अम: बंदा स:ते अबुङ बड़न तेञ सेन केना अनादोञ लेल ला: दोञ अका दंदा गिड़िजना। अमदो राजाम लेल लेरेदो अमा: बन्दा रे निमिनङ सुगड़ा बरिआ बा बा काना गोटा बंदा मसकल गिड़िआ काना। अङ तन तुर तन लेका लेलो: ताना। राजा- अमा ठाकुरेन होसोड़ोआ जा:इआ जा:ए मेन जादा। ठाकुर- का राजा करेदो दोल लेलाऊ कोआ में कम पतिआ तन रेदो।

नउवा कए पतिआ जाना आद राजाए इदी किआ बंदा ते। बंदा किं तेबा: ला:दो सरते गे अङ तन तु तन लेका गोटा बंदा मसकल गिड़िआ काना। राजा हिजु: तन चिबा किङ जदका लिडु जोपोद तन। रिका ताना मिसा अतोम ते सेनोगा मिसा तालाते सेनोआ। राजा नेआ लेले केद चि सोबेनाए मुंडि केदा। अदे: मेता:इआ नउवा जू ओड़ाते सेनो: मे आद कजीआ कोम अञ न:दो ओड़ा:ते दो कञ सेनो:आ बा अउरी पे तेबा गञ बारी दो। दसि को कजीआ कोम उडुङ तेआ पागा को को अउइका आद बु उडुङेआ।

नउवा- ओड़ा: ते: सेनो: जना आद सोबेनाए उदुबा: कोआ। एनलोओ गे सोबेन परजा सिपइ सोबेन को सेनो: जना बंदा ता:ते।

सिदा उतर ते राजा तेबा: केना बा मेनदो कए तेबा: केदा लगा जनाए आद कए दड़िआए दा इमतङ गे होन किङ दुरङ ते किं जगाराइ ताना

दुरङ–	ओ दादा केयोरा	ए दादा केयोरा
कुड़ी होन	बाबा हमर फूल माँगे	आबा अलङा बाए असी ताना
	देबो नो कि नही दादा	लङ ओमाइया चिक
	देबा नो कि नहीं।	ओमाइलडचिका
कोड़ान–	ओ बहना केतकी	ए मिसिञ केतकी
	भूंइयार लोटइन ऊपरे	चेतन रे उपला ओएन मे
	टेकइन दे	ओते टेका देन मे।

बरन बा किङ मोसा चेतन ते रकब ताना मोसा बितर ते बोलोआ मोस मोस दो ने:गे सबे लेका रिकाओआ मेनदो काको सब दड़िआ ताना। राजा तयोम दासी कमिड़ि को राइती परजा को सोबेन बा ए तेबा रिका को: कोआ मेनदो जेताए काको तेबा दड़िआदा आद एनका गे किं दुरङ रुड़ा जादा। मेनदो राजा ओड़ा:ते सेनो: गे कए नम आद नेआ बा पे तेबा गञ एनडेञ सेनागाए मेता को ताना। निदा सिंगि एनतारे गे पड़ि पड़िते बा को तेबा ताना मेनदो जेताए काको दड़िआ ताना। टुन्डु रे को मेन जादा ओकोए तको ओड़ो: को सरेआ काना का मन जादा रानी किङ गेदङ सरेअ काना अउ ली किङ पे मेता को ताना। एनाते रानी किङ को अउ के: किआ इन किङ तेबा जदचि बा किङ दो जदका बितर ते बोलो तना आद दुरङ ताना

हे दादा के योरा	दे दादा केयारा
मायो दुश्मन फूल मागे	दुश्मन एंगा को
देबो ना कि नही दादा	बा को असी ताना
देबो नो कि नहीं	लङ ओमा को आचि का
हे मइया केतकी	ह मइया चेतनोर उपलाअअन
उपरे टेका इन	ओतेरे टकोओन मे
भू लो टाइन दे	

रानी कुड़ि कि बुजाअ ताना आद दोना दोना नरे दुश्मन दुश्मन जादा लङ सेनोगा। किं मेन केदा आद किङ सेनो: जना। नेआ कामी कोदो नि किआ: गे मेनेआ: सोबेन को मुंडि केदा आद न:दो चना बु उपाएआ मेनेआ को उड़ु: ताना। तयोम तेदो राजा उड़ु: नम केदा अएआ: गलती बेगर उड़ु: विचार तेगेञ कानी केदा नेका मेनेआ। एनाते: मेताको ताना जुआ न:दो द्वार बाहर

ताइ रानी गे बुजाओ लीआ इनि: एनङ गोद दड़िआ ने बा किङ दो एनाते को सेनो: जाना रानी ता:ते आद को मेतइ ताना चि रानी मेना: मचि। रानी गुयुआते: उडुङ लेनचि हे मेना: इआ चिलका जगर तोवे पे हिजुका कानाए मेताको ताना। का रानी राजा दङ रा: ता: मा बंदा रे बरिआ सुगड़ा सुगड़ा बा किं बा काना गोटा राज रेन होड़ो कोले गोद केना मेनदो जेताए काले गोद दड़िआया सोंजो को अमजा:म गोद दड़िआरेदो राजाए कुल ता: लेआ को मेतइ ताना रानी कीस ते: बुल तन गेआ अदे: कजीआ को ताना हनकु दङ तए रानी को मेना: कोआ अञ दोए उडुङ गिड़ि ता: इञा चिकम जरुडु अञ कञ सेनाए मेन केदा जू राजा कजीइआइपे सिपइ को रुड़ा लेनचि सोबेना: राजा को उदुबा:इआ। इमिन रेओ राजा ओड़ो: गे कुम रुड़ा के कोआ अदे: मेता: कोआ नेसोकम दो अउते अउइपे राजा अञ गेञ गलती केदाए माफ तञ का मरे: हिजु रुड़ा का करेदो अञ नेअ बा किङ बगे केआते कञ जीदोआए मेन जादा मेतइ पे।

ओड़ो: सिपइ को सेनो: जना आद एनकागेको कजीआद ताना। रानी-अञ दो नेका तेदो कञ सेना सिंड़ि: गे हेबेन गेञ सोबन तना चाला लेकञ बोओआ काना बाना को लेकना सर सरा काना। जू राजा कजीअइ पे नउवा धोबी: कुल तको का आद होरा होरा ते सिंदुरी को दुब ताका गोओ: को रु रु कोए नम तको का गो: तन रे दुडुइलेका का सेने काए मेता: कोआ। एन लो: गे ता: रुड़ा लेन चिको उदुबइ ताना सोबेन:। एनलो:ओगे नउवा धोबी कुल के कोआ सोबेना: सेकेड़ा सेकेड़ा को सम्पोड़ो केदचि अउ को सेनो: जना।

रानी: समपाड़ोन जनचि चाउडल रे: दुब जना। राजा गाजा बाजा तन को अउ किआ एंगाते हिजु: तनचि बा किं दो गोटा बदा टोलो मोलो तन रिका ताना ने:गे अतोम ते उडुडोआ मेन लेका लिडु जोपोद तनकि रिकन ताना। नाते एंगा तेआ तोवा किङ साड़ाताना तोबा परिड़ि ताना लिजा: राटि लुम गिड़ि जना।

बादा अतोम रे गदी को बिल तादा आद मजा सिंगार तादा चिलका एंगाते चउडलाते हड़ागुन जना। आद गदा रे दुबजाना। एनका गे होन किं जुड़ि तेगे निर उडुङ ला: आद बरन सा: बुलु: रे कि दुब जना आद किं नूनू ताना।

नेआ को लेल केदचि सोबेन होड़ो कोआ जी दुकुजना आद मेददा: गे जोरो जना राजा ए गोसो गिड़ि जना आद कुसुद लेकए रा:तन काजि ताना बा लेकन होन किङ ने कञ सदाओ के: किङा। मेनते आद रानीआ: काटारे उयुडन जना।

हुड़िङ हेड़ा होबा जनचि दोला बु न:दो ओड़ा: तेबु सेनोगा जे होबा जना: होड़ो: होबा जन गेआए मेतइताना रानी मेन दो अले काले सेना अमा: ओड़ा तेदो अले होने: होपोन दो गुयु तेगे इदी तुका लेपे एनरे गेले तइना हनकु अमा: रानी को मेना: केआ अञेम चिकाजाए मेताइ ताना। इमिन रेओ राजाए हाइरी गोवारी तन गेआ तन गेआ एनाते: मेता: कोआ जू ओड़ा:ते सेनो: पे आद मियद कुँआ उरे पे आदे दा: का उडुङ ताना मेता कोपे केचा: केचा: लिजा: तेलिजा: कोओचि चुमन लेपे तोबेरे एनङ दा: उडुङोआ एनाते को चुमन तनचि उदुर हांड़ाप ताको पे आद तोपा तको पे: मेता: कोआ।

सिपई एनका गेको रिका केदा एनाते हुडिङ रानी लो: होन होपोन सोबेन को गाजा बाजा तन को गो: इदी के: कोआ ओड़ा:ते एनाते जिनीद बारी मजा लेका को ताइन जाना।

(हिन्दी)

सौतन की ईष्या

एक गाँव में एक राजा था। उनकी तीन रानियाँ थी परन्तु उनके कोई बाल बच्चे नहीं थे। इसलिए राजा बहुत दुखी रहता था जो भी देखता उसका बांझ राजा बोलता था।

एक दिन की बात है एक बुढ़िया भीख माँगने जा रही थी। राजा भी नदी नहाने गया था और लौटती में दोनों की मुलाकात हो गयी। बुढ़िया पार होने के बाद अकेले कुछ कुछ बोलते हुए बड़बड़ाने लगी कि हे भगवान आज तो इस बाँझ राजा ने देख लिया पत्ता नहीं भीख मिलेगा कि नहीं। राजा सुन लिया और वापस बुलाने लगा ए बुढ़िया रुको क्या बोल रही थी बुढ़िया डर से काँप रही है राजा ने बात करते हुए सुन लिया और मुझे मार डालेगा फिर भी वह रुक गयी और बोली डरते हुए नहीं बाबू मैं तो कुछ नहीं बोल रही थी। राजा फिर कुछ तो बोल रही थी चलो घर। बुढ़िया– नहीं बाबू नहीं जाऊँगी भीख माँगने में देर हो जाएगी। राजा नहीं माना तो उसने बता दी नहीं बाबू ऐसा नहीं बोल रही थी। उसके बाद घर ले गया और अपनी रानियों से कहा चलो इस बुढ़िया को एक सूप चावल दो और एक सूप दाल उसी प्रकार उन सब को दे दी। जाओ अब दाल भात बना लो और भर पेट खा लो कहते हुए बिदा कर दिया।

बुड़िया खुशी खुशी घर आ गयी और दाल भात ढेर सा बना ली और पेट फटने तक खायी।

राजा उसी दिन से घर से निकल गया घन घोर जंगल के बीच में चला गया खाना पीना छोड़ दिया और आँख बन्द करके बैठ गया तपस्या में। राजा का दरबार में दिन रात राजा प्रजाओं का भीड़ लगी हुई थी परन्तु राजा नहीं है। दिन रात राजा की खोज हो रही है कहाँ गए कहाँ गए सभी लोग बोल रही है परेशान हो कभी रानियों को पूछते हैं परन्तु रानियों को भी पत्ता नहीं था।

राजा की दशा देख कर ईश्वर को दया आ गई और भगवान खुद उतर गए और राजा के तपस्या के सामने प्रगट हो गए और पूछने लगे कि तुम यहाँ पर क्या कर रहे हो तुम्हारा घर में तो दिन रात आदमियों की भीड़ लगी हुई है तुमको क्या की कमी रुपया पैसा भरा पड़ा है धन दौलत से भर गया है घर तीन तीन रानियाँ है। जाओ घर जाओ परन्तु राजा बोल रहा है मैं घर नहीं जाऊँगा यही पर रहूँगा। घर जाकर मैं क्या करूँगा। अंत में भगवान बोल रहा है क्या चहाते

हो बोलो क्या माँग रहे हो क्या की कमी है जो मागोगे सो दूँगा। राजा–हे साधु बाबा मेरा घर अंधकार है घर प्रकाश नहीं आ रहा है इसी का मुझे दुःख है जो भी देखता है बाँझ राजा बोलता है।

भगवान – ओ इसी को माँग रहे हो। जाओ घर जाओ एक उपाय बता देता हूँ वैसा ही करो तुम्हारा घर में प्रकाश आ जाएगा।

उसके बाद एक आम का गुठली दिया और बोल दिया तुम नहाने नदी जाते समय इस गुठली रास्ता के किनारे रोप दो जब तुम लौटोगे तो उसमें तीन फल होंगे। उसको तुम एक हाथ से मारो और दूसरे हाथ से लोको घर आकर तीनों रानियों को खिला दो तुम्हारा घरमें किलकारी आ जाएगी। राजा वैसा ही किया नदी जाते समय गुठली को रास्ता किनारे रोप दिया लौटते समय उसमें तीन फल हुआ उसको तोड़ लिया और घर आकर के रानियों को दे दिया और बोल दिया ये आम तुम लोग तीनों बाँट कर खालेना। परन्तु बड़ी रानी दोनों ने छील कर खा गयी छोटी रानी उस समय लीप पोत नहा धोकर खाना बना रही थी। सब काम खत्तम करने के बाद बड़ी रानियों से अपना हिस्सा का आम माँग रही थी तो उन दोनों ने कहा दिया नहीं हमी दोनों खा लिये। चूँकि राजा छोटी रानी को ही ज्यादा प्यार करते थे। इसलिए बड़ी दोनों चिढ़ती थी। उसके बाद छोटी दाई के बोल दी कि उसको छिलका तुम कहाँ पर फेंकी उसे धोकर पीस दो मैं पी लूँगी। दाई उसको धोकर पीस उसी को पी ली।

बड़ी दोनों तो बहुत खुस हो रहे हैं अब तो हम दोनों को केवल बाल बच्चा होगा और छोटी का तो नहीं होगा।

कुछ दिन के बाद तो छोटी रानी गर्ववती हो गयी और बड़ी दों का तो कुछ नहीं? यही सब देख कर राजा और भी उसको दुलार करते।

धीरे धीरे समय पहुँच गया। पहले जमाने में राजाओं का एक ही मकसद था जंगल में जाकर शिकार करना। उस दिन भी राजा शिकार करने जंगल जाने लगा और जाने के पहले घर में बोल दिया कि लड़का होगा तो सोना का घंटा बजाओ और लड़की होगी तो रूपा का घंटा।

राजा के जाने के बाद बड़ी रानी दोनों ने मिल कर छोटी रानी को हफीम गांजा सब मिलाकर दी छोटी रानी को कुछ पता नहीं चल रहा था। लड़का हुआ तो सोना का घंटा बजाया और लड़की हुई तो रूपा का जंगल में शिकार करते हुए राजा को घंटा का आवाज सुनाई दिया था। पैदा होते ही बच्चों को तो छिपा दिया और रानी को तो एक आधा जला हुआ लकड़ी और एक घिसा हुआ झाड़ू

को खून से लट पटा कर दे दिये और रानी दोनों ने दाई से कह दिया जाओ न जाओ न बच्चे को माद गढ़ा में तोप दो मर जाएँ। दाई वैसा ही की। बच्चों को तो गोद में लेकर बाँध कर ले गयी और खाद गढ़ा में तोप दी।

शाम को जब राजा आया शिकार खेलकर और घर घूसते ही पूछ रहा है कैसा तब एक बार सोना का घंटा सुनाई दिया था एक बार रूपा का कहाँ है बच्चे देख लूँगा। बड़ी रानी दोनों तो गुस्सा के बाल रही है वहाँ पर है तुम्हारी पत्नी है एक आधा जला लकड़ी का टुकड़ा एक घिसा हुआ झाड़ू को जन्म दी है।

राजा इन बातों को सुन कर छी: छी: जाओ जाओ ले जाओ सिमान बाहर में ऐसी पत्नियों को नहीं चाहता हूँ। तुरन्त उसको सिमान बाहर ले गए एक झोपड़ी बना दिया गया और वही छोड़ दिया बिना छूत मिटाए नउवालाए बिना। वैसी ही वही पर रहने लगी।

एक सप्ताह जैसा हुआ कि रानी दोनों दाई से बोलने लगी जाओ तुम देख कर आओ बच्चे मर गए कि। दाई जाकर गोबर हटा कर देखी तो बच्चे मोटे तगड़े हो गए बार बार गोद लेने जैसा दीख रहे गोबर में रहने वाले पिल्लूओं ने दूध पिलाया।

उसके बाद फिर तुरन्त दाई से कहने लगी कि जाओ बच्चों को लेकर जाओ और गायों के में छोड़ दो गायें जब शाम को आएगी तो उसके बीच में सुला दो गायों खूंद कर लातकर मार डालेगी नहीं तो राजा हम दोनों को मार डालेंगे। दाई तुरन्त गयी और वैसा की एक को सामने बाँध दी दूसरे को पीछे और ले गयी और गयों के झूंड में छोड़ दी गयों ने वहाँ पर उसको दूध पिलाया और बड़े होने लगे।

एक दिन के बाद पुन: बच्चों को देखने लिए फिर दाई को भेजती है और तुरन्त देखने के लिए जाती है। दाई को देखते ही बच्चे उसके तरफ दौड़ कर आ रहे हैं। दोनों का तुरन्त उठा लेती है गोद में राज कुमार राज कुमारी जैसे लग रहे हैं।

कुछ देर रह कर लौट गई और सारी बातें रानियों को बता दी। शाम होने लगी तो बच्चों घबड़ा रहे हैं। और इधर उधर देख रहे हैं तो दाई नहीं है। उसके बाद लड़का ही बुद्धि लगाता है एक आम का गुठली को लेकर बोलता है हे भगवान हम दोनों यदि एक माँ बाप के बच्चे हैं तो यह आम का गुठली फट जाएगा। और हम दोनों उसमें समा जाएँगे। और कौवा ले जाकर मेरे पिता जी

का तालाब में गिरा दे। एक कौवा आया और वैसा ही किया आम का गुठली मुँह में दबा कर ले गया और राजा का तालाब में गिरा दिया।

दूसरा सबेरे एक नउवा पखाना करके धोने गया था उसी तालाब में तो देख रहा है तालाब में दो सुन्दर सुन्दर फूल खिला है उसके प्रकाश से पूरा तालाब प्रकाशमय हो गया है। नउवा किधर धोया किधर नहीं दौड़ते दौड़ते हाफते हुए राजा का दरवार में गया और प्रणाम करके बता रहा है जो हुजूर मैं तो देखकर पागल गया हूँ आपका तालाब में इतना सुन्दर दो कमल फूल फुला है उससे पूरा तालाब प्रकाश हो गया है मैं तोड़ने का बहुत कोशिश किया परन्तु नहीं तोड़ सका। राजा बोल रहा है– पता नहीं जी जात का नउवा हो झूठ तो नहीं बोल रहे हो। नउवा नहीं हुजूर झूठ कैसे बोलूँगा चलिये तो मेरे साथ आप भी देख लीजियेगा इतना सुन्दर फूल तो मैं जिंदगी में नहीं देखा है। उसके बाद राजा भी चला गया नउवा के साथ तालाब के पास पहुँचा तो राजा का आँख तो खुला का खुला रहा गया छन भर के लिए तो देखते ही रह गया और राजा के (बापके) आते ही फूल एक बार किनारे आता है फिर गहराइ में चला जाता है। राजा भी उसे पहुँचाने का बहुत कोशिश किया परन्तु नहीं सका। और समझ भी गया कि क्या है सो उसके बाद राजा कहने लगा जब तक फूल नहीं लूँगा घर वापस नहीं जाऊँगा। नउवा घर आया और इसका खबर राज दरबाद में दिया उसके बाद सभी राजा प्रजा तालाब के पास गए और देखे तो अचम्भित हो गए। उसके राजा हुकुम दिया फूल पहुँचाने के लिए रस्सी डंडा सब लाओ कोई जाएगा और फूल तोड़ेगा मुझे किसी किम्मत में फूल चाहिये। राजा के हुकुम के अनुसार सारा सामान लेकर आ गए उसके राजा ही पहले फूल तोड़ने का कोशिश कर रहा है— दोनों बच्चे इधर से उधर हो रहे हैं बाहर अन्दर दौड़ रहे हैं। और बोल रहे हैं— लड़की - ओ दादा केयोरा।

बाबा हमर फूल मागे
देबो नो कि नहीं दादा
देबो नो कि नहीं।

लड़का - ए बहना केतकी
भूइए लोटाइन ऊपरे
टोकाइन दे।

दोनों बच्चों एक बार ऊपर एक बाच नीचे जा रहे हैं। परन्तु नहीं पकड़ सके परन्तु राजा को पूरा समझ में आ गया।

जितने उनके दरबार में हैं राजा प्रजा सभो ने फूल तोड़ने का कोशिश किया परन्तु नहीं तोड़ सका बाद में तो सभों को समझ में आ गया। जब सब कोई खतम हो गया तो रानियों को फूल तोड़ने के लिए बुलाया। रानी दोनों गइ और वे भी तोड़ने का कोशिश करने लगी— फिर गाना बच्चे बोल रहे हैं—

लड़की — ओ दादा केयोरा
मायो दुश्मन फूल माँगे
देबो नो कि नहीं दादा
देबो नो कि नहीं।

लड़का — ऐ बहन केतकी
भूइए लोटाइन ऊपरे
तेकाइन दे।

रानी दोनों तुरन्त समझ गयी और बोल रही है यहाँ पर दुश्मन दुश्मन बोल रहा है और चली गयी उसके बाद राजा फिर उपया सोचने लगा अंत में छोटी रानी ही याद आयी। नौकर चाकरों को बुलाकर बोला जाओ जी अब छोटी रानी ही को एक समझा कर देखो शायद वह पहुँचा पाएगी तो फूल नौकर तुरन्त चले गए छोटी रानी के झोपड़ी में और पहुँच कर बाहर से बुलाने लगे रानी माँ आप घर में हैं कि नहीं रानी अन्दर से ही जवाब दी और निकली बाहर और हाँ हूँ घर में ही बोल रही। क्या बात है कैसा खबर लाए हो बोल रही है। नौकरों ने कहा हे माता आप को राजा ने बुलाया वहाँ का तालाब दो सुन्दर सुन्दर फूल खिले हैं कोई उसको तोड़ने नहीं सक रहा है राजा लेकर प्रजातक किसी ने नहीं तोड़ पाया। रानियाँ भी आयी थी परन्तु उन्होंने भी नहीं तोड़ सकी। सो आप शायद तोड़ने सकेंगे तो इसलिए हम लोगों को राजा ने भेजा है। हम लोग पूरा राज्य के लोगों ने फूल तोड़ने का कोशिश किया लेकिन बेकार। इसलिए शायद आप तोड़ने सकेंगे तो। रानी बाली - वो तो तीन तीन रानियाँ है मेरा क्या जरूरत है मुझे को तो उसने निकाल बाहर कर दिया मैं नहीं जाऊँगी जाओ राजा को बोल दो।

सिपाई लौट गए और सभी बातों को राजा को बता दिये। उसके बाद फिर एक बाहर सिपाईयों को भेजा बुलाने के लिए और बोल दे रहा है जाओ और एक बार समझा लो जो गलती हो मुझसे सो तो हो गयी परन्तु मै जाऊँगी यहाँ से घर जब तक फूल नहीं मिलेगा इसलिए मुझे माफ कर देंगी और आएँगी बोलो सिपाई लोग जाकर सारी बाते बता दिया इस पर रानी बोलो जाओ बोल दो मैं

ऐसा हालत में नहीं जाऊँगी मेरी शरीर बदबू आ रहा है। मेरा नाखून भालू का नाखून जैसा बढ़ा हुआ है मेरा सिर इतना बड़ा हो गया बाल कूटने से गुन्डा हो जाएगा जाओ राजा को बोलो एक धोबी और एक नउवा भेज देंगे और ढोने वाला आएगा बजाने वाला रहेगा रास्ता में सिंदुर छिंट देना ढोने वालों का पैर उसमें घूस जाए इतना बोल कर भेज दी वापस। सिपाही गया वैसा ही बता दिये जैसा रानी बोली थी। राजा तुरन्त नउवा धोवी, घासी, पालकी ढोने का खोजने का आदेश दिया वे भी तुरन्त आए। और रानी को लाने गाजा बाजा के साथ चले गए। रास्ता सिंदूर छिड़का हुआ पालकी ढोने वालों का पैर घुटना तक घूस रहा था।

तालाब के किनारे गद्दा बिछा दिया गया रानी डोली में बैठ कर जैसा तालाब के पास पहुँचने वाली थी। दोनों फूल चारों तरफ तालाब में दौड़ने लगे एक बार बाहर तो एक बार भितर जाने लगा। इधर रानी छाती दूध से भर गया सारी साड़ी भींग गयी। डोली से उतर कर गद्दा में जैसा ही बैठी दोनों बच्चे पंक्ति में दौड़कर निकले और दोनों गोदी में बैठ गए और दूध पी रहे थे। राजा को बहुत दु:ख और अपनी करनी पर पछताने लगा और सुबक सुबक कर रोने लगा।

थोड़ी देर तो राजा रानी को बोल रहा है चलो अब घर जाएँगे रानी बोली हम लोग तो घर नहीं आएँगे वहीं झोपड़ी में तीनों माँ बच्चे रहेंगे इतना सुनते ही राजा और जोर से रोने लगा राजा तो क्या वहाँ मौजूद सभी लोग रोने लगे।

उसके बाद नौकरों को बुला कर बोला कि जाओ तुम घर और एक नया कुँआ खोदो कुछ गडढ़ा होने पर रानियों से बोलो कि पानी नहीं निकल रहा है सो आप लोग फटा पुराना कपड़ा पहन कर और सभी गहना खोल अरती उतर लौ तो पानी निकलेगा रानी गए वैसा ही की कुछ खोदने के बाद पानी आने लगा तो आरती उतारने के लिए जैसा बोला गया वैसा ही तैयार हो गयी और चुमावन करके एक साथ प्रणाम कर रही तो दोनों को ढकेल दिया गया और मिट्टी भर दिया गया। इसके बाद रानी को दोनों बच्चे के साथ गाजा बाजा के साथ महल में लाया और सुख पूर्वक जिन्दगी भर रहे।

(मुण्डारी)

होनको संगी रेआ कसला

बरिआ हड़म बुड़िया किङ ताइकेना इनकिङा: ए'आ कुड़ि होन को ताइकेना जनाओ नम आद जोमगे। हड़म बुड़िआ नम उदम किङ सेनोआ सेता:रे आद अयुब एनङ किङ हिजु:आ मेनदो जनाओ मोमोद लोपेद गे। एनाते मुसिङ हड़म बुड़िआ किङ जगर ताना- तिसिङ दोना अयुब एनङ हेड़ा तेलङ हिजुगा टिकि होनको दुमुमा कन ताइना आद अलङ बारि मंडि उतुलाई बिओ गेलङ जोमेआ मेनते। अनादो मियद होन अयुम के: किङा। आद एन दुलङ नुबा: गो: रेओ काकिं हिजु: ताना एनाते सोबेन होन को मियद मियद मंडि उतु तेआ: चटु सुंडि को को गिति: हम्बुद केदा। ओकोए चटुए हम्बुद केदा ओकोए जोनोए हम्बुद केदा ओकोए जुला रे: गिति: जाना हड़म बुड़िआ निदा नुबा एनडा किङ हिजु: ताना लेल जा: कोआ किङ सोबेन को मितिआ: काना। एनाते हड़म मेन जादा मरना बुड़िआ सेकेड़ा-लङ मंडि उतुइआ बेस को दुडुमा काना मर रुडुङ बाआए में: मेतइ ताना एनलोओ: तुकु हम्बुदा कादी: अञ गा आबा रूडुङेए मेन जादा। एनाते इनि: रुडुङ केदा ओड़ो हड़म मेन जादा मरना बेस बु अपि होड़ो गेआ चटु को गसारे बेन बु मंडि बा:एआ। एन लो: दो चटु हाबुदा कपि: अञ मा आबा गसारेआए मेन जादा। एनका एनकाते सोबेन को बिरिद चबा जाना। मंडि केद उतु केदा को आद हटिङ जोम.केदा मोमोद लापेद।

गापा तेरे दो हड़म खींस किआ: आद ए'आ होन कोआ ए'आ गोजाए बाइ केदा एंगा ऊर तेआ आद सेता:रे बिर ते: इदी के: कोआ संगा ऊर मेनते। मियद तुम्बा ते दा: को इदी केदा। बिरको तेबा: लेदचि सोबेन अपन अपन को दांड़ा बाड़ा ऊर बाड़ा ताना संगा आद दो कोबु बुलाओआ कन लेकाए टोर केद चि:निर बगे के: कोआ आद तुम्बा दो होयो स:ते मोचा तदचि हाका तुका दा होयो लेचि हुदू तन सड़ी ताना। अयुब अयुबो: तन चि होन को दपाड़ां ताना आद आबा गाइ मेन लेचि तुम्बा हू हू केन सड़ी ताना इती: दङना आबा को मेन जादा। मड़ि मड़िते तुम्बा रूड़ि, तन ता: को तेबा: ला: दो को लेल जादा तुम्बा हाका काना आद होयो लेचि हू हू तन सड़ी ताना। ने: ना ने तुम्बा सड़ी ताना आबा दो कोते: निर बागे के बुआ को मेन अयुबो

अयुबो: ताना मड़ी मड़ी ते बिराते को उडुङ जना मियद बंदा को नम तादा एनता: रेओ ए'आ राजा होन को रेड़ान को हिजुआ कन ताईकेना राजा होनको कुड़ि होन को को लेल जा: कोचिको कुली जा: कोआ कोतेपे ताना मेनते मेनदो कुड़ि होन को मुंडि काको नम जादा कोतेले सेनोआओ आद काको उदुब दड़िआ ताना चिआ:चि अदा कन लेकाको रिका काना एनाते राजा होनको मेताको ताना अले ले इदी पेरेदो पे सेना चि मेनते कुड़ि होन को हे को मेन जादा। एनाते मपरं हुपुड़िङ लेका को इदी के कोआ। आद मजा लेका जिनीद बारी को ताइन जाना।

(हिन्दी)

जन संख्या की समास्या

दो बुढ़ा बूढ़ी थे। उनके सात बेटियाँ थी। प्रति दिन खोज खाना ही उनका दिनचार्या था। बूढ़ा बूढ़ी दोनों रोज काम धंधा करने जाते और बच्चों का पालन पोषण कर रहे थे। एक दिन रोज की तरह चारा खोजने जाने के पहले बूढ़ा बोल रहा है ए बुढ़िया आज तो थोड़ा देर से आएँगे ठीक बच्चे सो जाएँगे तो हम दोनों भर पेट खाएँगे। ऐसा कहते हुए एक बच्ची सुन ली। ठीक में उस दिन दोनों बूढ़ा बूढ़ी शाम होने पर भी नहीं आ रहे हैं। उसने सभी बच्चियाँ एक एक सामान को लेकर सो गयी को पकाने वाला घड़ा लेकर सो गई को सूप लेकर तो कोई झाड़ू लेकर और कोई चूल्हा में सो गयी। रात में बूढ़ा बूढ़ी दोनों तो देख रहे हैं सब कोई चुप चाप सो रही है बूढ़ा बोल रहा है चलो न बुढ़िया जल्दी-जल्दी कोश कूटो झालू करो झाड़ू लेकर सोयी है वह बोल रही है मैं कहूँगी फिर बूढ़ा बोल रहा है चलो जल्दी जल्दी चूल्हा जलाओ और पकाने का बर्तन सब धो चूल्हा में सोयी है वह मैं बाबा आग जलाऊँगी मैं पानी लाऊँगी वैसा करते करते सब कोई उठ गयी और पका चोका कर एक एक मुठा खा लिये। दूसरा दिन तो बूढ़ा को गुस्सा आ गया और लड़की को एक एक गोजा बनाया और जो कोढ़ने का काम आता है सातों को दे दिया एक एक गोजा और एक एक तुम्बा में (सूखा कद्दू का बना हुआ बर्तन) पानी ले आया और सभी को जंगल ले गया कांदा खोजने के लिए। लड़कियाँ इधर-उधर कांदा खोज रही है अपना अफना और बूढ़ा चुपचाप चला गया तुम्बा को तो हवा का बहाव तरफ मुँह कर के एक पेड़ पर टाँग दिया जब हवा करता है तुम्बा से हू हू आवाज आता है और बेटियाँ बोलती है वाह रे बाबा तो है। वैसा करते शाम हो रही है। खोजते खोजते तुम्बा टंगा हुआ जगह पहुँची तो देखती है तुम्बा टंगा हुआ है और उसका मुँह से आवाज निकल रहा है देखती है तो बोलती है देखो नारे पिताजी तो चले गए और इस तुम्बा को यही टांग दिये हैं यहा आवाज सुनाई देता था बाबा जैसा। तब तक और भी शाम हो गयी अब तक बका रही है कहाँ जाएंगे कहाँ जाएंगे सोच रही है।

बाद में धीरे-धीरे निल गयी जंगल से जगंल के बाहर एक तालाब था उसमें सात राजकुमार नहाने के लिए गया हुआ था। उन लड़कियों को देख कर पूछने लगे कि तुम लोग कहाँ से आयी हो कहाँ जा रही हो पर लड़कियों को रास्ता का कुछ पता नहीं चल रहा था कहाँ जाएँगे किधर जाएँगे सो भी और वैसा बता दी सारी घटनाएँ राजकुमार बोले यदि हम लोग ले जाएँगे तो जाओगी लड़कियाँ हाँ बोली है। और तो कोई रास्ता तो नहीं था। बड़ा छोटा के अनुसार ले गए और रख लिये और सुख पूर्वक रहने लगे।

(मुण्डारी)

तिरिल जारोम पका केंदु

सिदा जुगु हटिकुटि घटना को होबा तन तइकेना। राजा कोलो लड़ाई, बिर जनोवर कोलो सोंगोति पिरिति अंड़ादी कोड़ादी को (कुला, बिङ चेंड़े चिपुरूप कोलो:) होबा तन ताइकेना। ओकोए हई लोओए सोंगे लेना ओकोए चोके लो: ओड़ो: ओकोए काड़ाकोम लो: मेन लेका आद इनकु लो: जागर जापागार ताइकेना एना कोगे नआदो कहानी बइ जाना आद पुरना कानि (लोक कथा को) मेन जादा।

ने लेकागे बरिआ कुड़ि होन कि हटिआ रेकिङ इनुङ तन ताइकेना मियद काउ मोचारे तिरिल जारोमे: हुआ: तनचि: अपिर परोम तन ताइकेना। अनादो एन होन किङ ता: रेगे उयु: जना एनलोओ गे किङ हलङ केदा आद किङ जोम केदा अनादो जोरते सिबिल के: किङा। एनाते काउआ: लतर लतर ते किङ मिरा कादा। काउ चेतन चेतन ते होन किङ लतर लतर ते आद दुरं ते किङ कुलि इदी ज:इआ :-

दूरं — कोरे: काउ कोरे: काउ में तिरिल जरोम दो
हेने: दोना कुड़ि किङ मियद बुरु परोम रे

एनकागे कुलि कुलते मियद बुरु बटिआ अपिआ बुरु किङ पारोम केदा। अपिआ बुरु परोम रे तिरिल दारु ताई केना। आद तेबा: केदचि किङ लेल जादा दारु रेओ जरोम गिड़िआ काना आद ओते रेओ उयु: पेरेआ काना एनाते किङ जापार ताना ओते रा: लङ जोमा चि सिरमा रा: एनाते मरं नि: मेन जादा नमिन संगिन लङ हिजु:आ काना दो सिरमा रा: (दारु) गेलङ जोमा। एनाते मरङकुड़ि होन दारु रे: दे: जाना अदे: रुकु केद रुकु केदा आद लाई बिओ: गेकिं जोम केदा। एनलोओ: दो हुड़िङ नि: दा:तेतङ जा:इआ। दारु चेतनाते गे मरं नि: गाड़ी को हिजु: तने: लेल जा: कोओ तेबा: लेदचि सोबेन को दे: जाना दारुरे तिरिल जोम मियद हड़म गाड़ी दो दारु काए लेल जई चि तिरिल पे उयुगाञ रेदो मियद जिनीसिञ लेला कादा संगी तेलु जोनेआ। मरं कुड़ि दो दा आउए सेनो:जाना आद हुड़िङ नी:दो मियद चुपद रे उकु तुका:इआ। नाते गड़ी को हड़ागुन जनचि को जोम किआ। जङ को बारी सरेआ काना मियद बटिआ एनता:रे। दा:आउआते रुड़ा लेन चि: मियद बरिआ लेलो: ताना एनातेदोए टोरे केदा को जोम किआ: मेनेआ: दो। मियद

मरङ लेकन जंग दो हड़म गाड़ी इदी केदा केन्देरा बइ मेनते एनाते केन्देराए बइ केदा आद ओड़ा: ओड़ाए कोय तन तइवोना। केंदरा सड़ी तना - पानी लाने गेले दीदी सात सौ बन्दारा दी दी आलाएँ खालाएँ चीड़ फाड़ के चाइते अयुम लेदचि एनलो:गे टोर केदा जोम किआ: मेनेआ जो कोय तन कोचेतन मुसिङ दइतेआ ओड़ो: गे सेना काना अदे: साड़ी जादा दइते एनलो:गे एना केन्दाए कु केदा आद एटा केन्दराए दो तादा। हड़म गो एटा: ओड़ा:ए सेना कनचि: सड़ी जादा दो का सड़ी ताना हड़म गाड़ी खींस जाना आदे: तबा: ला: दो रापुद जाना। ये लेकागे ओड़ो गे चिपिनङ कानि को ने लेकन घटना कोलो जोंड़ेना काना।

(हिन्दी)

पका केयोद

पुराने जमाने में तरह तरह की घटनाएँ हुआ करती थी। राजाओं के साथ लड़ाई लड़ना, जानवरों के साथ बात चीत, चिड़िया, बाघ, भालू, हाथी, मछली, केकड़ा और भी जनवरों के साथ मनुष्य का सम्बंध था, चूंकि पहले सत युग था। सभी चीजें सत्य थी इसीलिए आदमी और जानवरों के बीच में शादी प्रेम प्रीति होती थी। यही किस्सा कहानी आगे चल कहानी बन गयी जो लोक कहानी या लोक कथा कही जाती है।

इस प्रकार- दो बच्चियाँ गाँव के बीच रास्ता में खेल रही थी। उसी समय एक कौवा मुँह में पका हुआ केयोंद दबा कर उड़ रहा था तो गिरा दिया बच्चियों ने तुरन्त उठा लिया और खा ली बहुत स्वाद लगा उसके बाद कौवे के पीछे-पीछे दौड़ने लगी कौवा ऊपर ऊपर उड़ रहा था और बच्चियाँ नीचे दौड़ रही थी और पूछते जा रही थी।

गाना – कोरे: काउ कोरे: काउ में तिरिल जरोम दो
हेने: दोना कुड़ि किङ मियद बुरु परोम रे

हिन्दी – कहाँ कौवा कहाँ कौवा पका हुआ केयोंद तो
वो तो लड़की लोग एक पहाड़ के पार में।

वैसा पूछते पूछते एक पहाड़ दो तीन पहाड़ पार केयोंद का पेड़ था पहुँच गी ऊपर पका हुआ था नीचे गिरा हुआ था केयोंद अब दोनों बाते कर रहे हैं ऊपर का खाएँगें कि नीचे का उसके बाद बड़ी वाली बोल रही है इतना दूर हम लोग केयोंद खाने आए हैं तो ऊपर का ही खाएँगे उसके बाद बड़ी बहन पेड़ पर चढ़ गई और गिरा दी दोनों भर पेट खा गए बाद में तो छोटी वाली को प्यास लग रही है। पेड़ पर से बड़ी बन्दरों आते देख रही थी जो केयोंद खाने आ रहे थे। उसके बाद सब को चढ़ गया पेड़ एक बूढ़ा बन्दर था सो पेड़ चढ़ने नहीं सकता था। वह नीचे ही रह गया और बोल रहा है मुझे गिरा दोगे तो एक खाने चीज देखा हूँ सब मिल कर खाएँगे। बड़ी बहन छोटी बहन को एक झाड़ी में छिपा दी और पानी लाने चली गयी। आने के पहले बन्दरों ने उसे खा लिया और वहाँ पर केवल हड्डियाँ था। एक बड़ी सी हड्डी को बूढ़ा बन्दर ले गया केंदरा बनाने के लिए पानी लाकर लौटी तो है उसकी

बहन नही है पूरा खोज रही है लेकिन नहीं मिली केवल एक दो हड्डियाँ वहाँ पर थी। समझ गयी उसके बाद उसके बूढ़ा बन्दर का केंदेरा बज रहा है। केंदरा बजाकर भीख माँगता था।

केंदेरा - पानी आने लगे दीदी

सात सौ बंदर दीदी

आलाएँ खालाएँ चीड़ फाड़ के

भीख माँगते माँगते एक दिन उसकी दीदी का घर ही गया है और बजा रहा था दीदी को तुरन्त पता चला गया बहन है सो और तुरन्त उस केंदेरा को छिपा दी और दूसरा केंदेरा दे दी।

उसके बाद बूढ़ा बन्दर दूसरा घर में जाकर केंदेरा बजा रहा था तो केंदेरा नहीं बज रहा है। बुढ़ा बन्दर को गुस्सा आया और केंदेरा को उठाकर जो पटक दिया तो टूट गया। इस प्रकार और भी कई कहानियाँ है। जो कई घटनाओं से जुड़ा हुआ है।

(मुण्डारी)

पुरना दुरङ को जदुर

1 ओको कोरे होको सुसुन ताना
जोजो चुटिआते दंसिन लेका
चिमए कोरे होको करम ताना
अकाड़ा दुड़ा रेगे तपेगेन लेका

2. बुण्डु कोरे होको सुसुन ताना
जोजो चुटिआते दंसिन लेका
टामाड़ा कोरे होको करम ताना
आकाड़ा दुड़ा रेगे तपेगेन लेका

3. बा बासी नादा होको सुसुन ताना
जोजो चुटिआते दसिन लेका
करम मोरेए तादा होको करम ताना।
आकाड़ा दुड़ा रेगे तपेगेन लेका।

(हिन्दी)

कहाँ पर नाच रहे हैं
इमली पेड़ से कूदने जैसा
कहाँ पर करम कर रहे हैं
अखाड़ा धूल में लोटने जैसा

बुण्डू में नाच रहे हैं
इमली पेड़ से कूदने जैसा
तमाड़ में करम कर रहे हैं
अखाड़ा धूल लोटने जैसा

सरहुल का बासी है नाच रहे हैं
इम्ली पेड़ से कूदने जैसा
करम का तीसरा दिन है करम कर रहे हैं
अखाड़ा धूल में लोटने जैसा

(मुण्डारी)

जदुर

1 अमा:रे जीदो बोले अञा: रेकुड़म
दीदी लेका बोलेञ जलातिङ ताना
अमा:रे जीदो अञा:रे कुड़म
कुड़िद लेका बेलेञ बुलतिङ ताना

2. हातु हातु बोलेञ जलातिङ ताना
जेता कोरे गतिङ कम लेलो:आ
दिशुम दिशुम बोलेञ बुला तिङ ताना
चिमए कोरे बोले कम चिनाओआ।

(हिन्दी)

1. तुम्हारा में जान है कि मेरा मे दिल
गीध की तरह मैं तो उड़ रहा हूँ
तुम्हारा में जान है कि मेरा में दिल
चील की तरह मैं चक्कर लगा रहा हूँ

2 गाँव गाँव में उड़ रहा हूँ
कहीं दिखाई नहीं दे रही हो
देश देश घूम रहा हूँ
कहाँ नजर नहीं आ रही हो।

(मुण्डारी)

जदुर

1 चिकन काजी बोलेञ आयुम केदा
पेटे गोसो पतड़ा लेकञ गोसो जाना
मेरे कोन बंकड़ा बोलेञ अतेन केदा
गेरा गोए दारु लेकञ मैला जाना

2. सिदा रेन गतिङ चिका इदी ञ:इआ
पेटे गोसो पतड़ा लेकञ गोसो जाना
तयोम रेन संगञ चिको बिदा ञ:इआ
गेरा गोए दारु लेकञ मैला जाना

(हिन्दी)

कैसी बाते मैंने सुनी
तोड़ा हुआ डाल की तरह मुर्झा गया।
कैसी खबर मुझे मिला
बाँध लगा पेड़ की तरह झुलस गया।

पहले वाली प्रेमिका की शादी हो रही है
तोड़ा हुआ डाली की तरह मुझा गया
बाद वाली प्रिये की बिदा हो रही है
बाँझ लगा पेड़ की तरह मैं झुलस गया।

(मुण्डारी)

होरा हेसा: जदुर

होरा हेसा: दो सासु ओकोए रोवा लेदा
डारे बाड़े दो सालु चिमाए पोवा लेद

होरा हेसा: दो सालु गतिम रोवा लेदा
डारे बाड़े दो सालु संगम पोवा लेद
तारा कोतो दो सालु हातु अतोम रेआ
तारा दाड़ा दो सालु दिशुम ताला रेआ।

(हिन्दी)

रास्ते का पीपल तो सालु कैन रूपा था
डहर का बरगद को सालु कौन गघी किया था।

रास्ते का पीपल तो तुम्हारे प्रिये रोपा था
डहर का बरगद तो सालू तुम्हारे साँगि गछी किया था।
कुछ डाली तो सालू गाँव के बाहर है और
कुछ डाली तो सालू देश के भीतर है

(मुण्डारी)

जदुर

1 मागे पागुन रे जदुर सुसुन को
असाड़ा सावन रे करम कोजोड़ो को

2. जदुर सुसुन को लिटि: लोपोङा
करम कोजोड़ो को लाटाङ कोयाङा।

3. लिटि: लोपोङा सेनो:गे मोनेञा
लटाङ कोयाङा बिरिदे गे सानञा

4. सेनो: रेदो सेनो: में सेनो: गेम कजीआ
बिरिदे रेदो बिरिदे मे बिरिदे गेम बाकड़ाँ

5. अम बड़ेम सेनो: जानरे तोवा बाञ बा जोमा
अम बड़ेम बिरिद जानरे अहल बाञ डासी जोमा।

तोवा बाञ बा तारे सयते गेम लेसीमा
अटल बाञ डाली तारे मोचो केनेम लँदाएआ

(हिन्दी)

माग फागुन में जादुर नाचने वाले
आसाढ़ सावन में करम नाचने वाले

जदुर नाचने वाले धूल धुरसित हो गए है
करम नाचने वाले अस्त व्यस्त हो गए हैं

धूल धुरसित हो गए है जाने का मन करता है
अस्त व्यस्त हो गए हैं उठने का मन करता है।

चले जाना है तो चले जाओ
बार बार जाने का कहते हो

उठना है तो उठ जाओ
बार बार उठने का ही बोलते हो

तुम अगर चले जाओगे तो दूधी फूल लागाऊँगी
तुम अगर उठ जाओगे तो अटलस उतल लगाऊँगी

(मुण्डारी)

जदुर

1 पाड़िआ रिगि भिगि हो
पाड़िआ जला तिङ तान
डुरिआ जोलो मोलो हो
डुरिआ बुलातिङ तान।

2. पड़िआ ओको कोरे दो
पड़िआ जलातिङ तान
डुरिआ चिमए कोरे हो
डुरिआ बुलातिङ तान

3. पाड़िआ सुसुन कोरे हो
पड़िआ जलातिङ तान
डुरिआ करम कोरे हो
डुरिआ बुलातिङ तान

(हिन्दी)

तुम्हारा बुना हुआ पड़िया
पड़िया उड़ रहा है
तुम्हारा फीता झलक रहा
तुम्हारा फीता फहरा रहा है
तुम्हारा कपड़ा कहाँ पर उड़ रहा है
तुम्हारा फीता कहां पर फरफरा रहा है
तुम्हारा फीता कहाँ पर फरफरा रहा है।
तुम्हारा पड़िया कपड़ा नाच में उड़ रहा है
तुम्हारा फीता करम में फहर रहा है

(मुण्डारी)

जदुर

1 दोलङ हिसी दोलङ चाडू रे
सुसुन को लेसे अगु ते
दोलङ हिसि दोलङ चाडू रे
करम को चिना आगू ते।

2. कइआ दिसि कइआ चाडू रे
गतिङो बंगइआ
कइआ दिसि कआ चाडू रे
सांगअङो रे बंगइआ

3. दोलङ हिसि दोलङ चाडू रे
सुसुन रेलङ नमीआ
दोलङ हिसि दोलङ चाडू रे
करम रेलङ चिनाइआ।

(हिन्दी)

1. चलो हिसी चलो चाडू (बाचा पक्षी) रे
हम लोग नाच देखने जाँएगे
चलो हिसी चलो चाडू रे
हम लोग करम देख आएँगे

2. हे हिसी मे नहीं जाऊँगी
मेरा प्रिय नहीं है
हे चाडू में नहीं जाऊँगी
मेरा नहीं है

3. चलो हिसी चलो चाडू रे
वही नाच में पाएँ गे
चलो हिली चलो चाडू रे
वही करम में भेंट होगा

(मुण्डारी)

जदुर

1 सागिन दिसुमा तेले हिजु:आ काना
सोंजोको ले नमानारे जादुर सुसुन

2. जिलिङ गमाएआ तेले सेटेरा काना
सोंजोकोले नमानारे करम कोजोड़ो।

3. सोंजोकोले नमानारे जदुर सुसुन
एंगा सिम पनादापे पदा जद लेआ

4. सांजोकोले नमाना रे करम कोजोड़ो
रुली मुइ तुनुडुपे इचा: केद लेआ।

5. एना मोसाले हेआतिङ ताना
एंगा सिम पानादा पे पदा केद लेआ

एना मोसाले चकातिङ ताना
रुली मुइ तुनुडुपे रचा: केद लेआ।

(हिन्दी)

हम दूर देश से आए हैं
अचानक पाए हैं जदुर नाच

हम लम्बा रास्ता पहुँचे हैं
संयोगवश पाय हैं करम नाच

अचानक हम पाए हैं जदुर नाच
बच्चा वाली मुर्गी की तरह तुमने हमें लाद दी

सयोगवश पाय है करम नाच
लाल चीटा की गतरह तुमने हमे इंक मारी।

उसको एक बार हम सोच रहे हैं
कि तुमने हम मुर्गी की तरह दी

उसको एक बार चिंता कर रहे तुमने
हमे लाल चींटी की तरह डंक मारी

(मुण्डारी)

जदुर

1 एलारे जुड़ीरेन मिरु किङ
एलारे हाड़ागुन बेन
एलारे जोतारेन कारे किङ
एलारे नोसोरेन बेन

2. एलारे निलेमा सुतामेते
एलारे हड़ागुन बेन
एलारे बदीना बायारते
एलारे नोसोरेन बेन

3. मरे हो टोन्डोम टोन्डोमेते
मरे हो हाड़ागुन बेन
मरे हो कुतम कुतामेते
मरे हो नोसोरेन बने

4. एलारे निलीमा सुतामेदो
एलारे सिदे जान
एलारे बदिमा बयर दो
एलोर रोचोद जाना

(हिन्दी)

हे मिरु की जोड़ी उतर जाओ
हे कारे को जीड़ी उतर जाओ
मीरु को जोड़ी नीली सूत से उतर जाओ
कारे की जोड़ी बादामी रस्सी से उतर जाओ
हे (!) उतरते उतरते नीली सूत टूट गयी
उतरते उतरते बादामी रस्सी टूट गई
नीली सूत की फिर से जोड़ कर उतर जाओ
बादामी रस्सी को फिर से बांध कर उतर जाओ

(मुण्डारी)

जदुर

1 अटा मटा बिरको ताला रे
अलो होम निरञा बगेञा
रामे को मारेचा रे
अलो होम निस्ञा राड़ाञ्प

2. काची होम लेले लेदीञा
सेंगेल लेकञर जुलेतान रे
काची होम चिना लेदीञा
दागे लेकञ लिंगि तान रे

3. कागे चाञ लेले लेदेमा
दिशुमेदो दुदुगार लेना
काचा होञ चिना लेदेमा
गामाए कोवाँसी लेना।

(हिन्दी)

इस घने जंगल में तुम
मुझे छोड़ कर मत जाओ
इस काँटा भरे मैदान में
तुम मुझे छोड़ कर मत जाओ

क्या तुमने मुझे नहीं देखा था
मैं आग के सामान चमक रही थी
क्या तुमने मुझे नहीं देखा था
पानी के समाना उमड़ रही थी

हाँ मैंने नहीं देखा था
दुनियाँ आंधी हो गयी थी
हाँ मैंने नहीं देखा था
कुहासा छा गया था।

चाव- तुम्हारा प्यार में आंधा हो गया था

(मुण्डारी)

जदुर

1 लामा: आङ गतिङ चिरे बुडुजु जाङ सगाञ
सांगिन दिशुमेरे पांडिल जाना
लामा: जाङ गतिङ चिरे बुडुजु जाङ सगाञ
जिलिङ गमएऐम चोलङ जाना

2. सांगिन दिशुमेरेम पांडिल जाना
ओकोरे गतिङ लङ लेपेल रुड़ा
जिलिं गमाए रेम चोलङ जाना
चिमाए रे सागञ लङ चिपिना रुड़ा

3. हासा बुरु हो बुरुइ रेदो
हासा बुरु रेलङ लेपेल रुड़ा:
बामानी जातारा होको जातारा‌ए रेदो
वामानी जातारा रेलङ चिंपिना रुड़ा:

4. हासा बुरु रेलङ लेपेल रेदो
तीरे मुदामे लङ ओमामेआ
बामानी जातरा रेलङ चिपिना रेदो
होरो रे काड़े मालाञ चेदामेआ

(हिन्दी)

हे प्रिये लामा: (लरं वाला एक फल) के बीज के सामान अथवा
कचनार के बीज की तरह
बहुत दूर छिटक गई हो
बहुत दूर चली गया
फिर और कहाँ मुलाकात होगी

फिर कहाँ और भेंट हो गयी
जब हासा (गौरव) का मेला होगा उससे भेंट होगी
बमानी का जतरा होगा उसमें मुलाकात हो
हासा मेला में भेंट होगी मैं तुम्हीं हाथ का अंगूठी दूँगी
बनामी जतरा में मुलाकात होगी तो मैं तुम्हीं गले (सेवइ घास) हार दूँगा।

(मुण्डारी)

जदुर

1 मरङ गाड़ा चिरपी लेका माइनाम
लिजिरा बिजिरा माइना
हुडिङ गाड़ा नयरा लेका माइनाम
बिआना बोयोना माइना।

2. एंगम मेनाई बारी गे माइनाम
बिजिरा बिजिरा माइना
अपुम मेनाई बारी गे माइनाम
बिआना बोयोना माइना

3. एंगअ बड़े गोए जानरे माइना
दिकु कामिड़ीना दो माइना
अपुम बड़े सेरजनरे माइना
एरगा टेका कमिड़िना दो माइना

(हिन्दी)

हे बेटी तुम बड़ी नदी की चिपरी
मछली के सामान चमकती फिरती हो
हे बेटी तुम छोटी नदी की अयरा
मछली के समान फुदकती फिरती हो

हे बेटी जब तक तुम्हारी है
फुदकती फिरती हो
हे बेटी जब तक तुम्हारा बाप है
चमकती रहती हो।

हे बेटी तुम्हारी माँ मर जाएगी
तो दिकु की दासी बनजाओगी
हे बेटी तुम्हारा बाप गल जाएगा तो
तुम किसी सरगा की दासी बन जाओगी

(मुण्डारी)

जदुर

1 अङ नम रेगे: चिर गिति: नम गोनोङ
चिमिन चिमिन हो लङ हियातिङा
अङ नम रेगे: चिरे तिति: नम गोनोङ
चिमिन चिमिन हो लङ चकातिङा

2. हियातिङ मोनीआरे चकातिङ सनञ
चिमिन चिमिन दो लङ हिया तिङा
हियातिङ मोनीआरे चाकातिङ समाञ
चिमिन हो लङ चका तिङा

3. चिमिन चिमिन हो लङ हिया तिङा
बन्दी बाबाओरे चाबा जाना
चिमिन चिमिन लङ चकातिङा
मिण्डी मेरोमो को टुण्डू ताना

(हिन्दी)

भूखे प्यासे (सबेरे) उठना
भूखे प्यासे मुदे के समान सोना
हाय हम लोग चक दु:ख काटें
भूखे प्यासे उठना और रात मे मर जाना
हमलोग कब तक कष्ठ झेलें।
अचरब की बात है कि हमलोगों को
इतना इतना कष्ठ उठाना पड़े
अचरन की बात है कि हम लोगों को
इतना इतना दु:ख उठाने पड़ा

(मुण्डारी)

जदुर

चुटी मुली सराजोम रे
अमचि मिरु इयमा
सुबा दाड़ा ताड़ा रे
अमचि कारे सएआदा

अञ गे चाञ इयमा
चुटि कोतो गोसा जाना
कञ गे चाञ सएआया
सुड़ा दाड़ा मएला जान

(हिन्दी)

साखू की चोटी हे मिरु
तुम कि रो रही थी
साखू नीचे डाली पर
हे सालू तुम कराह रही थी।

हाँ मैं ही रो रही थी
ऊपर का डाली मुर्झा गया है
हाँ मैं ही कराह रही थी
नीचे का डाली गोसा हो गया

(मुण्डारी)

जदुर

1 हातु तलेम मेनेआ मइना
हातु गोम बगे जादा
दिशुम तालेम मेनेआ माइना
दिशुम गोम राड़ा

2. मोदे किया सिन्दुरी ते
हातु गोम बागे जादा
बरे ताड़ि ससङ ते
दिशुम गोम राड़ा जादा।

3. हेता रुड़ा लेमे मइना सए रुड़ा लेम
हातु गोम बगे जादा।
हेता रुड़ा लेमे माइना रपाए रुड़ा
दिशुम गोम बगे जादा।

(हिन्दी)

हमारा गाँव बोलना माइया
गाँव छोड़ रही हो री
हमारा देश बोलती बेटी
देश छोड़ रही हो

एक किया सिन्दूर से
गाँव छोड़ रही हो माइया
दो थाली हल्दी से
देश छोड़ रही हो बेटा

उलट कर देख माइया पलट के देख बेटा
गाँव छोड़ रही हो
उलट कर देख लो माइना
पलटकर देख लो देश छोड़ रही है।

(मुण्डारी)

जदुर

गोङ में दिने मुण्डी तेबा: लेना
ड़ाड़ी दगे रेदोम रागे ताना
चले मे बोचोर नेण्डा सेटेर लेना
सूइदा गे रेगेम इयम ताना।
ड़ाड़ी हागे रेगेम इयम ताना
एंगम अपुम कोम उड़ु: ताना
सुइदगे रेगेम इयम ताना
हागम बारे मे को फिकिर ताना
एंगम अपुमे कोम उड़ु: ताना
उरि: लेका गेको डाकि रिङ के:मा
हगम बारेम कोम फिकिर ताना
अड़ा: लेका गेको केचा के:मा।

(हिन्दी)

शादी का दिन पहुँच गया
डाड़ी में रो रही हो
लग्न का समय आ गया
पानी लाने के समय कलपती हो
डाड़ी में रो रही हो
माँ बाप की चिंता हो रही है
पानी लाने के जगह कलप रही हो।
भाई बन्धुओं की याद आ रही है।
माँ बाप की चिंता कर रही हो।
गाय बैल के समान बेच दिये
भाई बन्धुओं की फिकिर कर रही है
साग सब्जी के समान खेजा कर दिये।

(मुण्डारी)

जदुर

बुरु दोको बुरु चाबा केदा माइ
अमदो रे कामे जुड़ी जान

जतरा दोको जतरा मुण्डू केदा माई
अमदो रे काम जोता जान

अमाते हुपुड़िङ कोना माइ
अमाते मपारङ को

सोबेन को जुड़ि जना माइया
अमदो रे कमे जुड़ी जाना।

(हिन्दी)

मेला तो खतम भाई
तुम तो जुड़ि नहीं (शादी नहीं हुई)

जतरा तो खतम माइया
तुम तो शादी नहीं हुई

तुमसे बड़ी वाली
तुमसे छोटी वाली

सभों की शादी हो गई है
तुम्हारी शादी नहीं हुई।

(मुण्डारी)

जदुर

1 हाय नाराङ गंगा नाराङ
हेड़े: लेकम जालातिङ ताना
हाय नाराङ गा नाराङ
डुलु: लेकम बुलातिङ ताना

2. हेड़े: लेकम जालातिङ ताना
कण्डा ताम जुले ताना
डुलु: लेकम बुला तिङ ताना
पिरिताम लिंगि ताना

3. कण्डा ताम जुले ताना
सेंगेल लेका जुले ताना
पिरि ताम लिंगि ताना
दअ: लेका लिंगि ताना

(हिन्दी)

हे गंगा नारायण तुम
हेड़े पक्षी की तरह उड़ रहे हो
हे गंगा नारायण तुम
तितली के समान चक्कर काट रहे हो

तुम हेड़े पक्षी के समान उड़ रहे हो
तुम्हारी तलवार चमक रही है
तुम तितली के समान चक्कर काट रहे हो
तुम्हारा ढाल बह रहा है

तुम्हारी तलवार चमक रही है
आग के समान चमक रही है
तुम्हारा ढाल बह रहा है
पानी की तरह बह रहा है

(मुण्डारी)

जदुर

1 बा चण्डुः दोए मुलु लेना माइ
सिम होए चिअबा चिअबा
लोगोन दोको तोले केदा माइ
कुड़ी दोए कुसुदा कुसुदा

2. सिम होन चिआबा चिआबा माइ
कलोम केन कलोम केन
कुड़ि होन दोए कुसुद कुसुदा माइ
सतोम केन सतोम केन

(हिन्दी)

सरहुल का महीना आ गया
मुर्गी चूजा चीयब चीयब कर रही है
लगन बंध गया
लड़की तो बैठना शुरू कर रही है।

मुर्गी चूजा चिअब चियाब कर रही है
अगला साल अगले साल बोल रही है
लड़की बैठना शुरु कर रही है
पर साल पर साल कह रही है

(मुण्डारी)

ओर जदुर

पिसिर पिसिर दा: दाए गामा लेमा
हेसा: सुबा रेम सुरु केना 2
जड़म जड़म होयो रम्पी लेदा
बड़े सुबा रेम जपा: केना 2

देसा: सुबा रेम सुरु केना
हेसा: मयोम तेम जोरो जाना 2
बड़े सुबा रेम जपा: केना
बड़े किरुम तेम पसिर जाना 2

(हिन्दी)

पिसिर पिसिर पानी किया
पीपल पेड़ के नीचे बची थी
जड़ जड़ाते हवा आया था
बड़ पेड़ के नीचे खड़ी था

पीपल (पेड़) के नीचे बचा थी
पीपल का लसा चू गया
बड़ के नीचे खड़ी थी
बड़ का लासा छिटक गया

(मुण्डारी)

ओर जदुर

1. सरजोम बा रेले लेले लेदेमा
अले दो माइना ले सुक जना
सुड़ा संगेन रेले चिना लेदे मा
अले दो माइना ले नपाए जाना

2 अले दो माइना ले सुकु जाना
अलेआ: दिशुम तेले इदी मेआ
अले दो माइना ले नपाए जाना
अलेआ गमाए तेले सेटेर मेआ।

(हिन्दी)

सरहुल के समय (तुम को) देखे थे
हम लोग माइना पसंद कर लिये
सुड़ा संगेन के अवसर पर परखे थे
हम लोग माइना चिन्ह किये
बड़ पेड़ के नीचे खड़ी था

हमलोग माइना पसंद कर लिये
हमारा देश में ले जाएँगे
हम लोग माइना चिन्ह किये
हमारा गाँव ले जाएँगे।

(मुण्डारी)

ओर जदुर

दुड़िङ हुड़िङ रेले लेले लेदेमा
राजा बा चेंड़े लेकम जेंकेद जेंकेदा 2

लिडुङ रेले चिना लेदे मा
जलिया मरा: लेक बियान बोयोना 2

राजा बा चेंड़े लेकम जेंगेद जेंगेदा 2
ओकोरे माइना को गोङे मेआ 2

जलिया मरा: लेकम बियान बोयोना
चिमाए रे माइना को चले मेआ 2

राजा बा चेंड़े लेकम जेंगेद जेगेदा
बुण्डू रे माइना को गोङे मेआ 2

जलिया मरा: लेकम बियान बोयोना
तामाड़ा रे माइना को चले मेआ 2

(हिन्दी)

छोटी मोटा में हमने देखा था (तुम को)
राजा फूल चिड़िया के समान लाल लाल हो गयी

बालक बालक में हमने देखा था
पंख वाला साहिल जैसा वियान बोयोन हो गई

राजा फूल चिड़िया के समान लाल लाल हो गयी
कहाँ तुम्हारी शादी होगी

पंख वाला साहिल के समान वियान बोयोन हो गयी
कहाँ तुम्हारी विवाह होगी

राजा कूल चिड़िया जैसी लाला हो गयी
बुण्डू में तुम्हारी शादी होगी

पंख वाली साहिल के समान वियान बोयान हो गयी
तमाड़ में तुम्हारा विवाह होगा।

(मुण्डारी)

ओर जदुर

1 एगञ अपुइञ किङ जुड़ि जुड़ि
इनुङ इनुङेञ जोमे केना
हागा बारे को जोता जोता
नकी: सुपिद गेञ बइ केना।

2. एंगम अपुम को ओड़ा: रेमा
कामी उदम इतुन मेरे 2
हागा बारे को रोसोम रेमा
ओले पढ़ाओ ते सिंगारेन में 2

3. कामी उदम इतुन मेरे
कुटुं कुपुल को हिजु: ताना
ओले पढ़ाओते सिंगार रेन में
जिनीद होरा रे कामी ओमेआ

(हिन्दी)

माता पिता जोड़ा जोड़ा में
खेल खेल कर खाती था
बाई बन्धु दोनों है
कंधी करना जुड़ा बनाना दंधा करती थी

मा बाप का घर में हो
काम धंधा सीखो
भाई बन्धी के पास हो
पढ़ना लिखना से सिंगारों

काम धंधा सीखो
कुटुम्ब रिश्ता आ रहा है
पढ़ाई लिखाई से सिंगार हो जाओ
जिंदगी में काम देगा।

(मुण्डारी)

ओर जदुर

बुरु बुरु तेम सेनो: रेदो
बुरु सेरेंग रे ओले तुकाम 2
गादा गड़ा तेम बिरिद रे दो
गड़ा गितिल रे मण्डा तुकामे 2

बुरु सेरेंग रेम ओले तुकारे
ओले पढ़ाओ तेले दाँड़ा मेआ
गड़ा गितिल रेम मण्डा तुकारे
मण्डा पिचा तेले खोजार मेआ 2

(हिन्दी)

पहाड़ पहाड़ से जाओगी
तो पहाड़ के चट्टाने में लिख दे
नदी नदी से चलोगी तो
नदी का बालू पद छाप छोड़ दो।

पहाड़ के चट्टान में लिख दोगी
तो पढ़ लिखकर खोजेंगे
पद छाप छोड़ दोगी तो
पैर का चिन्ह देख का ढूँढ़ निकालेंगे।

(मुण्डारी)

ओर जदुर

पिड़ि पिड़िते पिड़ि मेरा ली दो पिड़ि मेराली
गड़ा गड़ा ते गड़ा कुदाली दो गड़ा कुदाली

ओकोए गे पोवा लेदा पिड़ि मेराली दो पिड़िमेराली
चिमाए गे पोवा लेदा गड़ा कुदाली दो गड़ा कुदाली

दासी कोड़ा रोवा लेदा पिड़ि मेराली दो पिड़ि मेराली
कामिड़ि कुड़ी पोवा लेदा गड़ा कुदाली दो गड़ा कुदाली

(हिन्दी)

टाँड़ टाँड़ में टाँड़ आवला तो टाँड़ आँवला तो
नदी नदी से नदी जामुन तो नदी जामुन तो

कौन रोपा था टाँड़ आँवला तो टाँड़ आँवला तो
कौन छींटा ता नदी जबु जामुन तो नदी जामुन तो

नौकर लड़की रोपा था टाँड़ आँवला तो टाँड़ आँवला
नौकरानी लड़की छींटी ती नदी जामुन तो नदी जामुन दो।

(मुण्डारी)

गेना

ओको तमा: माई रासिका
चिमाए तामा: माई चएला
बाबा बा रेआ माई रासिका
का:सोमा बा रेआ माई चएला
लाई: पेरे: जोम तारे माई रासिका
मयङ पेरे: तोल तारे चएला।

(हिन्दी)

हे बेटी तुम्हारी प्रसन्नता कहाँ है?
हे बेटी तुम्हारी श्रृंगार कहाँ है?

हे बेटी तुम्हारी प्रसन्नता धान के फूल में है
हे बेटी तुम्हारी श्रृंगार कपाल के फूल में है

(मुण्डारी)

गेना

श्री जादी ओड़ा: रेमा गतिङ
पटा: गोंड़ा ओड़ा: रे
बा लेकम उडुङ लेना गतिङ
डाली लेकम पयार लेन
बालेकम गोसो जाना गतिङ
डाली लेकम मायला जाना

(हिन्दी)

हे प्रिये तुम झाड़ी से घिरे हुए घर में हो
हे प्रिये तुम बाँस की चीरा से बना हुआ घर में हो।
हे प्रिये तुम फूल से समान निकली और
फूल के समान मुर्झा गयी।

(मुण्डारी)

गेना

1 श्री जंगल जोबेलारे गतिङ
सालू किङ सुड़ियाम रे
अम चिरे लन्दा लेदा गतिङ
अम चिरे गाजर लेद

2. अञ गेचा लंदा गतिङ
अञ गेचा जागर लेदा
सान अगुइञ सेन केना गतिङ
सकम हे: एइञ बिरिद केन

3. सान अगुम सेनो: रेदो गितिङ
सकम हे: एम बिरिद रे
अलो रेम अयरेना गतिङ
अलोरेम तयोम मेना

4. कोर चे कोड़े: कुला जाना गतिङ
सकम कुड़ा तारुब जान
दासी कोड़ाए हुआ: किआ: गतिङ
कमिड़ि कुड़ि: सोदोर की

(हिन्दी)

श्री जंगल के जोभी में
हे प्रिय सुग्गा के समान
तुम्हीं हिल मिल रही थी (किसी केस)
क्या तुम हाँ रही थी

क्या तुम बात चीत कर रही
हाँ मैं ही हँस रही थी प्रिये
हाँ मैं ही बात चीत कर रही थी
हे प्रिये लड़की लाने गयी थी

हे प्रिये पत्ती तोड़ने गयी थी
हे प्रिये लड़की लाने जाओगी
तो आगे मत जाना
प्रिये पत्ती तोड़ने जाओगी तो पीछे मत चलना

टेढ़ा मेढ़ा कुलहाड़ी ही बाघ बन गया
पत्ती का बण्डल ही साँप बन गया
हे प्रिये धांकर को काट लिया
हे प्रिये धंकरिन को डंस दिया।

(मुण्डारी)

गेना

अम दोरे लोबो: धोनी गतिङ
लोबो: लोबो:म जगारेआ
अम दोरे मोचो कुली सांगञ
मोचो मोचोम लांदाएआ

ओकोए काजीते गतिङ
लोबो: लोबोम जगारेआ
चिमाए बकड़ाँ ते सागाञ
मोचो मोचोम लंदाया

गतिम काजीते गतिङ
लोबो: लोब्रोम जगारेआ
आगञ बंकड़ा ते सागञ
मोचो मोचोम लंदाएआ

(हिन्दी)

हे मीठी चुपड़ी प्रिये मीठी मीठी बातें करती हो
हे मुस्की मुस्कीं प्रिये मुसक मुसकके हँसती हो

हे प्रिये किसके कहने पर मीठी मीठी बाते करती हो
किसके बोलने पर मुसक मुसक कर मुसकुराती है

प्रिये के कहने पर मीठी मीठी बातें करती हो
प्रिये के बोलने पर मुसक मुसक कर मुसकुराती हो

(मुण्डारी)

गेना

अम आगुए सान दोना माई
दिया लेका जुलोगा
अम अगुए सकम दोना माई
डुबा लेका पुडुगोआ

ओकोए काजी तेना माई
दिया लेका जुलोगा
चिमाए बकड़ाँ तेना माई
डुबा लेका पुडुगोआ।

एंगम काजी तेना माई
दिया लेका जुलोगा
अपुम बकड़ाँ ते ना माई
डुबा लेका पुडुगोआ

(हिन्दी)

तुम्हारी लाई हुई लकड़ी तो बेटी बत्ती के समान जलता है
तुम्हारी लाई हुई पत्ती तो बेटी डुबा जैसा दोना बनता है

किसके कहने अनुसार से दिया जैसा जलता है
किसने बोलने अनुसार से डुबा जैसा दोना बनता है

माँ के कहने अनुसार दिया जैसा जलता है
बाप के बोलने अनुसार डुबा जैसा दोना बनता है

(मुण्डारी)

गेना

दे गो दाई गो अम लेकञ लेलो: रेदो
दे गो दाई गो सुपिदे ताञ में

दे गो दाई गो अम लेकञ चिनाओ रेदो
देगो दाई गो पएला ताञ में।

दे गो दाई गो काञ हिरुमेना रे
दे गो दाई गो दाई गो सुपिदे ताञ में

दे गो दाई गो काञ नतेआ ना रे
दे गो दाई जो पएला ताञ में

(हिन्दी)

दोना दीदी तुम्हारे जैसा दिखूँगी
तो दोना दीदी खोपा बना दो।

दोनी दीदी तुम्हारे जैसा परखूँगी
तो दोना दीदी अंचल बना दो

दोना दीदी सौतिन नहीं बनूँगी
दोना दीदी खोपा बना दो

दोना दीदी गोतनी नहीं बनूँगी
दोना दीदी अंचल बना दो

(मुण्डारी)

गेना

ओको को तेम सेना ताना दादा
जुड़ि जुड़िम बोण्डो लाना

चिमए कोते बिरिद ताना दादा
जोता जोता बोरो राना।

सुसुन कोतेम सेनो: ताना दादा
जुड़ि जुड़िम बोण्डो लाना

करम कोतेम बिरिद ताना दादा
जोता जोताम बोतोराना

चेतन टोला सुसुन दोरे दादा
चेतन तेको कुड़ीलेआ

लतर टोला करम दोरे दाया
लतर तेका उसा रे ना

(हिन्दी)

कहाँ (किधर) जा रहे हो दादा
जोड़ी जोड़ा पगड़ी का लम्बा पूछ छोड़े हो

किधर जा रहे हो दादा
जोड़ा जोड़ा लटकन लटकाय हो

नाचने जा रहो दादा
जोड़ी जोड़ी पगड़ी का लम्बा पूछ छोड़े हो

करम मे जा रहे दादा
जोड़ा जोड़ा लटकन लटकाय हो

उपर टोला नाचने ने वाले दादा
ऊपर से डेगते हैं

नीचे टोला नाचने वाले दादा
नीचे से बढ़ते है।

(मुण्डारी)

करम चिटिद

हुड़िङ हुड़िङेम ताइ केना
मेरोम को गुपित केना
माइनाम माता जाना साराम दुले तान।
सेने को होरा रे
पीटि को पालउन रे गतिङ रे
होरा काजी आड़ा गाञ में।
अयारेञ लेले मेरे
तयोम मेञ हेतार रे
माइना कमल बा रेम जालातिङ तान।

(हिन्दी)

जब छोटी मोटी थी तो बकरी चराती थी
बेटी रे बड़ी हो गई तो खाद फेंक रही हो
जाने के रास्ते में बाजार मेला में हे प्रिये
तुम मुझे रास्ता छोड़ दो
आगे देखता हूँ पीछे मूढ़ता है
तुम कमल फूल में उड़ रही है

(मुण्डारी)

करम

डोड़ो बा दो बा लेना
जिंगा बाओ बा लेना
ओ जुगी चेंड़े
ओको बारे जीगे सुकुजाना
अयुब सिंगि बा जाना
तिकिन सिंगि गोसो जाना
ओ जुगी चेड़े
आमो चोड़ेम गोसो चाबा जाना।

(हिन्दी)

घोगंरा का फूल फूला है
झीं का फूल फूला है
हे जोगी चिड़ियाँ किस फूल में तुम्हारा मन लग रहा हैं
शाम को फूल खिला दो पहर को मुरझा गया
हे जोगी पक्षी भी मुरझा गए हो।

(मुण्डारी)

करम

दोला बु सोंगे को
बीर तेबु सेनोगा बाबु गुतुइआ
प्रभु बा तेबु तोपाइआ बाबु गेतुइआ
नाकिगेन पे सुपिदेन पे
पाड़िया ते किचि रेन
बा बु गुतुइआ प्रभु बा तेबु तोपाइमा बा बुगुतुइआ।

(हिन्दी)

चलो सखियो जंगल चले
जंगल जाएंगे और फूल लाएँगे
प्रभु को फूल से तोपेंगे फूल लाएँगे
कंघी हो (बाल बनाओ) पड़िया पहनो
बा गुथेंगे प्रा को फूल से तोपेंगे फूल गुथेंगे

(मुण्डारी)

करम

ओको स:ते: होयो लेदा
चिमाए स:ते सम्पी लेदा
माइना गुडु गुडु रिम्बिल साड़ी तान
चेतानाते: होयो लेदा
लताराते रम्पी लेदा
माइना गुडु गुडु रिम्बिल साड़ी तान
देला गतिङ चातोमिञ में
देल संगाञ चोतोरेञ में
ओ अला गतिङ रे
रुसु: सुटुइञ लुमे चाबा तान
ओ भला हेला रे किचिरि चातोम केचा: चाबा जान।

(हिन्दी)

किधर से हवा आई किधर से आँधी आयी
बेटी रे गुडु गुडु बादल बज रहा है
ऊपर से हवा किया
नीचे आँधी आयी
बेटी रे गुडु गुडु बादल बज रहा है
आओ प्रिय छाता लगाओ
आओ प्रिये छतरी लगाओ
भला मैं भींग कर लथ पथ हो गयी।

(मुण्डारी)

करम

ओको तिआ: ब्रोजो बाला
सुगाड़ा सुन्दर काला
इदी केदाए सोबेन नीली खेला
ओ गो दोति सेने आबु दोला
नकिगेनपे सुपिदेन पे
पड़िआ ते किचिरेन दे
इदी केदाए सोबेन निला खेला
ओगो दोति सेनेआबु दोला
अञ दोरेञ चिका जाना
निदा सिगिञ नुबा: जाना
ति: इदीन मेरे दोति दोला
ओगो दोति सेने आबु दोला
तिसिङ काबु सेनो: जनरे
अञ दोरेञ गोजो: गेआ
ती: इदीन मेरे दोति दोला
ओगो दोति सेन आबु दोला

(हिन्दी)

किधर गया ब्रज बाला सुन्दर काला को
ले गया सब निला और खेला
ओ चलो हम लोग भी चलेंगे।
कंधी हो पड़िया पहनो ले गया सब निला और खेला
ओ चलो हम लोग भी चलेंगे।
मैं तो क्या हो गया दिन रात अंधकार हो गया
सहारा देकर लेजाओ हो चलो हम साथ चलेंगे
यदि आज नहीं जाएँगे तो मैं मर जाऊँगा सहारा देकर ले चलो
हम साथ चलेंगे।

(मुण्डारी)

करम

1. हेड़ेम हेड़ेम काजी ते
   हिड़ि कि: इम गो मेन्ते
   हिड़ि कि:इम गतिङ
   हिड़ि कि:इम गतिङ
   जाति पतीयाते

2 होटो: रे प्रेम माला
   माला कि:इम गो मेन्ते
   माला किइम गतिङ
   माला किइम गतिङ
   चिमिनङ नीली ते

3. होड़ो का तलाते
   इदी की:इम गाड़ाते
   आतु कि:इम गतिङ
   आतु कि:इम गतिङ
   इकिर दा: तलारे।

(हिन्दी)

मीठी मीठी बातों से
तुमने मुझे ठग लिया
तुमने मुझे ढंग लिया
जाति पाती के बीच से।
गले में प्रेम माला
माला किये प्रिये
प्रेम की माला डाल दी
आदमियों के बीच से ले गये
नदी में ले गए
हे प्रिये मुझे बहा दिया
गहरा पानी में बहा दिया

(मुण्डारी)

करम

1 होरा तेगोम सेना कादा
होरा गे गोम लेल ताना
गतिङ गतिङ गोलांची बा
कचिम लेल जादा रे

2 बा सुबाम तेबा: लेदा
गोलांचि बा तेम बान जाना
गतिङ गतिङ पएला तेम गुगुलान जना रे

3. ओको स:ते: होयो लेदा
गुगुलादो ओटङ जाना
गतिङ गतिङ गोलांचि बा
बा उयु: जाना रे

(हिन्दी)

तुम रास्ते में चल रही हो (और) रास्ते ही देख रही हो
हे प्रिय क्या तुम गोलांची फूल नहीं देख रही हो?

तुम फूल वृक्ष नीचे पहुँची और गोलांची का फूल पहन ली
और हे प्रिय आँचल से तुम्हारा सिह ढंक ली है।

किधर से हवा आया हे प्रिये आँचल तो उड़ गया है प्रिय
गोलांची फूल गिया रे।

(मुण्डारी)

करम

बिरसा भगवान

गेरेड़ें हो उली हातु
बिरसा हो अयुब हातु
जोनोम जानम बिरसा जोनोम जानाम बिरसा
बुसुः गुयु ताला रे

हरा जनम माता जाना
मिंडि मेरोम कोम गुपि केना
पढ़ाओ जानम बिरसा पढ़ा ओजानम बिरसा
हटिआ हो दुड़ारे

हातु हातुम होनोर जाना
हगा मिसि कोम जमा केना
लड़ाई जानम बिरसा लड़ाई जानम बिरसा
जोनोम दिशुम नंगेन गे।

(हिन्दी)

गेरेड़ें उली हातु बिरसा और अयुब हातु
जानाम हुआ जनाम हुआ बिरसा पुआल का कुम्बा में
बढ़ गया लम्बा हो गया
पढ़ लिया बिरसा पढ़ लिया बिरसा रास्ते के धूल
गाँव गाँव को घूमा भाई बहनों को जमा किया
लड़ाई किया बिरसा लड़ाई किया बिरसा
जन्म भूमि के लिए।

(मुण्डारी)

करम

(हिन्दी)

1	अम दोरे सुगाड़ा	हे तुम सुन्दरा
	अम दोरे दुलाड़ा	हे तुम दुलारा
	चिमे मेने केदा 2	तुमने क्या किया इस प्रकार का
	नेकान दागम ओमा दिञा	इस प्रकार धोका दिया क्या किया
	चिमेन मेने केदा	
2	सिदा दोम मेता दिञा	पहले तो बोल दिया
	नेका गेलङ ताइना	इसी प्रकार रहेंगे
	चिमे मेने केदा	तुमने क्या किया
	नेकान दागम ओया दिञा	इस प्रकार का धोका दिया
	चिमे मेने केदा 2	तुमने क्या किया
3.	चितिरि जलोमेम ओड़ाओ केदा	चिड़िया का जला बिछाया
	बसंसी तेम चारा किञा	मछली का बंशी डाला
	चिमे मेने चिमे मेमे केदा	तुमने क्या किया
	नेकन दागम ओमा दिञा	इस प्रकार का धोका दिया
	चि मे मेने केंदा	तुमने किया किया
	सोना सिंकड़ी समागे	सोना का चेन फालतू ही
	लुमङ किचिरि समागे	सिल्क की साड़ी फालतू ही
	चिमे मेने केदा 2	तुमने क्या किया
	नेकन दागम ओमा दिञा	इस प्रकार का धोका दिया
	चिमे मेने केदा	तुमने क्या किया

(मुण्डारी)

चिटिद करम

1 अमदोरे सालु सुगा
सोबेन बुरुम लेलादा
सुगा रे अगु लेम ससङ बा

2 तारा तेदो आला काना
तारा तंदो मोएआ काना
सुगा रे आगु लेमे ससङ बा

(हिन्दी)

तुम तो रे सालु सुगा
सभी पहाड़ों को देखा है
सुगा रे ला लो पीला फूल
कुछ खिला है कुछ कली है
सुगा रे ला तो पीला फूल

(मुण्डारी)

चिटिद करम

एयंग बुलुङ तेगे मंडिम ओमाञा
बुरु गोड़ा पुटुकुइ हातु गोड़ा सिरगिटि
एयंगा बुलुङ तेगे मंदिम ओमाञा
रिंड़ि रेदोगा रिंड़िमे कड़िरेदो कड़िमे
एयंगा बुलुम तेदो कागेञ जोजोमा

(हिन्दी)

हे माँ मुझ नमक भात देती हो
पहाड़ी गोड़ा में रागड़ा और
गाँव गोड़ा में सिरगिटि साग
हे माँ मुझे नमक भात देती हो
उधर लो चादे पाईचा लो
पर मैं नमक भात नहीं खाऊँगी

(मुण्डारी)

चिटिद करम

असम तेलङ सेनो: रे कचड़ा ते लड़ बिरिदरे
गतिङ रे दिदि कुड़िद तुयु गे जोजोमा
एँगा अपुको बगेओआ हगा मिसि राड़ा ओओ
गतिङ रे दिदिं कुड़ि दे तुयु गे जोजोमा
जेताए काको लेलो: रे जेताए काको चिनाओ:रे
गतिङ रे दिदि कुड़ि द तुयु गे जोजोमा

(हिन्दी)

असम जाएंगे तो कचड़ा जाएँगे तो
हे प्रिय गीध चील और सियार ही खाएंगे (हमारा शरीर को)
माता पिता छूट जाएँगे भाई बहन बिछड़ जाएँगे
हे प्रिय गीध चील और सियार ही खाएँगे
कोई नहीं दिखाई देंगे कोई नहीं पहचाने जाएँगे
हे प्रिय गीध चील और सियार ही खाएं हो। (हम दोनों को)

(मुण्डारी)

चिटिद करम

जेटे सिंगि तेबा: लेना
सोबेन बा को गोसो जाना
गतिङ रे अञा: जी दो गोसो चाबा जान
गतिङो कए: लेलोगा
सगञो कए: चिनाओआ
गतिङ रे अञा: जो दो दोपाली बेड़ा तान
सुसुन करम होका जाना
रुतु बनम हपे जाना
गतिङ अञ: जीरे जी कञ नामे जादा
चएला को मएला जाना
पएला को केचा: जाना
गतिङ रे जिरजि बिड़ि: लिजा: किचिरि।

(हिन्दी)

गर्मी का दिन आ गया
सबी फूल मुर्झा गए
हे प्रिय मेरा मन भी मुझा गया
मेरा प्रिय भी नहीं दिखाई देते हैं
मेरे सभी भी नहीं दिखाई देते हैं
हे प्रिय मेरा मन तो उड़ फिर रहा है
श्रृंगार करना बन्द हो गया
बँसूरी बनम बन्द हो गया
श्रृंगार खतम हो गया
आँचल फट गया
हे प्रिय फटा हुआ कपड़े लतते

(मुण्डारी)

चिटिद करम

1 ने हातु ताला रे चिकाना: का चिका तानारे
हेला हो गाजा बाजा साड़ी ताना दो

2. ने हातु ताला रे करम होको बिदा कादा
हेला दो गजा बाजा साड़ी ताना दो

3. ने हातु तालारे मेरे हो को रिका ताना रे
हेला हो डुलकी दुमङ सड़ी रम्बुला

4. ने हातु ताला रे जावा होको अकिद ताना रे
हेला हो डुलकी दुमङ साड़ी रम्बुला

(हिन्दी)

इस गाँव के बीच में क्या कर रहे हैं
हे हो गाजा बाजा बज रहा है

इस गाँव के बीच में करम गाढ़ हैं
हे हो गाजा बाजा बज रहा है

इस गाँव के बीच में क्या कर रहे हैं
हे हो ढोलक नगाड़े की आवाज गूँज रही है

इस गाँव के बीच में जावा हो उठा रहे हैं
हे हो ढोलक नगाड़े की आवाज गूँज रही है

(मुण्डारी)

जरगा

1 ओरे एयङ ओरे अपङ
गाड़ा दागे तेञ अतु ताना गा
गाड़ा दागे तेञ अतु ताना
ओरे एयङ ओरे अपङ
नइमा दा: तेञ बुआले ताना गा
नइमा दा: तेइज बुआले ताना

2 मरे बाबु मारे बच्चा
गाड़ा काड़े रे सबे दड़िन में
गाड़ा काड़े रे सबे दड़िन में
मेरे बाबू मारे बच्चा
नइमा नचल रे रुचव दड़िन में
नइमा नचलरे रुचव दड़िन मे

सबे दो गाञ सबे केना
गड़ा काड़े दो रोचोदे जाना 2
राचा: दो गञ राचा: केना
नइमा नचल दो दोड़ाङ जना

(हिन्दी)

हे माँ हे बाप
मैं नदी का पानी में बह रहा हूँ
हे माँ हे बाप
मैं नहर का पानी बह रहा हूँ
हे बेटा हे बच्चा
नदी के सवाई घास में पकड़ कर सम्भलो
हे बेटा बच्चा
नहर के किनारे नचल का पेड़ में पकड़ लो
हे माँ हे बाप
नदी का सवाई घास तो टूट गया
हे माँ हे बाब
नहर किरना नचल पेड़ उखड़ गया

(मुण्डारी)

जरगा

चिजा चिजा तिलिमिङ तिजुम
तुंगुर मुंगुर कोरेम तुंगुर मुंगुर
चिजा चिजा मनल उरुम आलाए बलाए
कोरेम अलाए बालाए
इलिओ ताले बनोगम
तुंगुर मुंगुर कोरेम तुंगुर मुंगुर
मडिओ वाले बनोगाम
अलाए बलाए कोरेम अलाए बलाए

(हिन्दी)

क्या! क्या तिल का कीड़ा कहां भटक रहे हो
क्या! क्या खेली का कीड़ां कहाँ उड़ रहे हो
हड़ियाँ भी नहीं है कहाँ भटक रहे हो
भात भी नहीं है कहाँ उड़ रहे हो।

(मुण्डारी)

जरगा

ओकोरे बिंदि रे बिंदिम इनुङ केना, बिंदिम इनुङ केना
चिमए रे बिंदि रे बिंदिम खेलाड़ी के बिंदिम खेलाड़ी केन

हटिआ दुड़ा रे बिंदिम इनुङ केना बिंदिम इनुङ केन
गोंट तालारे बिंदिम खेलाड़ी केना बिंदिम खेलाड़ी केन

हटा: होन ते बिंदिम इनुङ केना बिंदिम इनुङ केन
तुपा: होन ते बिंदिम खेलाड़ी केना बिंदिम खेलाड़ी केन

हटा: होन दो बिंदि केचा: जाना बिंदि केचा: जान
तुपा: होन दो बिंदि रोचोद जाना बिंदि रोचोद जम

(हिन्दी)

हे बिंदि (एक बच्ची का नाम) तुम कहाँ खेलती थी
हे बिंदि तुम कहाँ खेलती थी।

हे बिंदि तुम गाँव के (रास्ता) धूल में खेलती थी
हे बिंदि तुम मवेशियों के झुण्ड में खेलती थी

हे बिंदि तुम एक छोटे सूत से खेलती थी
हे बिंदि तुम एक छोटी टोकरी से खेलती थी

हे बिंदि तुम्हारी छोटी टोकरी फट गयी
हे बिंदि तुम्हारा छोटा सूप फट गया।

(मुण्डारी)

जरगा

केरकेटा जागुआ ओको मुलि तेलंङाम
मेनेआ ओको होराते लङाम मेनेआ

केरकेटा जागुआ चिमय मुली तेलङाम मेनेआ
चिमए मुलि तेलङाम मेनेआ

केरकेटा जागुआ हातु ताला तेलङाम मेनेआ
दिशुम तला तेलङाम मेनेआ

हातु ताला तेलाङाम मेनेआ लिका लङ
ओलेअम मेनेआ लिका लङ ओलेआम मेनेआ

दिशुम ताला तेलाङाम मेनेआ पोती लङ पटाओआम
मेनेआ पोती लङ पढ़ा ओआम मेनेआ।

(हिन्दी)

केरकेटा (भुजंज पक्षी) जागुआ हम किस रास्ते जाएँगे बोल रहे हो
केरकेटा जागुआ हम लो किध से निकलेंगे

केरकेटा जागुआ हमलोग गाँव के बीच से निकलेंगे सोच रहे हैं
केरकेटा जागुआ हम लोग देश के बीच से निकलेंगे सोच रहे हैं।

गाँव केबीच से चलेंगे और लिखा लिखेंगे बोल रहे हो
देश के बीच से चलेंगे पोथी पढ़ेंगे बोल रहे हैं।

(मुण्डारी)

जरगा

सिसिका बुरु रे
सिसिकाए गमाएआ सिसिकाए गमाएआ हायरी है
जाए जमका डारे रेजाम जमकाए रम्पिआ जामजमकाए रम्पिआ हयरी है
सिसि सिकाए गमाएआ ओकोरे लङ सुरना हायरी है
जमा जमकाए रम्पीआ चिमाए रेलङ दनाङना हायरी है
एंगाम राचा तुडुंसी तुडुंसी रेलङ सुरुना 2
अपुम राचा बाराङगु बाराङगु रे लङ दनाङना
एगाञ रचा तुडुंसी जोजोरो गेआ दो जोजोरो गेआ
अपुञ रचा बाराङगु लिलिंगी गेआ दो लिलिंगि गआ गेआ

(हिन्दी)

सिसिका पहाड़ पर जोर से पानी बरस रह है
जाम जामका घाटी में जोर से आँधी चल रही है
पानी बरस रहा है हम दोनों कहाँ बचेंगे
आँधी चल रही है हम दोनों कहाँ छिपेंगे
तुम्हारी माँ का आँगन तुलसी है तुलसी में बचेंगे
तुम्हारे बाप के घर में बरांगु है बरांगु में छिपेंगे
माँ के आँगन का तुलसी चूता है
बाप के घर का बराँगू बराँगू फिसलदार है।

(मुण्डारी)

जरगा

हेसा: चुटी गोंगोर सालु
रिदे लेकाए ओरोडेया रि दे लेकाए ओरोडेया हायरी है

बड़े लतार बड़ेजा पियू
ताकुइ लेकाए बनामे ताकुइ लेकाए बनामे हायरी है

दोला तेबु लेल लिया
रिदे लेकाए ओरोडेआ रिदे लेकाए ओरोडेया हायरी है

दोला तेबु चिना लिया
ताकुइ लेकाए बनामे ताकुइ लेकाए बनामे हायरे हाय

अले दोले लेले लीआ
रिदे लेकाए ओरोडआ रिदे लेकाए ओरोडआ हायरी है

अले दोले चिना लिआ
तकुइ लेकाए बनामेआ तकु इ लेकाए बनामेआ हायरी है

(हिन्दी)

पीपल पेड़ चोटी में गोंगोर सालु
पिसने जैसा बाँसूरी बजाता है
बड़ पेड़ के नीचे बड़ेजा चिड़ियाँ
कपड़ा बुनने जासा बनम करता है
चलो तो देख लेंगे पिसने जैसा बाँसूरी बजाता है
चलो पहचान लेंगे कपड़ा बुनने जैसा जनम करता है
हमने तो देख लिया है पिसने जैसा बजाता है
हमने तो पहचान लिया है कपड़ा बुनने जैसा बनम करता है

(मुण्डारी)

जरगा

ओकोरे लिपी रे लीपी ओड़ा: तम दो लिपी ओड़ा: ताम
चिमाए लिपी रे रोसोम तम दो लिपी रोसोम तम दो

नयल गाड़ा रे लीपि ओड़ा तम दो लीपि ओड़ा: तम दो
डेला बुरु रे लीपि रोसोम तम तम दो लीपि रोसोमा तम दो

चेतन लारि दो गुले गुले लीपि गुले गुले
लतर लारे दो आलए बालए लिपि आलरा बालए

नचल गाड़ा दो पेरे: जाना लिपि पेरे जाना
टेला बुरु दो लिपि लेयाङ जाना लिपि लेयाङ जना

(हिन्दी)

कहाँ लिपि (चिड़िया) तुम्हारा घर तो लिपि घर तो
कहाँ लिपि तुम्हारा सराय तो लिपि सराय तो

हल द्वारा जोता हुआ गढ़ा में लिपि तुम्हारा घर तो लिपि
ढेला पहाड़ ही लिपि तुम्हारा सराय तो लिपि सराय तो

ऊपर वाला बादल तो लिपि काला हो गया है
नीचे वाला बादल तो उड़ रहा है लिपि उड़ रहा है

हल द्वारा जोता हुआ गढ़ा तो लिपि मर (पानी से) गया लिपि मर गया
ढेला पहाड़ तो लिपि गल गया लिपि गल गया

(मुण्डारी)

जरगा

अङ ताना तुर ताना चिआ: माई राचादो कम जोगेआ 2
अड़ ताना तुर ताना चिआ: माई गुरि: दो कम गिड़िआ

जोनो: मुटिञ सब लेदा गडिङ एंगा दो रे:ए कि:ञा
गरि: कनचिञ हलङ लेदा हिलि एरा दोए राचा: कि:ञा

राचा जोओञ बगे तादा पिड़ि कामी तेञ सेनो:जना
गरि: गिड़िञ होका जना नाला उदम तेञ बिरिद जाना

(हिन्दी)

सुबह हो गया सूरज निकल गया हे बेटा आँगन झाड़ू नहीं कर रही हो
सुबह हो गया सूरज निकल गया हे बेटा गोबर नहीं फेंक रही हो

झाड़ू पकड़ी थी सौतेली माँ ने छीन लिया
गोबर फेंकने टोकरी पकड़ी थी भाभी ने पकड़ लिया

झाड़ू करना छोड़ दी खेत का काम में चली गयी
गोबर फेंकना छोड़ दी दूसरों का काम करने चली गयी

(मुण्डारी)

जरगा

एंगञ किङ अपङ किङ
सोना काजी गोड़े कञीआञ बेन गा 2
हगाञ किङ बारेङ किङ
रुपा बकड़ाँ गोड़े बकड़ाञ बेन गा 2
मरे बाबू मरे बच्चा कड़बा डांडि रे
सबे दड़िन मे गा कड़बा डांडि रे सबे दड़िन मे
मरे बाबू मारे माइना खेल कुटिरे
तिंगि तिंगु दड़िन मे गा सेल कुटिरे तिंगु दड़िन मे
सबे दोगञ सबे के कड़वा डांडि
दो हुलागे जाना गा कड़बा डांडि दो दुलागे जाना
लिंगु दोगञ तिंगु केना सेल कुटी दो
रपुदे जाना गा सेल कुटी दो रपुदे जाना।

(हिन्दी)

हे माता पिता मुझे सोना जैसा कीमती बात सुना लो
हे माता पिता मुझे रुपा के समान वाणी सुनाई
चलो बाबू चलो बेटी हल की मूठ को पकड़ाना सीख लो
चलो बाबू चलो माइया ओखली के खड़ा हो जाओ
हे माता पिता पकड़ा तो था परन्तु वह टूट गया
हे माता पिता खड़ी तो थी ओखली के पास तो धंस गया।

(मुण्डारी)

जरगा

सेंजाली रे सेंजाली संजाली रे रुतु ताञ दो
सेजाली रे रुतु ताञ दो
बंगाली रे बंगाली बंगाली रे बनम ताञ दो
बंगाली रे बनम ताञ दो
ओकारे गम दो केदा सेंजाली रे रुतु ताञ दो
संजाली रे रुतु ताञ दो
चिमाए रे गम दो केदा बंगाली रे बनम ताञ दो
बंगाली रे बनम ताञ दो
कची बाबुम लेले जादा बंदी बाबा चेतन रे
बंदी बाबा चेतन रे
कचि बाबुम चिना जादा साला बाबा लतर रे
साला बाबा लतर रे
लेले दो गञ लेले जादा बंदी बाबा लो ताना
कचि बाबुम चिना जादा साला बाबा बले ताना
साला बाबा बले ताना।

(हिन्दी)

सेंजाली रे सेंजाली सेंजाली रे मेरी बासूरी कहाँ
बंगाली रे बंगाली बंगाली रे मेरा बनम कहाँ
कहाँ रख दी माँ ली रे बाँसूरी तो
कहाँ रख दी माँ बंगाली रे बनम तो
नहीं कि देख रहे हो बाबू मोरा धान के ऊपर में
नहीं कि देख रहे हो बाबू चूना हुआ धान के नीचे में
देख तो रहा हूँ माँ मोरा धान तो जल रहा है
पहचान तो रहा हूँ माँ चुना हुआ धान तो जल रहा है

(मुण्डारी)

जरगा

डिण्डा तान डांगुआ तान
काटा लतर गोड़े पोला साड़ी तान
काटा लतर गोड़े पोला साड़ी तान

आड़ा: जानाम दुवर जानाम
किड़की दुवर गोड़े बोंगा बोलोआ
किड़की दुवर गोड़े बोंगा बोलोआ

ओड़ा जानाम दुवर जानाम
बो: चेबन गोड़े सुनुम अंजे दो
बो: चेतन गोड़े सुनुम अंजे दो

चडु जानाम लुण्डी जानाम
काटा लातर गोड़े पोला नो सोरो:
कटा लातर गोड़े पोला नो सोरो:

(हिन्दी)

जब तुम कुंवारा था तो
सिर से तेल चूता था
जब तुम कुँवारी थी तो
खिड़की द्वार से भूत घूसता था
जब घर द्वार हो गयी तो
सिर का तेल सूख गया
जब घर द्वार हो गयी
पर की अँगूठी खिसक गई (गिर गई)

(मुण्डारी)

जरगा

जू जा जू जा जालिया जु सेनो में
भला जालिया जू सेनो: मे
मरे जा मरे जा जालिया मरे बिरिद मे
भला जालिया मरे बिरिद मे
जू जा जू जा जालिया अङे जाना
भला जालिया अङे जाना
भरे जा मरे जा जालिया तुरे जाना
भला जालिया तुरे जाना
जू जा जू जा जालिया एंगम एराङ ताना
भला जालिया एंगम एराङ ताना
मरे जा मरे जा जालिया अपुम सेंगेद ताना
भला जालिया अपुम सेंगेद ताना।
जू जा जू जा: जालिया राचा जोगेमे
भजा जालिया राचा जोगेञे
जु जा जू जा जाड़िया गरि: गिड़िमे
भला जालिया गुरी: गिड़िमे

(हिन्दी)

जाओ जालिया जाओ जल्दी जाओ
जाओ जालिया जाओ जल्दी उठो
जाओ जालिया सुबह हो गया
जाओ जालिया जाओ मारे हो
जाओ जालिया जाओ आँगन झाड़ू करो
जाओ जालिया जाओ गोबर फेंको
जाओ जालिया जाओ तुम्हारी माँ गाली दे रही है
जाओ जालिया जाओ तुम्हारा बाप बिगड रहा है

(मुण्डारी)

जापी

बरं बुरु दिया सेंगेल
जिलिब केन जिलिब केना भई जिलिब केन जिलिब केन
हुड़िङ बुरु मादी मरसल
जोलोब केन जोलोब केना भई जोलोब केन जोलोब केन
ओकोए गे दिया तादा
जिलिब केन जिलिब केना भई जिलिब केन जिलिब केन
चिमाए गे मरेसाल तादा
जोलोब हकेन जोलोब केना भई जोलोब केन जोलोब केन
बुरु बिङ दिया तादा
जिलिब केन जिलिब केना भई जिलिब केन जिलिब केन
साङ सुड़ी किंम रे साल तादा
जोलोब केन जोलोब केना भा जोलोब केन जोलोब केन

(हिन्दी)

बड़े पहाड़ पर दीये की रोशनी झिल मिला रही है
छोटे पहाड़ पर ज्योति टिम टिमा रही है।
किसने दिया जलाया है झिलमिला रहा है
किसने रोशनी की है टिमटिमा रही है
पहाड़ साँप ने दिया जलाया है
झिल मिला रहा है
सङ सोड़ी ने रोशनी की है
टिम टिमा रही है

(मुण्डारी)

जापी

गड़ा गड़ा ते ल दोए बियानाए बोचोना
भाई लं दोए बियानाए बोयोना
नाई नाई ते दोबा दो तिपाराए तोपोरा
भाई दोबा दोए तिपाराए तोपोरो
तुइङ लीपे लं दोए बियानाए बोयोना
भाई लं दोए बियानाए बोयोना
परा लीपे दोबा दोए तिपाराए तोयोरा
भाई लें दोए बियानाए बोयोना
पेर किआ ले दोबा दोए तिपाराए तोपोरा
भाई दोबा दोए तिपाराए तोपारा

(हिन्दी)

लं पंक्षी नदी नदी सनसना रहा है
भाई लं पक्षी सनसना रहा है।
दोबा पक्षी नदी नदी थपक थुपक चला है
भाई थपक थुपक चला है।
तीर मारो भाई लं पक्षी सनसना रहा है।
पत्थर मारो भाई दोबा पक्षी थपक थुपक जा रहा है

(मुण्डारी)

जापी

ओको तेको सेनो: ताना संकोबाँसाड़ी ताना भाई
सकोवाँ साड़ी ताना
चिमए तेको बिरिदे ताना नगेरा रुम्बुल ताना भाई
नगेरा रुम्बुल ताना।
सेंदेरा को सेनो: ताना सकोवाँ साड़ी ताना भाई
संकोवा साड़ी ताना।
करेंगा का बिरिद ताना नगेरा रुम्बुल ताना भाई
नगेरा रुम्बुल ताना
सकोवाँ साड़ी ताना सुटी चोका: सकोवाँ भाई
सुटी चोका: सकोवाँ।
नगेरा रुम्बुल ताना लोवा जो नगेरा भाई
लोवा जो नगेरा।

(हिन्दी)

कहाँ जा रहे हैं लोग
शंख बज रहा है
कहाँ उठ रहे हैं लोग
नगाड़ा सुनाई दे रहा है
शिकार करने जा रहे हैं लोग
शंख बज रहा है
शिकार उठ रहे हैं लोग
नगाड़ा सुनाई दे रहा है

(मुण्डारी)

जापी

जिलि मिलि सेरेङ रे किचिरि नुरा कुड़ी भी
किचिरि नुका कुड़ी
चापा चुड़ी सड़ागी रे गमेचा सोबोद कोड़ा भाई
गमेचा सोबोद कोड़ा
किचिरि नुरा कुड़ि किचिरि उतु ताना भाई
किचिरि आतु ताना
गमेचा सोबोद कोड़ा गमेचा बुआले ताना भाई
गमेचा बुआले ताना
किचिरि अतु ताना किचिरि सबे रुड़ाए मे भाई
किचिरि सबे रुड़ाए मे
गयेचा बुआले ताना गमेचा गति रुड़ाए में भाई
गमेचा गति रुड़ाए।

(हिन्दी)

झिल मिल चट्टान में कपड़ा पटकने वाली
कपड़ा पटकने वाली चप चुड़ी गिरता हुआ पानी मे
गमचा धोने वाला लड़का भाई
गमचा धोने वाला लड़का
कपड़ा धोने वाली लड़की कपड़ा बह रहा है
गमचा धोने वाला लड़का गमचा बह रहा है
कपड़ा बह रहा है कपड़ा पकड़ो
गमचा बह रहा है गमचा खिंचो।

(मुण्डारी)

जापी

दादाएआ बुरु तिरिल दादाएआ रुकुआलङ में भाई
दादाएआ रुकुअलङ में
दादाएआ बेड़ा तारोब दादाएआ दन सीआ लङ में भाई
दादाएआ दन सीआ लङ में
रुकुदीञ रुकु लेदा दादाएआ कागे उयुगो: भाई
दादाएआ कागे उयुगो
दनसी दोञ दनसी लेदा दादाएआ कागे नो सोरो: भाई
दादाएआ कागे नोसोगे:

(हिन्दी)

हे दादा पहाड़ का केंयाद हे दादा हि दोयार
दादा गिरा दो
हे दादा तराई का चार हे दादा गिरा दो
हे दादा गिरान का तो गिराया था परन्तु नहीं गिरा
हे दादा हिलाने का तो हिलाया था
हे दादा नहीं हिला

(मुण्डारी)

जापी

ओको तेम ताना बिरसा गुगुराम साड़ी तुका दा भाई
गुगुराम साड़ी तुकादा
चिमाए तेम ताना गया (गया मुन्डा) कण्डा दोमा
हिचि तुका दा भाई काण्डा दोम हिचि तुकादा
सुसुन तेम ताना बिरसा गुगुराम साड़ी तुकादा भाई
गुगुराम साड़ी तुकादा।
लड़ाई तेम गया काण्डा दोम हिची तुकादा भाई
काण्डा दोम हिचि तुकादा

(हिन्दी)

कहाँ जा रहे हो बिरसा (बिरसा भगवान) धुंधरु बजा
दिया भाई धुंघरु बजा दिया
कहाँ चला गया फरसा चमका दिया
भाई फारसा चमका दिया
नाचने जा रहे हो बिरसा घुंघरु बजा दिया भाई
घुंघरु बजा दिया।
कहने जा रहे हो गया फारसा को चमका दिया भाई
फारसा को चमका दिया

डॉ. राम दयाल मुण्डा

(करम मुण्डारी)

अपे हातु अकड़ा

1. अपे हातु अकड़ा जोजो सुबा जुम्बड़ा
   जनाओ जनाओ नेते हिजु:गे सनाञा
   जनाओ जनाओ।

2. डुलकी दुमङ सड़ि तन रे
   रुतु बनम रुम्बुल तन रे
   जनाओ जनाओ नेते हिजु:गे सनाञा
   जनाओ जनाओ

3. सुकु रसिका लिंगि तन रे
   लन्दा जागार पीरड़ि तन रे
   जनाओ जनाओ नेते हिजु:गे सनाञा
   जनाओ जनाओ।

(हिन्दी)

आपके गाँव का अखाड़ा

आप के गाँव के अखाड़े में इमली पेड़ के झुरमुट में
रोज रोज आने का मन करता है रोज रोज
ढोल मांदर बजता है तो बाँसूरी की तान सुनाई देती है तो
रोज रोज आने का मन करता है रोज रोज
सुख और रसिक बढ़ता है हँसने बोलने का बाढ़ आता है तो
रोज रोज आने का मन करता है रोज रोज।

(करम मुण्डारी)

हातु हातु टोला टोला

1. हातु हातु टोला टोला
सड़ि लेना रुतु बनम
एन रुतु बनम कोते जान
ओकोए उदुबाञ हेला
चिमाए चुन्डु लाञ
एन रुतु बनम कोते जान

2. बुरु पिड़ि पीटि मेला
परिड़ि लेन लन्दा जागार
एन लंदा जागार कोते जान
ओकोए उदुबाञ हेला
चिमाए चुन्डुलाञ
एन लंदा जागार कोते जान
ओकोए उदुबाञ हेला
चिमाए चुन्डुलाञ
एन लंदा जागार कोते जान।

(हिन्दी)

गाँव-गाँव टोला-टोला

1. गाँव गाँव टोला टोला में
बाँसूरी और बनम की आवाज
सुनाई पड़ती थी
वह बाँसूरी और बनम की आवाज
कहाँ चली गयी हाय
कोई मुझे बता दे
कोई मुझे दिखा दे।

2. मेले में बाजार में हँसने बोलने की
आवाज सुनाई पड़ती थी
हाय! वह कहाँ गयी कहाँ गई
कोई मुझे बता दे
कोई मुझे दिखा दे।

(करम मुण्डारी)

रई रति बनम

रई रति बनम दो राजा रतिबनम दो
चिका लेका हो राजाम बनामेआ किङ कोङ
डण्डीओ हुला: गाकन दनाबो हो केचागाकन
रई रति बनम दो राजा रतिबनम दो
चिका लेका हो राजाम् बनामेआ किङ कोङ
ऊर नवा नामे मे आद नवा नामेमे
रइि रति बनम दो राजा रति बनम दो
सिदा लेका हो राजाम बनामेआ किङ कोङ

(हिन्दी)

रई रति बनम तो

राई रति बनम तो राजा रति बनम तो
कैसे बजाते हो राजा किङ कोङ
उसका डण्डी टूटा हुआ है
उसका ढक्कन फंटा हुआ है
रई रति बनम तो राजा रति बनम तो
कैसे बजाते हो राजा किङ कोङ
चमड़ा नया खोजो बाँस नया खोजो
पहले जैसा हो राजा बजाओगे किङ कोङ

(करम मुण्डारी)

करम चण्डुः ने मुलुः रे

1. अञ से संगिन दिशुम होड़ो मिसाओ का लेपेला कनिः
कुलि मेरे चते भलम जागारे करम चण्डुः ने मुलुःरे

2. अञ काजी खेन चिमिन नेआते चम हपे मुलीन
दुरङ रे चते भलम तेलाए रे करम चण्डुः ने मुलुः रे

3. ने नवा तरल तेतेः दनङ हेपादेनम चाते
लेल मेरे चले भलम हेताए रे करम चण्डुः ने मुलुः रे

(हिन्दी)

करम महीना के अवसर पर

1. मैं दूर दराज का आदमी हूँ कभी देखा चिन्हा नहीं हूँ
पूछने पर भला कैसे बात करोगी इस करम (चाँद) के अवसर पर

2. मैं बार-बार बोल रहा हूँ परन्तु तुम चुप चाप हो (मेरे द्वारा)
गाना गाने पर क्यों तुम दोहराओगी इस करम के अवसर पर

3. इस चाँदनी की रात में क्यों छिप रहो हो (तुम्हारे तरफ)
देखने से भी क्यों मुढ़ कर देखोगी इस करम के अवसर पर

(मुण्डारी)

तोवा दारु अमगेः तंगि पाओगे

1 हातु वातेम उड़ङ जाना
गुगुला रेम उकुन जना
तोवा दारु अमगेः तंगि पाओगे
हेता लेम हातु अम तेगे

2. इदि केदम रेगेः तेतङ
चटु बिण्डा माङ माङ
पुटिः सेरेङ रोलो रोलो रागे
हेता लेम हातु अम तेगे

3. ओकोरे तम किता बिंडा
चिमए रे तम गुरिः लुण्डा
पटि बाबा चेंड़े कोगे रेगे
हेता लेम हातु अम तेगे

4. कुलि मेरे चतेम हेवाए
बंको भला तमाः जेताए
अमाः दिशुम सिन्दुरी रेगे
हेता लेम हातु अम तेगे

(हिन्दी)

दूधी पेड़ तुम्हारी इन्तजार करती है यों ही

गाँव से निकल गई
अँचल में छिप गई
दूधी पेड़ तुम्हारी इन्तजार करती यों ही
दूधी पेड़ तुमको पुकारती है यों ही
उलट के देखो गाँ तुम खुद से
ले गया भूख प्यास घड़ा और बिण्डा माङ माङ
बहता सोता रोलो रोलो पुकारती है
उलट के देखो गाँव तुम खुद से
कहाँ तुम्हारा खजूर और घड़ा रखने को बिण्डा
किधर तुम्हारा गोबर लुण्डा
चटाई में पलारा हुआ धान चिड़िया ही चुग जाती है
उलट के देखो गाँव तुम खुद से
पूछने से क्यों आदत डालोगी
तुम्हारा तो भला कोई नहीं है
तुम्हारी जिन्दगी सिंदूर में ही है।
उलट के देखो गाँव तुम खुद से

(करम मुण्डारी)

अमचि रागे सिसि डाड़ी दा:रे

1. उकुता हातु टोला बुरु पिड़ि पीटि मेला
   रोलो रोलो मेतम एसेकर रे
   अमचि रागे सिसि डड़िदा: रे
2. लेल लेपेल लंदा जागार
   गुन्ति जना गुन बितर
   गेरो मेरो मेतम एसेकर रे
   अमचि रागे सिसि डाड़ीदा: रे
3. नेकागे पीरिति नेका गे जुगु रीति
   पिरिल पिरिल मेतम एसेकर रे
   अमचि रागे सिसि डाड़ीदा: रे

(हिन्दी)

तुम कि रोती सिसि डाड़ी में

उकुता गाँव टोला मेला या बाजार में
रोलो रोलो तुम कि रोती हो
सिसि डाड़ी के पास।
देखना पहचानना हँसना बोलना
गिनती हो गया गुण के भीतर
परेशान होकर अकेले,
तुम कि रोती हो सिसि डाड़ी के पास।
इसी प्रकार प्रेम प्रीति
इसी प्रकार युग की रीति भी
इसी प्रकार आँसू बह रहा है
अकेले में तुम कि रोती हो डाड़ी के पास

प्रो. दुलाय चन्द्र मुण्डा

(मुण्डारी)

सिंगार रुड़ाएया

1. दनासी बिरिआते दिशुम ताबु राड़ा जना
   मरबु संगोम रुड़ाआ
   हातु दिशुम सिंगार एड़ाएआ
   मरबु संगोम रुड़ाना

2. अरी चली रीति नीति इसु जाना छान छिति
   मरबु संगोम रुड़ाएआ
   हातु दिशुम बु सिंगार रुड़ाएआ
   मरबु संगोम रुड़ाएआ

3. तिसिङ गेबु केटेः कुड़म सुपुबु केटेः ऐः
   मरबु चडङ एटेआ
   हातु दिशुम बु सिंगार रुड़ाएआ
   मरबु चडङ एटेःआ

4. कजिबु इतुना हड़म कोते कमि दंगड़ा दंगड़ी कोते
   मरबु ताड़ा ताड़ी ना
   हातु दिशुम बु सिंगार रुड़ाएआ
   मरबु ताड़ा ताड़ी ना

(हिन्दी)

फिर से शृंगार करेंगे

दासता की बेड़ी से
हमारा देश मुक्त हुआ
आओ, हम फिर ए हो जाएंगे
हम गाँव और देश का फिर से शृंगार करेंगे
आओ हम फिर एक हो जाएंगे।
हमारी संस्कृति हमारी रीति-नीति
सभी इधर-उधर बिखर गई है।
आओ, हम फिर से सवारेंगे
हम गाँव और देश का फिर से शृंगार करेंगे
आओ, हम फिर से सवारेंगे।
आओ, कदम फिर बढ़ाएंगे
हम गाँव और देश का फिर से शृंगार करेंगे
आओ कदम फिर बढ़ाएंगे।
वृद्धजनों से हम सीख लेंगे
हम युवक युवतियों से हम काम सीखेंगे
देश के लिए
हम गाँव और देश का फिर से शृंगार करेंगे।
आओ, हम शीघ्रता करेंगे

(मुण्डारी)

काबु बगेआ

1. जोतो जहर दंगड़ा को
   अयुमेपे हपानुम को
   काबु बगेआ काबु बगेआ
   जौ रासिका अकड़ा काबु बगेआ
2. रेगे: तेतङ नेका गेआ
   दुकु दसाओ नेका गेआ
   काबु बगेआ काबु बगेआ
   जौ हिरिति पिरिति काबु बगेआ
3. अकड़ा नवा बु बइआ डुलकी दुमङ बु जुममुतुइआ
   काबु बगेआ काबु बगेआ
   जौ रसिका रसी दो काबु बगेआ

(हिन्दी)

सब के सब जवानों और युवतियों सुनों
नहीं छोड़ेंगे नहीं छोड़ेंगे
सदा आनन्द प्रदान करने वाला अखाड़ा
नहीं छोड़ेंगे
भूख प्यास तो ऐसी ही है
दु:ख विपद भी एसी ही है
नहीं छोड़ेंगे नहीं छोड़ेंगे
सदा का मेल प्रेम नहीं छोड़ेंगे
ढोलक और मांदर मस्त करेंगे
अखाड़े को नया बनाएँगे
नहीं छोड़ेंगे नहीं छोड़ेंगे
सदा मन को आनन्दित करने वाला रस
नहीं छोड़ेंगे।

(करम मुण्डारी)

पुटुसु गुटु रे

मेरोम कोम गुपी केना रे
दाई गो दाई गो
टिकुरा रे ओकोए दुरङे
तिगुआ कानाए लेसे लेसे
लन्दा तानाए मेसे मेसे
दाई गो दाई गो
टिकुरा रे ओकोए दुरङे
सबा नए रुतु तीरे
उडुः तानाए मेनदो जीरे
दाई गो दाई गो
टिकुरा रे ओकोए दुरङे।

(हिन्दी)

पुटुस की झाड़ी में

(जब) मैं बकरी चरा रही थी
(उस समय) दीदी गो दीदी गो
टिकरी पर कौन गीत गाए?
सीधे खड़े हुए थे
मुस्कुरा कर हँस रहे थे
दीदी गो दीदी गो
टिकरी पर कौन गीत गाए?
हाथ में बाँसूरी पकड़े थे
पर मन में चिन्तित दिखा पड़ते थे
दीदी गो दीदी गो
टिकरी पर कौन गीत गाए?

(मुण्डारी मागे दुरं)

डोम्बरी बुरु चेतन रे

डोम्बरी बुरु चेतन रे
ओकोए दुमङ रुताना को सुसुन ताना
डोम्बारी लतर रे
चिमाए बिंगुल साड़ी ताना को संगिला कादा
डोम्बरी चेतन रे
बिरसा दुमङ रुताना को सुसुन ताना
डोम्बारी बुरु लतर रे
सयोब बिंगुल साड़ी ताना को
संगिला कादा।
जोनोम दिशुम नंगेन गे
बिरसा दुमङ रु ताना को सुसुन ताना
गोली चलाओ नंगेन गे
सयोब चलाओ नंगेन गे
सयोब बिंगुल साड़ी ताना को संगिला कादा
गोली बारुद चाबा जाना
बिरसा दुमङ रुताना को सुसुन ताना
डोम्बारी बुरु चेतन रे
जोनोम दिशुम अबुआ: को काकाला ताना।

(हिन्दी)

डोम्बारी पहाड़ पर

डोम्बारी पहाड़ के ऊपर कौन मांदर बजा रहा है लोग नाच रहे हैं।
डोम्बारी पहाड़ के नीचे कौन बिंगुल बजा रहा है लोग ऊपर ताक रहे हैं।
डोम्बारी पहाड़ के ऊपर बिरसा मांदर बजा रहा है लोग नाच रहे हैं।
डोम्बारी पहाड़ के नीचे साहब बिंगुल बजा रहा है लोग ऊपर ताक रहे हैं।
जन्म भूमि के लिए विरसा मांदर बजा रहा है लोग नाच रहे हैं।
गोली चलाने के लिए साहब बिंगुल बजा रहा है लोग ऊपर ताक रहे हैं।
गोली बारूद खत्म हो गया बिरसा मांदर बजा रहा है लोग नाच रहे हैं।
डोम्बारी पहाड़ के ऊपर लोग जन्मभूमि हमारा है चिल्ला रहे हैं।

काशीनाथ काण्डे

(मुण्डारी)

दणम दणम

ओते रेचि सिरमा रे कोना रेचि कोचा रे
दणम दणम प्रभु काञ नममा जेतारे दणम दणम
चिकाना:म हांणा जाना अम नतेन चिञ काणा जाना
दणम दणम प्रभु कञ नममा जेतारे दणम दणम
अमागा: गे रेगे: तेतङ अमागा: गे दुकु दसा
जेतम चिकञ प्रभु अमगेम इवुवानावञ जेतम चिकञ
मिद जी कुड़म केआते कटा बुटा रे निदा सिंगि
बुगि लेका परोमिञ में जिदन जलाकार बुगि लेका।

(हिन्दी)

तुम धरती में हो या आसमान में
किसी कोने में हो या किनारे में
(मैं तुम्हें) खोजता हूँ खोजता हूँ
प्रभु मैं तुम्हें कहीं नहीं देख पाता
(प्रभु तुम्हें) खोजता हूँ खोजता हूँ।
किस बात से नाराज हो गए
क्या मैं तुम्हारे लिये ही अंधा हो गया
(मैं तुम्हें) खोजता हूँ खोजता हूँ।
प्रभु मैं तुम्हें कही नहीं देख पाता
मैं (तुम्हें) खोजता हूँ खोजता हूँ
तुम्हारा दिया हुआ हो भूख और जाड़ा
तुम्हारा दिया हुआ ही दु:ख दुर्दशा है।
तुम जो भी करो प्रभु तुम ही सब कुछ जानते हो तुम जो भी करो
मन प्रण एक करके मैं रात दिन तुम्हारे चरणों पर हूँ (तुम) अच्छी तरह
मुझे जीवन रूपी समुद्र से पार लगा दो अच्छी तरह पार लगा दो

(मुण्डारी)

डाड़ी होरा हटिया

डाड़ी होरा हटिया गगारी चाटु द:म अगु
अमा: दोगो छएला निदा सिंगि अमदोम
नाकि: सुपिदा अमा: दोगो छएला।
लुतुर जपा: सए सुनुपिद चापु केनम चापु केन
अमा: दोगो छएला सुपिदेरे बाते बिदुरा काना रे
अमा: दोगो छएला
सुपिद रेचि जी ताम बा रेचि रासिका
अमा: दोगो छएला डाड़ी दा:रे अमदोम लेपेल उम्बुला
अमा: दोगो छएला।

(हिन्दी)

डाड़ी रास्ते पग डँडि में

डाड़ी रास्ते में गगरी से पानी लाती हो
ओ: तुम्हारा छैला रात दिन कंघी आईना होती हो
ओ: तुम्हारा छैला
कान के बगल टेढ़ा खोपा छूती रहती हो
ओ तुम्हारा छैला
खोपा में फूल की माला से सजाई हो।
ओ: तुम्हारा छैला।
खोपा में कि मन है
फूल में कि रास
ओ: तुम्हारा छैला
अड़ीका पानी में तुम तो चेहरा देखती हो।
ओ: तुम्हारा छैला।

(मुण्डारी)

सोना लेकन दिशुम ताबु

सोना लेकन दिशुम ताबु रूपा लेकन गमए ताबु
नागपुरे हो मुण्डा तोवा हुरुम सुकु रासि लिंगि जोरो तान
जोम तन को जोम ताना नू तनको जेम्बेदा कादा
गितिः दुडुम दो मुण्डा ओचो होका तम मुण्डा युगु उरु मेम
अदा कन को दणा कोमे हागा मिसि को सुतुः कोमे
जिदन जलाकार मुण्डा दोला परोम बुने मुण्डा डोंगा अयर मे।
भोगोमन बु जोहारिआ गांधी विरसा बु जोहार किङ।
बोंगा कोचा रे मुण्डा इलि तिला किङ मे उबर पेड़ेः अलि किङ में।

(हिन्दी)

सोना जैसा हमारा देश रूपा जैसी हमारी धरती
नागपुर में हे मुण्डा दूध और मधु का रस चू रहा है बह रहा है
खाने वाले खा रहे हैं पीने वाले पी रहे हैं।
हे मुण्डा नींद में पड़े रहना छोड़ो तुम छोड़ दो
मुण्डा युग पहचानो।
खोए हुए को खोजो भाई बहनो को साथ ले चलो
हे मुण्डा जीवन रूपी समुद्र से हमे पार ले चलो।
हमारी नाव आगे ले चलो।
हम भगवान से प्रार्थना करेंगे
हम गाँधी और विरसा को जोआर करेंगे
हे मुण्डा देव स्थल पर तुम हँड़िया अर्पण करो
उनको यहाँ से उभरने की शक्ति माँगो।

(मुण्डारी)

छोटानागपुर बिर दिशुम

1. छोटानागपुर बिर दिशुम मुण्डा कोआ: बइयन दिशुम
   बइयन दिशुम मुण्डाम चापु दुड्डइ जादा
   गाड़ा तेतम दिशुम आतु ताना
2. इली अरकी रे हगा जाति सुति समन रे सेता पुसि
   नेका रेचिया मुण्डा दिसुमेम चलाओ दड़ि
   गड़ा तेतम दिशुम अतु तना।
3. दिशुम रेन इस जाति को बइ तनाको सेंणा बुद्धि
   चिरगलेन मुण्डा जिलुको बाइ मेआ
   बिङ बाला बाटा को बाइ मेआ

(हिन्दी)

छोटानागपुर जंगल राज

छोटानागपुर का बन्य देश मुण्डाओं का बनाया हुआ देश (है)
अपना बनाया हुआ देश (हे मुण्डा) तुम नहीं सम्भाल पा रहे हो
तुम्हारा देश नदी में बह रहा है।
शराब पीने में ही जाति बिरादरी याद करते हैं
स्वस्थ अवस्था में तो कुत्ता बिल्ली जैसा
हे मुण्डा इस तरह क्या तुम देश को चला सकोगे?
तुम्हारा देश नदी में बह रहा है
देश की अनेक जातियाँ बुद्धिमान बनते जा रहे हैं
हे मुण्डा तुम सतर्क हो जाओ (नहीं तो) तुम उनके शिकार बनोगे।
तुम को गुमराया गया (बटा पक्षी) बनाया।

स्व. कुंजल साय मीरु

(करम मुण्डारी)

सेंगेल लेकम जुले तान बोले

अमदोरे सोंगोति अमदोरे पिरिति
सेंगेल लेकम जुले तान
दागे लेकम लिंगि ताना बोले
जोगाओ मेकाए भोगोमन बोले

लंदा जागार हदा हदा सुसुन दुरङ लदा बदा
मोनो भोगो सुनम सोवन ताना
सोंगोतिकोम एला दोला ताना
गतिमेको तिंगु तांगि ताना

सुपिदेरे रंगा नाचा सेना कदम राचा राचा
जिड़िब जिड़िब पोला सड़ि ताना
केटे: लेबे: मयङ हेलो ताना
लेल केते जी ताञ लो ताना

अम दोरे सुकु सुकु अञ दोरे रोकोम दुकु
जी बितर डडु: तेबा: लेमे
कुड़म बितर चापु तेबा: लेमे
निदा सिंगि कुमु तांगि लेमे।

(हिन्दी)

तुम तो साथी तुम तो प्रिये
आग की तरह धधक रही हो
पानी की तरह बह रही हो
भगवान तुम्हें भले चंगे रखे।

हसना बोलाना हद हदा के नाचना गाना लदा हुआ जैसा
मह मह रहा है
तुम्हारा सुंगधित तेल साथियों को
आओ चलो कर रही हो-

तुम्हारे प्रिय जन इन्तजार कर रहे हैं।
खोपा रंगीन झाबु चली हो आँगन
आगम तुम्हारी पैर की बिझिया बद रही है
जिड़िब जिड़िब

तुम को देखने से ही दिल जल रहा है
तुम तो सुख मे मैं तो कितना दुख में हूँ
मन के भीतर सोच लो दिल के भीतर छुकर देखो
दिन रात सपना में इन्तजार करो।

– स्व. कुजल साय मीरु

www.idpublishing.in